आज शब्द साथ नहीं दे रहे... भारी मन से माघ मेले से विदा हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद - 12

ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने में भारत सक्षम : हरदीप पुरी- 12

ईयू के देशों में आयुष चिकित्सकों के लिए खुले अनंत संभावनाओं के द्वार- 13

टी-20 विश्व कप में अर्शदीप और हार्दिक होंगे सफलता की कुंजी : रोहित - 14

आज का मौसम

21.0° अधिकतम तापमान

11.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.55

सूर्यास्त 05.49

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

| कानपुर नगर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ शुक्ल पक्ष एकादशी 01:55 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 29 जनवरी 2026, वर्ष 4, अंक 159, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

डिप्टी सीएम अजित पवार की विमान हादसे में मौत

पुणे के बारामती में लैंडिंग के दौरान रनवे से टकराया विमान, 4 अन्य की गई जान, महाराष्ट्र में 3 दिन का राजकीय शोक

... वो आखिरी 26 मिनट

- बारामती विमान यातायात नियंत्रण कक्ष (एटीसी) के अनुसार, विमान से पहली बार सुबह आठ बजकर 18 मिनट पर संपर्क हुआ।
- इसके बाद, जब विमान बारामती से 30 नॉटिकल मील दूर था तब उसने संपर्क किया। पायलट को अपने विवेक से ' 'दृश्य मौसम संबंधी स्थितियों' ' में नीचे उतरने की सलाह दी गई।
- चालक दल ने हवाओं और दृश्यता के बारे में पूछा। तब उसे बताया गया कि हवाएं शांत हैं और दृश्यता लगभग 3,000 मीटर है।
- इसके बाद विमान ने आखिरी तौर पर रनवे 11 के करीब आने की सूचना दी, लेकिन कहा कि रनवे उसे दिखाई नहीं दे रहा है। उसने पहले प्रयास में हवा में चक्कर लगाना शुरू किया।
- चक्कर लगाने के बाद, चालक दल से फिर पूछा गया कि क्या उन्हें रनवे दिखाई दे रहा है। जवाब था- फिलहाल रनवे नजर नहीं आ रहा है। जब रनवे नजर आएगा, हम संपर्क करेंगे। कुछ सेकंड बाद, चालक दल ने बताया कि उसे रनवे दिखाई दे रहा है।
- विमान को सुबह आठ बजकर 43 मिनट पर रनवे 11 पर उतरने की अनुमति दी गई। हालांकि, उसने (चालक दल ने) लैंडिंग की अनुमति के बारे में कोई उत्तर नहीं दिया (एटीसी को जवाब नहीं दिया)। इसके बाद, सुबह आठ बजकर 44 मिनट पर एटीसी ने रनवे 11 के किनारे के आसपास आग की लपटें देखीं।
- आपातकालीन सेवाएं तुरंत दुर्घटनास्थल पर पहुंचीं, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

- विजिबिलिटी कम होने पर पहली बार में पायलट नहीं करा सके थे लैंडिंग, पुन: प्रयास में हुआ हादसा, दिवंगत पवार का अंतिम संस्कार आज
- हादसे में पायलट सुमित कपूर, सह-पायलट कैप्टन शांभवी पाठक, पीएसओ विदिप जाधव व विमान परिचारिका पिंकी माली की भी गई जान

पुणे, एजेंसी

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार (66) समेत पांच लोगों की बुधवार सुबह पुणे जिले में बारामती हवाई अड्डे के निकट विमान दुर्घटना में मौत हो गई। पवार 5 फरवरी को होने वाले जिला परिषद चुनाव के लिए पुणे में चार रैलियों को संबोधित करने के वास्ते सुबह मुंबई से रवाना हुए थे। दुर्घटना में जान गंवाने वालों में कैप्टन सुमित कपूर भी शामिल हैं, जिनके पास 15,000 घंटे का उड़ान अनुभव था। 1,500 घंटे का उड़ान अनुभव रखने वालीं सह-पायलट कैप्टन शांभवी पाठक, निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) विदिप जाधव और विमान परिचारिका पिंकी माली की भी दुर्घटना में मौत हो गई। पवार के सम्मान में महाराष्ट्र ने 30 जनवरी तक राजकीय शोक रहेगा।

सरकार ने बताया कि विमान एटीसी ने बुधवार सुबह खराब दृश्यता के बाद हवा में एक चक्कर लगाने के बाद लियरजेट विमान को उतरने की अनुमति दे दी थी। लेकिन अंततः अनुमति मिलने के बाद भी विमान ने एटीसी को कोई 'रीड-बैक' या प्रतिक्रिया नहीं दी और कुछ ही क्षण बाद रनवे किनारे पर वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। वीएसआर वेंचर्स के बेड़े में सात लियरजेट 45 विमान (जिसमें यह दुर्घटनाग्रस्त विमान भी शामिल है), पांच एम्बरर 135बीजे विमान, चार किंग एयर बी200 विमान और एक पिलाटस पीसी-12 विमान शामिल हैं। उड़ानों की निगरानी करने वाली 'फ्लाइट रडार' के अनुसार, विमान ने मुंबई से सुबह 8:10 मिनट पर उड़ान भरी और सुबह लगभग आठ बजकर 45 मिनट पर यह रडार से गायब हो गया। दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई। पवार के परिवार में उनकी पत्नी सुनेत्रा और दो बेटे पार्थ और जय हैं। सुनेत्रा राज्यसभा सदस्य हैं। अजित पवार की अगुवाई वाली राकांपा ने हाल में पुणे और पिंपरी चिंचवड में हुए निकाय चुनाव में अपने चाचा शरद पवार की राकांपा (शप) से गठबंधन में चुनाव लड़ा था। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और कई अन्य नेताओं ने अजित पवार के निधन पर शोक व्यक्त किया। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, विमान हवा में थोड़ा अस्थिर दिख रहा था और जैसे ही जमीन से टकराया, विस्फोट हो गया और विमान में भीषण आग लग गई। (संबंधित राष्ट्रीय पेज पर)

पुणे जिले में बारामती हवाई अड्डे के निकट हुई विमान दुर्घटना के बाद लगी आग।

इनकी गई हादसे में जान

अजित पवार उप मुख्यमंत्री, महाराष्ट्र

सुमित कपूर पायलट

शांभवी पाठक सह-पायलट

विदीप जाधव पीएसओ

पिंकी माली फ्लाइट अटेंडेंट

एएआईबी जांच के लिए दुर्घटनास्थल पर पहुंची

हैदराबाद। वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) बुधवार को बारामती हवाई अड्डे पर हुए विमान हादसे की जांच के लिए दोपहर बाद बारामति पहुंच गई। एएआईबी के अधिकारी ने यह जानकारी दी। हालांकि, अधिकारी ने और अधिक जानकारी देने से इनकार कर दिया। इससे पहले दिन में, एएआईबी को हादसे की जांच का जिम्मा सौंपा गया। बुधवार सुबह, 16 साल पुराना और मध्यम आकार का विमान दूसरी बार लैंडिंग के प्रयास के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। यह दुर्घटनाओं की विस्तृत जांच करता है और सुरक्षा में सुधार के उपाय भी सुझाता है।

अजित पवार की मृत्यु से स्तब्ध हूं: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि वह विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की असामयिक मृत्यु से बेहद दुखी और स्तब्ध हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अजित पवार आम लोगों के नेता थे और जमीनी स्तर पर उनकी पकड़ काफी मजबूत थी। मोदी ने कहा, अजित पवार जननेता थे और उनका जमीनी स्तर पर गहरा जुड़ाव था। महाराष्ट्र की जनता की सेवा में वह हमेशा समर्पित रहे और एक परिश्रमी नेता के रूप में उनका व्यापक सम्मान था। मोदी पवार के अंतिम संस्कार में शामिल होंगे।

एक अच्छा मित्र खो दिया : फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को विमान दुर्घटना में उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मौत को अविश्वसनीय बताया और कहा कि उन्होंने एक अच्छा मित्र खो दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अजित पवार की मृत्यु से एक ऐसा खालीपन आ गया है जिसे कभी भरा नहीं जा सकेगा। उनके साथ बेहद करीब से काम करने के बाद यह विश्वास कर पाना मुश्किल हो रहा है कि वह अब हमारे बीच नहीं रहे। उन्होंने कहा कि इस तरह का नेतृत्व उभरने में कई साल लग जाते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को इस त्रासदी की जानकारी दी।

ब्रीफ न्यूज

चांदी 3.85 लाख प्रति किग्रा, सोना 1.71 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को सोना और चांदी की कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी रहा। चांदी में लगातार तीसरे दिन तेजी आई और यह 15,000 रुपये यानी 4 .05 प्रतिशत बढ़कर 3,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। सर्राफा बाजार में 99 .9% शुद्धता वाला सोना भी 5,000 रुपये यानी तीन प्रतिशत बढ़कर 1,71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। मंगलवार को यह 1,66,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

(विस्तृत कारोबार पेज पर)

अरुंधति रॉय 'मातृभूमि बुक ऑफ दी ईयर अवॉर्ड 2026' से सम्मानित

तिरुवनंतपुरम। केरल के प्रमुख मीडिया समूह मातृभूमि ने चर्चित लेखिका अरुंधति रॉय को उनकी कृति 'मदर मैरी कम्स टू मी' के लिए मातृभूमि बुक ऑफ द ईयर 2026 पुरस्कार से सम्मानित किया। रॉय को पुरस्कार स्वरूप दो लाख रुपये नकद और एक स्मृति चिह्न प्रदान किया। मातृभूमि बुक ऑफ द ईयर पुरस्कार उस उत्कृष्ट कृति को दिया जाता है जिसने पाठकों पर एक अमिट छाप छोड़ी है और समकालीन साहित्य में सार्थक योगदान दिया है।

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था : मुर्मू

नई दिल्ली, एजेंसी

- संसद के बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति ने पढ़ा अभिभाषण
- कहा- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विश्व ने भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम देखा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को संसद के बजट सत्र के पहले दिन बुधवार को कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विश्व ने भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम देखा जब देश ने अपने संसाधनों के बल पर आतंकियों के अड्डों को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने इसके साथ ही कड़ा संदेश दिया कि भारत पर किसी भी आतंकी हमले का जवाब दृढ़ और निर्णायक होगा। संसद के बजट सत्र की शुरुआत में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा, भारत ने सिद्ध किया है कि शक्ति का प्रयोग उत्तरदायित्व और विवेक के साथ किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर से विश्व ने भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम देखा है।

उन्होंने कहा सिंधु जल समझौते को स्थगित किया जाना भी आतंकवाद के विरुद्ध हमारी लड़ाई का हिस्सा है। देश की रक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए मिशन सुदर्शन चक्र पर भी काम हो रहा है। मुर्मू ने विकसित भारत का संकल्प, भारत की सुरक्षा, आत्मनिर्भरता, स्वदेशी का अभियान, एकता के लिए प्रयास, स्वच्छता, राष्ट्र से जुड़े ऐसे विषयों पर, सांसदों से एकमत होने का आह्वान करते हुए कहा, विभिन्न मतों, अलग-अलग विचारों के बीच, यह सर्वमान्य है कि राष्ट्र से बड़ा कुछ नहीं है।

जी राम जी पर विपक्ष का विरोध

राष्ट्रपति ने मनरेगा की जगह सरकार द्वारा लाए गए कानून का जिक्र करते हुए कहा, ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार और विकास के लिए विकसित भारत - जी राम जी कानून बनाया गया है। नए सुधार से गांव में एक सौ पच्चीस दिन के रोजगार की गारंटी होगी। उन्होंने कहा कि अब इस योजना से गांवों के विकास को नई गति मिलेगी और किसान, पशुपालक और मछुआरे साथियों के लिए नई सुविधाएं निर्मित होंगी। इस दौरान विपक्ष के अनेक सदस्यों ने इस कानून का विरोध करते हुए नारेबाजी की और इसे वापस लेने की मांग करने लगे।

अनिल अंबानी की कंपनियों की 1,800 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने बुधवार को कहा कि उसने रिलायंस समूह के अध्यक्ष अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ जारी धनशोधन जांच के तहत 1,800 करोड़ रुपये से अधिक की नयी संपत्तियों को कुर्क किया है। कुर्क की गई कुल संपत्ति का मूल्य अब लगभग 12,000 करोड़ रुपये हो गया है।

ईडी ने कहा कि धन शोधन के तहत 4 अलग-अलग अंतरिम आदेश जारी किए हैं। कुर्क की गई संपत्तियों में बैंक जमा, गैर-सूचीबद्ध निवेशों में शेयरधारिता और कुछ अचल संपत्तियां शामिल हैं। आरएचएफएल, आरसीएफएल, यस बैंक धोखाधड़ी के साथ-साथ रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेड से जुड़े धोखाधड़ी के मामलों में कुर्की की गई है। नए अधिरोपित शेयरों में बीएसईएस यमुना पावर, बीएसईएस राजधनी पावर व मुंबई मेट्रो वन प्राइवेट में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की शेयरधारिता शामिल है।

ईरान पर हमले की धमकी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को ईरान पर हमले की धमकी दी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, उम्मीद है कि ईरान जल्द ही बातचीत के लिए आगे आएगा और एक निष्पक्ष एवं न्यायसंगत समझौता करेगा, एक ऐसा समझौता जो सभी पक्षों के लिए अच्छा हो। उन्होंने कहा, समय तेजी से बीत रहा है और यह वाकई बेहद महत्वपूर्ण है। ईरान पर जून में हुए हमलों का जिक्र करते हुए ट्रंप ने लिखा, अगला हमला इससे कहीं ज्यादा खतरनाक होगा।

एनसीसी युवाओं को राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाने का आंदोलन : मोदी

- राष्ट्रीय कैडेट कोर की रैली को प्रधानमंत्री ने किया संबोधित
- कहा- एनसीसी भारत की युवा शक्ति को आत्मविश्वासी बनाता है

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ऐसा आंदोलन है जो देश के युवाओं को आत्मविश्वासी, अनुशासित, संवेदनशील और राष्ट्र के प्रति समर्पित नागरिक बनाता है। उन्होंने कहा कि देश में कैडेटों की संख्या में निरंतर बढ़ रही है और हाल के वर्षों में यह 14 लाख से बढ़कर 20 लाख हो गई है जिसमें देश के सीमावर्ती और तटीय क्षेत्रों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

मोदी ने बुधवार को यहां दिल्ली छावनी के करियप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित वार्षिक एनसीसी पीएम रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा, यह ऐसा मंच है जहां युवा अपनी विरासत को गर्व के साथ जीते हैं। उन्होंने देशभर में 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में हुए उत्सवों का उल्लेख किया। 'परमवीर सागर यात्रा' को एक उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले सरकार ने अंडमान और निकोबार के 21 द्वीपों का नामकरण परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर किया था, और कैडेटों ने अपनी नौकायन यात्रा के माध्यम से राष्ट्रीय नायकों के सम्मान की इस भावना को आगे बढ़ाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि एनसीसी ने स्मारकों से लेकर सड़कों तक इतिहास को जीवंत किया है।

नई दिल्ली में राष्ट्रीय कैडेट कोर के सदस्यों से बातचीत करते प्रधानमंत्री मोदी।

प्रधानमंत्री बोले- पूरा विश्व भारत के युवाओं की ओर बड़े विश्वास के साथ देख रहा

प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरा विश्व भारत के युवाओं की ओर बड़े विश्वास के साथ देख रहा है और इसका कारण उनके कौशल और मूल्य हैं। भारतीय युवा लोकतंत्र के मूल्यों, विविधता के सम्मान और वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को अपने साथ लेकर चलते हैं, जिससे वे जहां भी जाते हैं, वहां सहजता से घुल-मिल जाते हैं और उन देशों के विकास में योगदान देते हैं। यही भारत की संस्कृति और प्रकृति है। मोदी ने वैश्विक नेताओं के साथ हुई अपनी चर्चाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय युवा न केवल मेहनती हैं, बल्कि उत्कृष्ट पेशेवर भी हैं, दुनिया भर में उनकी मांग है। विश्व में भारत के युवाओं के योगदान के साथ-साथ देश के भीतर उनकी उपलब्धियों की सराहना हो रही है।

लखनऊ भेजे गए अलंकार समर्थकों का जबरदस्त हंगामा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- अफसरों ने बाहर भेजने के मसले पर चुप्पी साधी, धक्का-मुक्की में इंस्पेक्टर गिरे, नारेबाजी

अमृत विचार : निलंबित सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री को बुधवार की दोपहर कड़ी सुरक्षा के बीच लखनऊ भेज दिया गया। बाहर भेजे जाने की सूचना पर उनके समर्थक आक्रोशित हो उठे और गाड़ी रोकने की कोशिश करते हुए जमकर हंगामा किया। पुलिस अलंकार अग्निहोत्री को गाड़ी में बैठाकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में बाहर भेजने में सफल रही। उनके साथ कुछ करीबी मित्र भी गए हैं।

निलंबित अफसर को कहां भेजा गया है, इस अफसर मौन रहे, अलबत्ता अलंकार ने स्वयं मैसेज करके बताया है कि वह सुरक्षित हैं और लखनऊ के लिए जा रहे हैं। इससे पूर्व अलंकार को बाहर भेजने की जानकारी मिलते ही समर्थकों में

जबर्दस्त आक्रोश फैल गया और हंगामा शुरू हो गया। समर्थकों ने अलंकार को बरेली से बाहर न जाने देने के लिए रोकने का भरकस प्रयास किया। गुस्साए समर्थकों ने पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की कर दी। धक्का-मुक्की में एक इंस्पेक्टर जमीन पर गिर गए। पुलिस ने कड़ी मशक्कत कर समर्थकों को गाड़ी के आगे से हटाया।

यूजीसी बिल को चुनौती वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। शीर्ष कोर्ट ने यूजीसी के हाल में अधिसूचित एक नियम को चुनौती देने वाली उस याचिका पर सुनवाई के लिए बुधवार को सहमति जताई, जिसमें यह दलील दी गई है कि नियम में जाति-आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई गई है और कुछ श्रेणियों को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा गया है। सीजेआई सूर्यकांत व न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग करने वाले वकील की दलीलों पर गौर किया। वकील ने कहा, सामान्य वर्ग के खिलाफ भेदभाव बढ़ सकता है। मेरा मुकदमा 'राहुल दीवान एवं अन्य बनाम भारत सरकार' है। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा, हमें पता है कि क्या हो रहा है। सुनिश्चित करें कि खामियां दूर कर दी जाएं। हम इसे सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करेंगे।

कार्यक्रम मुख्यमंत्री ने किया सिद्धार्थनगर महोत्सव का शुभारंभ, 1052 करोड़ की 229 परियोजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

उपद्रव की जगह अब होते हैं उत्सव, 25 करोड़ आबादी परिवार : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश की 25 करोड़ आबादी को परिवार मानकर सरकार ने विकास का अभियान आगे बढ़ाया है। बीमार मानसिकता के लोगों ने पूर्वी उत्तर प्रदेश को लंबे समय तक बीमार बनाए रखा, लेकिन डबल इंजन सरकार ने दृढ़ संकल्प के साथ इस बीमारी को जड़ से खत्म किया। अब उत्तर प्रदेश उपद्रव से उत्सव की ओर बढ़ चुका है।

मुख्यमंत्री बुधवार को पांच दिवसीय सिद्धार्थनगर महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने 1052 करोड़ रुपये की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सरकार बिना किसी भेदभाव के विकास के लिए धन उपलब्ध करा रही है। जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों से योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं। जीवन हताशा-निराशा के लिए नहीं, बल्कि उत्साह, उमंग और मिलकर विकास के लिए मिला है। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय की उपस्थिति पर मुख्यमंत्री ने उनका आभार भी व्यक्त किया। योगी ने कहा कि एक समय सिद्धार्थनगर आकांक्षी जनपद इसलिए था क्योंकि यहां विकास नहीं, बल्कि बीमारी और पलायन था। इंसेफेलाइटिस से बच्चों की मौतें होती थीं। पीएम मोदी की प्रेरणा से 2017 में संकल्प लिया गया कि एक भी बच्चा इस बीमारी से नहीं मरेगा। आज यह बीमारी इतिहास बन चुकी है। उन्होंने माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, महिला छात्रावास, सीएसआर फंड से बन रहे एक हजार सीटों वाले ऑडिटोरियम का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा में बड़े बदलाव हुए हैं।

सिद्धार्थनगर महोत्सव का शुभारंभ करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

बांटकर नहीं, जोड़कर होता है विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि जाति, मत-मजहब, क्षेत्र और भाषा के नाम पर बांटकर विकास नहीं किया जा सकता। सतत और समग्र विकास ही रामराज्य की अवधारणा का साकार रूप है। गरीबों को राशन, आवास, शौचालय, आयुष्मान कार्ड जैसी सुविधाएं बिना भेदभाव दी जा रही हैं। सरकार की योजनाओं का केंद्र गरीब, महिला, युवा और किसान हैं।

गोरखपुर-शामली बनेगा इकोनॉमिक कॉरिडोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिद्धार्थनगर की कनेक्टिविटी को फोरलेन से जोड़ा जा रहा है। खलीलाबाद-बहराइच रेल लाइन जिले से होकर गुजर रही है, जिससे निवेश बढ़ेगा। गोरखपुर-शामली इकोनॉमिक कॉरिडोर जनपद की तीन विधानसभा क्षेत्रों को जोड़ते हुए विकास का नया मार्ग बनेगा।

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 29 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

यूपी-जापान संबंधों को नया आयाम

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश और जापान के बीच वेलनेस टूरिज्म, बौद्ध पर्यटन, खेल पर्यटन (विशेषकर गोल्फ), व्यंजन एवं खानपान, सांस्कृतिक यात्रा तथा साहित्य और ज्ञान आधारित पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए बुधवार को यामानाशी प्रांत से आए जापानी प्रतिनिधिमंडल और उप्र. सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने की। मंत्री जयवीर सिंह ने अप्रैल या मई में जापान में 'यूपी फेस्टिवल' के आयोजन की संभावना भी जताई। पर्यटन विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात ने जापान की जीवन-दर्शन परंपराओं- इकिगाई, वाबी-साबी, जेन और जाजेन का उल्लेख करते हुए वेलनेस और आध्यात्मिक पर्यटन में सहयोग की संभावनाओं पर जोर दिया। यामानाशी प्रांत के उप-राज्यपाल जुनिची इशिडेरा ने कहा कि दिसंबर 2024 में हुए एमओयू के बाद दोनों पक्षों के बीच सहयोग लगातार मजबूत हुआ है। उन्होंने बताया कि आगामी अगस्त में 200 सदस्यीय जापानी प्रतिनिधिमंडल उत्तर प्रदेश आएगा, जिससे पर्यटन, व्यापार और सांस्कृतिक संबंध और सुदृढ़ होंगे।

उद्योग के लिए यूपी बना ड्रीम डेस्टिनेशन

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार द्वारा किए गए व्यापक नियामक और प्रशासनिक सुधारों का असर अब जमीनी स्तर पर साफ दिखाई देने लगा है। वर्षों से जटिलताओं और अनुपालनों के बोझ से जूझ रहे उद्योग-व्यापार को बड़ी राहत मिली है। 577 प्रावधानों को अपराधमुक्त करने, 948 पुराने कानूनों को समाप्त करने और ट्रेड लाइसेंस जैसी अनिवार्यताओं को खत्म करने से प्रदेश उद्योगों के लिए 'ड्रीम डेस्टिनेशन' के रूप में उभर रहा है। सरकार के सुधारवादी कदमों से न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाएं सरल हुई हैं, बल्कि निर्णय लेने की गति भी तेज हुई है। जहां पहले परियोजनाओं को स्वीकृति मिलने में वर्षों लग जाते थे, वहीं अब समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित हो रहा है। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है और निवेश प्रस्तावों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देने से अनुपालनों की प्रक्रिया ऑनलाइन हुई है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी और प्रशासनिक बोझ घटा। छोटे उल्लंघनों पर जेल जैसे कठोर प्रावधान हटने से कारोबारियों का भय समाप्त हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' वास्तविक अर्थों में धरातल पर उतरी है। इन सुधारों का सबसे बड़ा लाभ एमएसएमई सेक्टर को मिला है। प्रदेश में करीब 96 लाख एमएसएमई संचालित हैं, जिनकी संख्या जल्द ही एक करोड़ से अधिक होने की संभावना है। नियमों की सरलता से छोटे उद्यमी औपचारिक अर्थव्यवस्था से जुड़े हैं और अपने कारोबार का विस्तार कर पा रहे हैं।

ऑडिट में उलझीं जल संरक्षण की 51 परियोजनाएं

कृषि विभाग और परती भूमि विकास की नोडल एजेंसी में खींचतान, अब कृषि निदेशालय कराएगा ऑडिट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : पहले गाइडलाइन फिर बजट और अब विभागीय ऑडिट में परती भूमि विकास विभाग की 34 जिलों में बनी 51 डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई-2.0 यानी जल संरक्षण की परियोजनाएं उलझ गई हैं। पारदर्शिता के लिए कृषि निदेशालय परियोजनाओं का विभागीय ऑडिट कराएगा। यह आदेश भी जारी कर दिया है।

इधर, परती भूमि विकास विभाग की राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी ने गाइडलाइन का हवाला दिया कि केंद्र की इस वित्त पोषित परियोजना में विभागीय ऑडिट का उल्लेख नहीं है, न ही सम्बंधित से इसकी स्वीकृति ली गई। केंद्र की गाइडलाइन के अनुसार, नोडल एजेंसी स्तर से परियोजना का मूल्यांकन (मिड एवं इंड टर्म) का कार्य विशेषज्ञ सरकारी एजेंसी कर रही है। साथ ही भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक कार्यालय में इमपैनल्ड सीए फर्म की ओर से ऑडिट किया जा रहा है। इसके जवाब में कृषि निदेशालय ने शासन स्तर से गठित कमेटी और निदेशक आंतरिक लेखा एवं लेखा परीक्षा निदेशालय की ओर से अनुमोदन के उपरांत ही ऑडिट कराने की बात कही है। राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कृष्ण कुमार ने बताया कि किसी तरह की आपत्ति नहीं है। कृषि विभाग ने नियमों के तहत ही ऑडिट का निर्णय लिया होगा। इस मामले पर निदेशक कृषि से संपर्क नहीं हो सका।

मार्च 2026 तक पूरी करनी है परियोजनाएं

यह योजना परती भूमि विकास विभाग की है, जो कर्मियों और संसाधनों की कमी होने पर कृषि विभाग को दी गई थी और भूमि संरक्षण शाखा द्वारा कार्य कराए गए। परियोजनाओं में जल संरक्षण के साथ किसान, ग्रामीण व महिलाओं को आजीविका से जोड़ना है। वर्ष 2023 में धरातल पर कार्य शुरू हुए थे और मार्च 2026 तक इसे पूर्ण करना है। कुल बजट 581 करोड़ रुपये निर्धारित है। इसमें 50 फीसद ही बजट मिलना बताया गया। इससे शेष कार्य व भुगतान करना है।

इन 34 जिलों में परियोजनाएं

लखनऊ, बरेली, कानपुर नगर, आजमगढ़, जौनपुर, कन्नौज, रामपुर, बदायूं, बिजनौर, सम्भल, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अमरोहा, हापुड़, कुशीनगर, देवरिया, महोबा, हमीरपुर, एटा, मथुरा, इटावा, मैनपुरी, चित्रकूट, रायबरेली, अमेठी, वाराणसी, सोनभद्र, मीरजापुर, प्रयागराज, फतेहपुर, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, सहारनपुर व बागपत।

योजना के मुख्य कार्य

- भूजल बढ़ाने के लिए कुओं की मरम्मत व जीर्णोद्धार
- जीर्ण जल संचय बंधियां, चेकडैम, तालाब आदि का जीर्णोद्धार
- कैटिल घाट, छठ पूजन घाट का निर्माण व मरम्मत
- जरूरत के हिसाब से चबूतरा, सीढ़ी, रूफटॉप, हैंडपंप, सोखपिट
- कृषि उत्पाद समूह व महिला समूह बनाना
- खेती, बागवानी, वनीकरण के लिए बीज, सिंचाई आदि में सहायता
- ऊसर, बंजर भूमि का समतलीकरण व कटान रोकना

चालकों को बगैर प्रशिक्षण मार्ग पर न भेजा जाए: एमडी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एमडी ने की परिवहन निगम के सभी 20 क्षेत्रों की समीक्षा

अमृत विचार: सभी चालक एवं परिचालक की ड्यूटी सॉफ्टवेयर के माध्यम से लगाना सुनिश्चित करें। चालकों को बगैर प्रशिक्षण दिलाये मार्ग पर न भेजा जाए। ड्राइवरों को यातायात एवं सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति जागरूक कर उनकी नियमित काउन्सलिंग की जाए। साथ ही चालकों का ब्रेथ एनलाइजर टेस्ट भी निरंतर किया जाए। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाले मौत के आंकड़ों में 50 प्रतिशत तक कमी लाई जाए। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक प्रभु एन. सिंह ने बुधवार को यह दिशा-निर्देश जारी किए।

एमडी बुधवार को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित समीक्षा बैठक में प्रदेश के सभी 20 क्षेत्रों के अफसरों से मुखातिब थे। इस दौरान सभी रीजन के क्षेत्रीय प्रबंधकों/सेवा प्रबंधकों, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को जोड़ा गया था। समीक्षा के दौरान प्रबंध निदेशक ने सड़क सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन कराने के निर्देश दिये। प्रबंध निदेशक ने कहा कि गत वर्ष जनवरी में फैटल दुर्घटनाओं की कुल संख्या 23 व घायलों की संख्या 55 रही जबकि इस वर्ष माह जनवरी में 8 फैटल एवं घायलों की संख्या 27 रही।

बख्शे न जाएं भूमाफिया: मुख्यमंत्री

जनता दर्शन में सुनीं लोगों की समस्याएं, कहा- किसी के साथ अन्याय नहीं होने देंगे

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी व्यक्ति की जमीन पर यदि कोई दबंग या भूमाफिया ने कब्जा किया है, तो उसे तुरंत कब्जामुक्त कराया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि दूसरे की जमीन कब्जा करने वाले या कमजोरों को परेशान करने वाले भूमाफिया को कतई बख्शा नहीं जाएगा। उनका कहना था कि सरकार किसी के साथ अन्याय नहीं होने देगी और हर नागरिक के जीवन में खुशहाली सुनिश्चित करेगी।

मुख्यमंत्री ने यह बातें बुधवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान कहीं। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में करीब 150 लोगों ने अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के समक्ष रखीं। मुख्यमंत्री ने हर व्यक्ति से व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को त्वरित एवं संतोषजनक समाधान का निर्देश दिया। जनता दर्शन में भूमि कब्जा से जुड़ी शिकायत पर मुख्यमंत्री ने प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कोई दबंग किसी की जमीन पर कब्जा न कर पाए।

गोरखनाथ मंदिर में महिला फरियादियों की समस्या सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

मुख्यमंत्री ने की गोसेवा, खिलाई गुड़-रोटी

अमृत विचार : गोरखनाथ मंदिर में बुधवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिवावतार महायोगी गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर मत्था टेका। तत्पश्चात उन्होंने मंदिर परिसर में स्थित गोशाला का भ्रमण किया और श्यामा, गौरी, गंगा, भोला सहित सभी गोवंश को अपने हाथों से गुड़-रोटी खिलाई। सीएम योगी की दिनचर्या में गोसेवा शामिल है। मुख्यमंत्री योगी ने अपने हाथ से बच्चों को मिष्ठान्न दिया और दो बच्चों को गोद में लेकर अन्नप्राशन कराया।

इसके अलावा, महिलाओं द्वारा पारिवारिक विवाद और ससुराल पक्ष से जुड़ी शिकायतें भी सामने आईं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि दोनों पक्षों के साथ संवाद कर मामले का हल निकाला जाए और जरूरत पड़ने पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता भी मांगने पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी ने आश्वस्त किया कि पैसे की कमी से किसी का इलाज नहीं रुकेगा।

किसानों को एक फोन पर मिलेगी पूरी जानकारी, हेल्पलाइन शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक अहम पहल की है। अब किसानों को कृषि विभाग की योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने होंगे। वे एक फोन कॉल के माध्यम से घर बैठे ही सभी जरूरी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए कृषि विभाग ने बुधवार को कृषि हेल्पलाइन की शुरुआत की।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख के साथ लखनऊ स्थित कृषि निदेशालय में बुधवार को हेल्पलाइन की शुरुआत की। कृषि मंत्री ने बताया कि किसान अब सोमवार से शुक्रवार सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक हेल्पलाइन नंबर 0522-2317003 पर कॉल कर कृषि विभाग से जुड़ी अनुदान, योजनाओं और कृषि निवेश की सभी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी। इस अवसर पर सचिव कृषि इंद्रविक्रम सिंह, कृषि निदेशक पंकज त्रिपाठी, अपर निदेशक आशुतोष मिश्र, संयुक्त निदेशक अखिलेश कुमार सिंह सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

हेल्पलाइन का उद्घाटन करते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, साथ में मंत्री बलदेव सिंह औलख।

1000 करोड़ यूपी स्टार्टअप फंड से नवाचार को मजबूती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीड कैपिटल, प्रोटोटाइप और भरण-पोषण भत्ते से स्टार्टअप को मिला सहारा

अमृत विचार : उप्र. सरकार नवाचार, स्वरोजगार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी कदम उठा रही है। इसी दिशा में एक हजार करोड़ रुपये का यूपी स्टार्टअप फंड गठित किया गया है, जिसका उद्देश्य नए विचारों को व्यवसाय में बदलने में मदद करना है। अब तक इस फंड से स्टार्टअप को सीधे 325 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता स्वीकृत की जा चुकी है, जिससे प्रदेश में स्टार्टअप संस्कृति को मजबूती मिली है।

प्रदेश में वर्तमान में 19,000 से अधिक स्टार्टअप को डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त है, जिनमें 9,600 से अधिक महिला नेतृत्व वाले हैं। महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने में यह बड़ी सफलता मानी जा रही है।

"स्टार्ट इन यूपी" योजना के तहत अब तक 3,000 से अधिक स्टार्टअप को मान्यता दी गई है, जबकि 2,100 से अधिक स्टार्टअप को इनक्यूबेशन सहायता प्राप्त हुई है। 76 मान्यता प्राप्त इनक्यूबेटर स्टार्टअप को तकनीकी, प्रबंधन और मेंटरशिप सहायता दे रहे हैं।

नए स्टार्टअप्स के लिए सीड कैपिटल और मार्केटिंग सहायता के तहत 376 आवेदन स्वीकृत किए गए और 26.43 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई। प्रोटोटाइप विकास के लिए 74 स्टार्टअप को 3.55 करोड़ की मदद दी गई। स्टार्टअप की शुरुआती चुनौतियों को कम करने के लिए भरण-पोषण भत्ता योजना में 2.46 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई और 566 इंसेंटिव आवेदन के तहत 32 करोड़ की सहायता दी गई। प्रदेश में सात सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तकनीकी शोध और नवाचार को बढ़ावा दे रहे हैं, जिन पर अब तक 27.18 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं।

मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना बनी किसानों की सुरक्षा कवच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में संचालित मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना प्रदेश के किसानों और उनके परिवारों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच के रूप में उभरी है। योजना के तहत दुर्घटना की स्थिति में किसान परिवार को 5 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

- वित्तीय वर्ष 2025-26 में 18,145 किसानों को दी गई 873.58 करोड़ रुपये की सहायता

वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना के तहत 18,145 किसानों या उनके परिवारों को कुल 873.58 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं। योजना की शुरुआत से अब तक 1,08,098 किसानों और उनके परिवारों को लाभ मिल चुका है। वर्ष 2023-24 में योजना का दायरा बढ़ाकर भूमिहीन किसानों और खेतिहर श्रमिकों को भी शामिल किया गया था, जिससे उनकी सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक सहायता सुनिश्चित हुई।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर योजना का पूर्ण डिजिटलीकरण किया जा रहा है। एनआईसी की मदद से विकसित वेब पोर्टल और सॉफ्टवेयर फरवरी 2026 तक पूरी तरह सक्रिय हो जाएगा। डिजिटल पोर्टल के माध्यम से किसानों को अब बार-बार तहसील या जिला कार्यालय आने की जरूरत नहीं होगी।

अपर्णा और प्रतीक में हुई सुलह

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : समाजवादी परिवार से जुड़े अपर्णा यादव और प्रतीक यादव के बीच चला आ रहा विवाद अब समाप्त होता दिख रहा है। दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से सुलह की बात की जा रही है। इसकी पुष्टि प्रतीक यादव ने अपनी पत्नी और अपर्णा यादव के साथ सोशल मीडिया पर एक नई तस्वीर साझा करते हुए की है।

बीते दिनों मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव ने सोशल मीडिया पर राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष व अपनी पत्नी अपर्णा यादव की तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्हें 'स्वार्थी महिला', 'परिवार नाशक' और 'बुरी आत्मा' जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने लिखा था कि अपर्णा ने उनके पारिवारिक रिश्तों को बर्बाद कर दिया है, उनकी मानसिक स्थिति खराब की है और केवल प्रसिद्धि व प्रभाव बढ़ाने में लगी हैं। जिसके बाद दोनों के बीच पारिवारिक मतभेद को लेकर चर्चाएं चल रही थीं, जो मीडिया और राजनीतिक गलियारों में भी सुर्खियों में रही थीं। इस विवाद को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि अब दोनों पक्षों की सहमति के बाद इन चर्चाओं पर विराम लग गया है।

सोशल मीडिया पर साझा की गई अपर्णा यादव व प्रतीक यादव की फोटो।

- प्रतीक यादव ने फोटो के जरिए की समझौते की पुष्टि

राजनीतिक हलकों में इस घटनाक्रम को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि अपर्णा यादव वर्तमान में भाजपा से जुड़ी हैं और प्रतीक यादव समाजवादी परिवार से संबंध रखते हैं। ऐसे में यह विवाद राजनीतिक चर्चाओं का भी विषय बना हुआ था। प्रतीक की नई पोस्ट से माना जा रहा है कि इससे अनावश्यक राजनीतिक अटकलों पर भी विराम लगेगा।

हेलमेट स्टाइल को नहीं, जीवन रक्षा के लिए पहनें : किंजल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. परिवहन विभाग की परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि हेलमेट स्टाइल या लुक्स के लिए नहीं, बल्कि जीवन बचाने के लिए पहना जाना चाहिए। बताया कि विदेशों में सड़क दुर्घटनाएं कम होने का कारण वहां का सख्त अनुशासन है, जिसे भारत में भी अपनाने की जरूरत है। उन्होंने बच्चों से अपील की कि वे अपने अभिभावकों को हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित करें, क्योंकि बच्चे जो ठान लें, उसे अभिभावक नजरअंदाज नहीं कर पाते।

यह बातें उप्र.परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा माह-2026 के अंतर्गत लखनऊ स्थित वाहन परीक्षण केंद्र में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत करने के बाद परिवहन आयुक्त बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बिना हेलमेट या लाइसेंस वाहन चलाने से रोकना अभिभावकों की जिम्मेदारी है। लखनऊ के आरटीओ संजय तिवारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। कार्यक्रम में स्काउट-गाइड, एनसीसी कैडेट्स, संभव सेवा समिति और माउंट लिटेरा जी स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रभावशाली नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से शराब पीकर वाहन चलाने और हेलमेट न पहनने के दुष्परिणामों को जीवंत रूप से प्रस्तुत किया। इससे पहले परिवहन आयुक्त ने सड़क सुरक्षा पर आधारित पेंटिंग और स्लोगन प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। समापन सत्र में स्काउट-गाइड और स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को यातायात नियमों के पालन और प्रचार-प्रसार की शपथ दिलाई गई। सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले स्कूलों और संस्थाओं को सम्मानित भी किया गया।

सड़क सुरक्षा में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को सम्मानित करतीं परिवहन आयुक्त किंजल सिंह।

अवैध पार्किंग पर परिवहन विभाग का सख्त रुख

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए परिवहन विभाग सड़क सुरक्षा माह के तहत अवैध पार्किंग और नियम उल्लंघन के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। परिवहन आयुक्त किंजल सिंह ने बताया कि एक्सप्रेस-वे, नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे और प्रमुख सड़कों के किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए 117 होल्डिंग एरिया चिन्हित किए गए हैं। 1 से 27 जनवरी के बीच चलाए गए अभियान में कुल 4,949 वाहनों की जांच की गई, जिनमें से 3,488 वाहनों के खिलाफ अवैध पार्किंग और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर चालान किए गए। गंभीर मामलों में 55 वाहनों को मौके पर सीज किया गया और 1,847 वाहनों को क्रेन से हटाया गया।

उपलब्धि वैज्ञानिक अध्ययन, तकनीक और जन-जागरूकता से बना 'लाइटनिंग रेजिलिएंसी मॉडल'

मीरजापुर में लाइटनिंग अरेस्टर से मौतों में 50 प्रतिशत गिरावट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : योगी सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से जनहानि को न्यूनतम करने की दिशा में एक और बड़ी सफलता हासिल की है। आकाशीय बिजली की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील माने जाने वाले मीरजापुर जिले में वज्रपात से होने वाली मौतों में करीब 50 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। यह सफलता वैज्ञानिक अध्ययन, आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और व्यापक जन-जागरूकता अभियानों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। सरकार का लक्ष्य अब इन मौतों को पूरी तरह शून्य पर लाना है।

- मुख्यमंत्री योगी ने वज्रपात से जनहानि को न्यूनतम करने की दिशा में उठाया बड़ा कदम
- लाइटनिंग हॉटस्पॉट मैप के आधार पर 80 स्थानों पर ईएसई लाइटनिंग अरेस्टर लगाए गए

भौगोलिक संरचना, पथरीली जमीन और बड़े पैमाने पर खनन कार्यों के कारण मीरजापुर जिला लंबे समय से वज्रपात की दृष्टि से अत्यधिक संवेदनशील रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पर विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। योगी सरकार का यह लाइटनिंग रेजिलिएंसी मॉडल अब देश के अन्य संवेदनशील जिलों के लिए भी एक उदाहरण बनकर उभर रहा है।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) मीरजापुर के अध्यक्ष एवं जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार का कहना है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर उप्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूपीएसडीएमए) को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और जागरूकता अभियानों के माध्यम से मजबूत किया गया। मीरजापुर में लागू किया गया लाइटनिंग मिटिगेशन प्रोजेक्ट इसी का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

डीडीएमए मीरजापुर की ओर से पिछले 4-5 वर्षों के आंकड़ों का गहन विश्लेषण किया गया। इस अध्ययन में भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) लखनऊ के प्रोजेक्ट इवैल्यूएशन, आईआईटीएम पुणे के वज्रपात स्थलीय डेटा, आईआईटी रुड़की से जुड़े विशेषज्ञों के शोध, सीआरओपीसी की ओर से संवेदनशीलता आकलन को शामिल किया गया। पाया गया कि अधिकांश मौतें खुले खेतों, पेड़ों के नीचे, जल स्रोतों के पास और कच्चे मकानों में होती हैं। इसके आधार पर जिले का लाइटनिंग हॉटस्पॉट मैप तैयार किया गया। लाइटनिंग हॉटस्पॉट मैप के आधार पर पहले चरण में जिले के अत्यंत संवेदनशील इलाकों में 80 स्थानों पर अर्ली स्ट्रीमर एमिशन (ईएसई) आधारित लाइटनिंग अरेस्टर लगाए गए। ये उपकरण आकाशीय बिजली को सुरक्षित रूप से जमीन में प्रवाहित कर देते हैं, जिससे आसपास के क्षेत्रों में जान-माल की क्षति नहीं होती। कई अरेस्टरों में लगे इंडिकेटर यह दर्शाते हैं कि वे कई बार बिजली को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर चुके हैं।

मौतों के आंकड़ों में आई गिरावट

वर्ष 2019 में 30 मौतें, वर्ष 2020 में 28 मौतें, वर्ष 2021 में 23 मौतें, वर्ष 2022 में 30 मौतें, जबकि वर्ष 2024-25 और 2025-26 में अब तक यह संख्या घटकर 14 रह गई है।

खराब प्रदर्शन पर 20 जिलों को नोटिस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आयुष्मान कार्ड और फार्मर रजिस्ट्री में तेजी लाने के निर्देश
- समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव ने मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों को दिए निर्देश

अमृत विचार : फार्मर रजिस्ट्री की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव एसपी गोयल ने धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई और सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले 20 जिलों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीएम किसान योजना के अंतर्गत सभी लाभार्थियों की फार्मर आईडी 31 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से बनाई जाए। इसके लिए प्रतिदिन लक्ष्य निर्धारित कर निगरानी की जाए।

मुख्य सचिव ने बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के समस्त मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राजस्व वादों की समीक्षा में उन्होंने पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित कराने के निर्देश दिए। स्वामित्व योजना के अंतर्गत 15 लाख नई घरौनियों के वितरण का प्रस्ताव रखते हुए जिलों को गैप आकलन कर अधिकतम घरौनी निर्माण सुनिश्चित करने को कहा गया।

बैठक में बताया गया कि पीएम किसान योजना के तहत 64 प्रतिशत लाभार्थियों की फार्मर आईडी बन चुकी है। योजना का कार्य जून 2026 तक पूर्ण किए जाने का लक्ष्य है।

आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए जारी होगी नई ऑपरेटर आईडी

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत सभी पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड शीघ्रता से बनाने के निर्देश दिए। सभी जिलों को आयुष्मान कार्ड निर्माण के लिए नई ऑपरेटर आईडी जारी करने के लिए अधिकृत किया गया है। प्रत्येक जिले में न्यूनतम 1000 ऑपरेटर आईडी जारी करने के निर्देश दिए गए। सीएमओ को प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा करने को कहा गया, साथ ही लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

न्यूज ब्रीफ

लूट और हत्या में दो लोगों को उम्र कैद

कानपुर देहात। साइकिल लूट और हत्या के मामले में बुधवार को कोर्ट का फैसला आया है। इसमें अदालत ने दो आरोपियों पप्पू पुत्र हरीसिंह व मोनू पुत्र सोनेलाल को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। 40-40 हजार रूपए का अर्थदंड भी लगाया। इसी मामले के दो अन्य आरोपियों हरी सिंह और उसकी पत्नी सरोजा उर्फ सरोजनी को पांच-पांच वर्ष की सजा मिली। उन पर दस-दस हजार का अर्थदंड भी लगा। बताया गया कि 26 नवंबर 2014 को घटना हुई थी। इसके संबन्ध में थाना सट्टी में आईपीसी की धारा 394, 411, 302 व 201 में मुकदमा कायम हुआ। पहले आरोपी अज्ञात थे। विवेचना और साक्ष्य संकलन के आधार पर चारों आरोपियों के नाम प्रकाश में आए। एडीजे तीन की न्यायालय में मुकदमे की सुनवाई हुई। बुधवार को कोर्ट ने न्याय कर दिया।

नियम विरुद्ध दौड़ते वाहनों पर कार्रवाई

कानपुर देहात। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत बुधवार को परिवहन विभाग के प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा अलग अलग मार्गों पर बिना नंबर प्लेट और एचएसआरपी लगे वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। सड़क किनारे खड़े वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई के साथ साथ चालकों को सड़क किनारे वाहन न करते हुए केवल निर्धारित स्थानों पर वाहनों की पार्किंग किए जाने हेतु भी जागरूक किया गया। रात्रि में वाहनों के संचालन पर किस प्रकार हाई बीम और लो बीम सुरक्षित यात्रा के लिए आवश्यक है के संबंध में भी चालकों से चर्चा की गई। सीट बेल्ट लगाकर ही अपने वाहन का संचालन करें, नशे की हालत में ड्राइविंग ना करें,गाड़ी चलाते समय मोबाइल फ़ोन का उपयोग न करें। जनपद के प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा नंबर प्लेट और एचएसआरपी के बिना वाहनों के संचालन पर 22 , पार्किंग रूल के उल्लंघन पर 14, बिना हेलमेट के 84 बिना सीटबेल्ट के 24 वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई।

रास्ता रोक मारपीट करने में रिपोर्ट दर्ज

रसूलाबाद। कस्बे के एक मोहल्ला निवासी एक व्यक्ति ने मोहल्ले के ही दो युवकों के विरुद्ध उसे रास्ते में रोकने और पीछे बैठी उसकी पुत्री को खींचकर मारपीट करने, जान से मारने की धमकी देने व आए दिन पुत्री के साथ छेड़छाड़ करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में पीड़ित ने बताया कि गणतंत्र दिवस पर चौराहे पर हो रहे सांस्कृतिक प्रोग्राम को दिखाने वह अपनी पुत्री को बाइक से बैठा कर लिवाए जा रहा था। रास्ते में मोहल्ले के ही दो युवकों ने उसे रोकने का प्रयास किया और पीछे बैठी उसकी पुत्री को खींचकर मारपीट करते हुए अपशब्द कहे। शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। यह लोग आए दिन उसकी पुत्री के साथ छेड़छाड़ करते हैं। तब वह इसकी रिपोर्ट दर्ज करने आया। थाना प्रभारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि मामले की रिपोर्ट संबंधित धाराओं में दर्ज कर ली गई है। इसकी विवेचना उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार करेंगे।

कलेक्ट्रेट में डीएम ने की जनसुनवाई

कानपुर देहात। जिलाधिकारी कपिल सिंह ने बुधवार को कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई की। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कई प्रशासनिक अधिकारी भी जुड़े। जिलाधिकारी ने जनसामान्य की विभिन्न शिकायतों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने प्राप्त प्रार्थना पत्रों के संबंध में सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर संतोषजनक निस्तारण किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न हो। साथ ही, शिकायतकर्ताओं को निस्तारण की प्रगति एवं वर्तमान स्थिति से समय-समय पर अवगत कराया जाए। जिलाधिकारी द्वारा फार्मर रजिस्ट्री के संबंध में संबंधित अधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति लाने के के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जनसुनवाई को प्रभावी बनाने हेतु समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी, उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े रहे। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व दुष्यंत कुमार मौर्य सहित अतिरिक्त मजिस्ट्रेट आदि उपस्थित रहे।

बारिश के साथ लौटी सर्दी फसलों को भी नुकसान

संवाददाता, रसूलाबाद

बारिश से आलू के खेत में भरा पानी।

अमृत विचारः बीते दो दिनों से रूक रूक कर होती बारिश से मौसम का मिजाज बदला है। बरसात के साथ सर्दी भी दबे पांव लौट सी आई है। उधर, बेमौसम हुई इस बारिश से आलू उत्पादक किसान चिंतित हैं। दूसरी तरफ गेहूं की फसलों में नुकसान होने की आशंका से व्यापक रूप से किसान परेशान है।

कहिंजरी, गोपालपुर, पहाड़ीपुर, अंगदपुर, नार, रामपुर, दहेलिया, भवनपुर, कठारा, भारामऊ, नैनपुर आदि अनेक ग्रामों के किसान राजू यादव, राजेश यादव, दिनेश यादव, राम अवतार यादव, नरेश गौतम, सुरेश गौतम, करण सिंह, राम प्रकाश यादव, राजा सिंह यादव, श्री राम यादव आदि किसान इस बेमौसम बारिश और बूंदाबांदी स्थिति को लेकर चिंतित हैं। इस असमय बारिश ने गेहूं और आलू की फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका से किसाने की परेशानी बढ़ा दी है। मंगलवार की रात से क्षेत्र में हल्की बारिश और बूंदाबांदी शुरू हो गई है। आसमान में काली घटाएं छाई हुई हैं। जिससे मौसम और बिगड़ने की संभावना है। मौसम के मिजाज से नावाकिफ किसानों ने हाल ही में गेहूं की फसल में सिंचाई की थी। जिसके बाद हुई यह बारिश फसल के लिए हानिकारक मानी जा रही है। इसी तरह, आलू की फसल को भी नुकसान होने की आशंका है।

अधिवक्ता समिति

अमित को टक्कर देने फिर मैदान पर उतरे विपिन दीक्षित

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

निर्वाचन अधिकारी को नामांकन पत्र सौंपते अमित श्रीवास्तव।

अध्यक्ष पद के लिए विपिन दीक्षित ने भी पर्चा भरा। अमृत विचार

अमृत विचारः अकबरपुर की अधिवक्ता समिति में अध्यक्ष पद पर फिर कांटे की टक्कर होगी। बेहद प्रतिष्ठापूर्ण चुनाव में विपिन चंद्र दीक्षित और अमित कुमार श्रीवास्तव ने पर्चा भरा है। दोनों पिछले चुनाव में भी आमने-सामने आ चुके हैं। किसी अन्य ने इस बार दावेदारी पेश नहीं की। महामंत्री पद के लिए भी दो प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। हालांकि गुरुवार को नाम वापसी का दिन है। नाम वापस हो जाने के बाद सही तस्वीर सामने आ सकेगी।

सदर तहसील की अधिवक्ता समिति के चुनाव पर पूरे जिले की नजर रहती है। यहां अध्यक्ष और महामंत्री पद का निर्वाचन बेहद प्रतिष्ठा पूर्ण होता है। वकीलों के अलावा सामाजिक और राजनीतिक

- **पिछली बार अमित श्रीवास्तव ने विपिन दीक्षित को हराया था**

हस्तियां भी पर्दे के पीछे से खूब ताकत लगाती हैं। इस बार कई चरणों में हुई बैठक के बाद निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित हुआ। इसके क्रम में बुधवार को अलग-अलग पदो के लिए नामांकन पत्र भरे गए। एल्डर कमेटी के सदस्य राम राज सिंह, रोशन लाल, मो शफीक कुरैशी, भगवती प्रसाद, नत्थू सिंह गौर, गोपाल श्रीवास्तव, सत्य नरेश श्रीवास्तव और महेश कांत श्रीवास्तव ने निर्वाचन के नियमों की जानकारी देने के साथ प्रक्रिया प्रारंभ कराई। विपिन दीक्षित और अमित श्रीवास्तव अध्यक्ष पद के लिए मैदान में उतरे हैं। दोनों दावेदार पिछले चुनाव में भी एक-दूसरे के सामने थे। हालांकि तब अमित कुमार श्रीवास्तव ने जीत दर्ज की।

इस बार भी दोनों ही प्रत्याशियों ने पूरी ताकत झोंकी है। माना जा रहा कि टक्कर कांटे की होगी। अध्यक्ष के अलावा उपाध्यक्ष पद के लिए भीम किशोर और रूचि यादव, महामंत्री पद के लिए ओम प्रकाश कठेरिया और बृजेश पाल, सहमंत्री के लिए मो सुजात व सियाराम ने ताल ठोंकी है। कोषाध्यक्ष पद पर सिर्फ महेंद्र सिंह सचान का पर्चा आया। इस लिहाज से उनका निर्विरोध चुना जाना तय है। आडीटर पद के लिए अमित यादव, प्रशांत ओमर और शुभम सक्सेना का पर्चा है जब कि पुस्तकालाध्यक्ष बनने को मो अयूब, लोकेंद्र सिंह और अजीत कुमार ने दावा किया है।

बताया गया कि समिति में कुल सात पदों के लिए वोट पड़ेंगे। स्क्रीनिंग के बाद इस बार 245 वोटरों को मताधिकार का हक दिया गया है। गुरुवार को सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक नाम वापसी का मौका होगा। इसके बाद सात फरवरी को वोट पड़ेंगे। उसी दिन परिणामों की घोषणा कर दी जाएगी।

मुहूर्त और हुजूम के साथ भरे गए पर्चे

- अध्यक्ष पद पर पुराने प्रतिद्वंद्वी आमने-सामने हैं। कुछ मौकों पर दोनों में तनानती हो चुकी है। बीते दिनों हुई बैठक में काफी गर्मा-गरमी हुई थी। विपिन ने साथी वकीलों के साथ नामांकन किया। उधर, अमित ने शुभ मुहूर्त के अनुसार 11 बजकर 20 मिनट पर अपना पर्चा भरा।

एसआईआर: सवा लाख लोगों को नोटिस

विशेष पुनरीक्षण अभियान को लेकर जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट में राजनीतिक दलों के साथ की बैठक

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण करते डीएम। अमृत विचार

- **डीएम ने एसआईआर प्रक्रिया में राजनीतिक दलों से मांगा सहयोग**
- **सपा ने मतदान केंद्रों में नोटिस संबंधी सुनवाई की मांग उठाई**

ईवीएम वेयर हाउस पहुंचे डीएम, जांचे इंतजाम

- जिलाधिकारी कपिल सिंह ने विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने ईवीएम वेयर हाउस की सीसीटीवी कैमरा व्यवस्था, साफ-सफाई, रखरखाव आदि का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ईवीएम वेयर हाउस में साफ सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, रखरखाव आदि पर विशेष ध्यान दिया जाए। नियमित अंतराल पर निर्वाचन आयोग की ओर से दिए गए दिशा-निर्देशों का अनुपालन करते हुए वेयरहाउस में आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाए।

अमृत विचारः डीएम एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कपिल सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट में एसआईआर के अंतर्गत नोटिस जारी किए जाने एवं उनकी सुनवाई से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर जानकारी प्रदान करने हेतु मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक हुई। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचन आयोग द्वारा निर्गत नवीन दिशा-निर्देशों से राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को अवगत कराया गया।

उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनाए रखते हुए आयोग के निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किए जाने पर विशेष बल दिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर दावे एवं आपत्तियों की सूची राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई, जिससे निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं सहभागी बनाया जा सके। उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि सात जनवरी से 28 जनवरी तक कुल 15,175 फार्म-6, 350 फार्म-7 एवं 2,502 फार्म-8 प्राप्त हुए हैं। अब तक कुल 1,23,302 नोटिस जनरेट किए जा चुके हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी राजनीतिक दलों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए मतदाता सूची के शुद्धिकरण की प्रक्रिया को समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से पूर्ण कराने की अपील की।

बैठक के दौरान समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधि बृजमोहन यादव की ओर से सुझाव दिया गया कि नोटिसों की सुनवाई संबंधित मतदान केंद्रों पर कराई जाए, जिससे मतदाताओं को अधिक सुविधा प्राप्त हो सके। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा यह भी अवगत कराया गया कि जिन मतदान केंद्रों के अंतर्गत अधिक संख्या में नोटिस निर्गत हुए हैं, उनकी सुनवाई हेतु संबंधित मतदान केंद्रों पर ही सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) के माध्यम से सुरक्षित एवं सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। ऐसे मतदान केंद्रों की सूची पृथक से राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) के सक्रिय सहयोग की अपील की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार सहित मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों में समाजवादी पार्टी से शेखू खान एवं बृजमोहन यादव, भारतीय जनता पार्टी से श्यामू शुक्ला, कांग्रेस पार्टी से गोविंद यादव, बहुजन समाज पार्टी से युवराज सिंह, कम्युनिस्ट पार्टी से रामऔतार भारती आदि रहे।

नोटिस की सूची दलों को उपलब्ध कराएं

- निर्वाचक नामावली के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में नोटिस की सुनवाई तिथि, समय और चयनित भाग संख्याओं की सूची मुहैया कराने को कहा गया है। अपर जिलाधिकारी व उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचकों की सुविधा के लिए सुनवाई हेतु चयनित स्थल, प्राधिकृत अधिकारी से सम्बन्धित विवरण, सुनवाई की तिथि एवं समय तथा सम्बन्धित तिथि हेतु चयनित भाग संख्याओं के विवरण के सूची समस्त मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय व राज्यीय राजनैतिक दलों का अविलम्ब उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिए गए है। समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जनपद-कानपुर देहात को निर्देशित गया है कि सुनवाई हेतु चयनित स्थल, प्राधिकृत अधिकारी से सम्बन्धित विवरण, सुनवाई की तिथि एवं समय तथा सम्बन्धित तिथि हेतु चयनित भाग संख्याओं के विवरण की सूची जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

कृमि मुक्ति दिवस 10 फरवरी को

कानपुर देहात। बुधवार को जनपदीय स्वास्थ्य समिति के शासी निकाय की समीक्षा बैठक हुई। सीएमओ डॉ. एके सिंह ने बताया कि जनपद में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 10 फरवरी को मनाया जाएगा।

इस अभियान के अंतर्गत 01 वर्ष से 19 वर्ष के सभी बच्चों को कृमिनाशक दवा खिलाई जाएगी। यह कार्यक्रम प्राथमिक विद्यालयों, आंगनवाड़ी केन्द्रों, माध्यमिक, इंटर, डिग्री कॉलेजों, तकनीकी संस्थानों सहित सभी शासकीय एवं निजी शिक्षण संस्थानों में संचालित किया जाएगा। डीएम ने निर्देश दिए कि अभियान की कार्ययोजना बनाकर प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि एक भी बच्चा दवा से वंचित न रहे। आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा में बताया गया कि फैमिली कवरेज के अंतर्गत लक्ष्य के सापेक्ष 93.17 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की जा चुकी है। लक्ष्य के सापेक्ष लगभग 64 प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बने हैं। वहीं 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 62.79 प्रतिशत कार्ड बन चुके हैं।

टाइड फंड के कामों पर गहन चर्चा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

कलेक्ट्रेट में डीएम ने निकाय प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। अमृत विचार

अमृत विचारः बुधवार को कपिल सिंह की अध्यक्षता में 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत नगर निकायों में टाइड एवं अनटाइड मद से प्रस्तावित कार्ययोजनाओं की बैठक हुई। इसमें नगर निकायों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत स्वीकृत धनराशि का उपयोग शासन की गाइडलाइंस के अनुरूप, पूर्ण पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि टाइड फंड का उपयोग प्राथमिकता के आधार पर स्वच्छता, पेयजल आपूर्ति, सीवरेज व्यवस्था, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं अन्य अनिवार्य नागरिक सुविधाओं पर किया जाए, जबकि अनटाइड फंड से नगर निकायों की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकासात्मक कार्य कराए जाएं। जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्ययोजनाओं को समयबद्ध ढंग से अंतिम रूप देते हुए तकनीकी स्वीकृति प्राप्त की जाए तथा कार्यों के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। साथ ही प्रस्तावित कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिससे आम नागरिकों को योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हो सके। नगर निकायों के अध्यक्षों से भी कार्ययोजना के प्रस्तावों पर सुझाव प्राप्त किए गए। विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। एडीएम (प्रशासन) अमित कुमार, एडीएए (वित्त एवं राजस्व) दुष्यंत कुमार मौर्य, एडीएम (न्यायिक) दिग्विजय सिंह, अकबरपुर नगर पंचायत अध्यक्ष दीपाली सिंह, रूरा नगर पंचायत अध्यक्ष रामजी गुप्ता, राजपुर चेयरमैन अंशू त्रिपाठी, झींझक नगर पालिका अध्यक्ष अमित तिवारी, संबंधित नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी उपस्थित रहे।

जबरन जिंक बेचने में हटाए गए सचिव

कानपुर देहात। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारिता ने बताया कि बी-पैक्स औरंगाबाद डालचन्द्र विकास खण्ड झीझक कानपुर देहात के तत्कालीन सचिव मुकेश कुमार गुप्ता की ओर से उर्वरक के साथ जबरदस्ती जिंक का पैकेट 110 रुपये में बेचे जाने की शिकायत मिली थी।

इस पर सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक, सहकारिता द्वारा एक दिसंबर को स्वयं समिति पर उपस्थित होकर प्रकरण की जांच की गई। जांच के समय समिति सदस्यों/ कृषकों द्वारा श्री गुप्ता के विरूद्ध लिखित में बयान दिए गए। इसके क्रम में श्री गुप्ता को समिति के सचिव पद से हटा दिया गया। मुकेश कुमार गुप्ता का अग्रिम आदेशों तक वेतन रोका जाता है, और उन्हें सचेत किया जाता है कि अपनी कार्यप्रणाली में अपेक्षित सुधार करना सुनिश्चित करें।

30 बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार

संवाददाता, रसूलाबाद

सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार में उपस्थित बटुक। अमृत विचार

अमृत विचारः क्षेत्र के प्रसिद्ध नारदाश्रम में बसंत पंचमी से हो रही राम कथा एवं सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार के तहत 30 बटुकों का उपनयन संस्कार हुआ। इन बातों को शंख, घंटा, घड़ियाल की ध्वनि में आचार्य ने गायत्री मंत्र दिया।

सामूहिक यज्ञोपवीत कार्यक्रम में सोमवार को 14 बटुकों का और बुधवार को 16 बालकों का उपनयन संस्कार हुआ । इनमें अंश तिवारी ,आशीष द्विवेदी, अतुल कुमार ,सुनील कुमार, राम जी दीक्षित ,विनय तिवारी, धर्मेंद्र कुमार ,राहुल कुमार ,मंजुल कुमार, शिव शुक्ला, आदर्श शुक्ला ,सचिन शुक्ला ,अमित अवस्थी, प्रवीण अवस्थी आदि बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार पंडित राज मिश्रा, पंडित जयादित्य मिश्रा, आचार्य विपुल पांडेय ,अमन द्विवेदी, शिवा मिश्रा, टिटिल मिश्रा व आचार्य क्षत्रपाल उपाध्याय की देखरेख में वैदिक मंत्रोपचार के साथ संपन्न हुआ।

सभी बटुकों को घंटा घड़ियाल शंखध्वनि के मध्य गायत्री मंत्र दिया गया। इस अवसर पर अन्य उपस्थित लोगों में पवन तिवारी, रामजी तिवारी,गोपाल दीक्षित, अविनाश तिवारी, सुदीप तिवारी, मंगलम, तेजू अवस्थी, अनंदीलाल अवस्थी, छानू तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

उमंग महोत्सव

कबड्डी और खो-खो के लीग मैचों में बेटियों ने दिखाया उत्साह, आज होंगे फाइनल मुकाबले

गोला फेंक में दीपाली और आयुष्वर्धन ने दिखाया दम

संवाददाता, रसूलाबाद

बुधवार को कबड्डी के लीग मैच में अपना दमखम दिखातीं प्रतिभागी छात्राएं। अमृत विचार

अमृत विचारः तहसील क्षेत्र के प्रतिष्ठित महाविद्यालय स्नेहलता गुप्ता मेमोरियल डिग्री कालेज रसूलाबाद में चल रहे वार्षिक कार्यक्रम उमंग महोत्सव के द्वितीय दिवस बुधवार को बेमौसम हुई बारिश के बावजूद विद्यालय कर्मचारियों के अथक परिश्रम के चलते क्रीडा प्रतियोगिताएं व्यवस्थित रूप से संपन्न हुई।

मौसमी प्रकोप के चलते यद्यपि आज प्रतियोगिताएं संपन्न होने में संशय था, किंतु विद्यालय के वार्षिक महोत्सव के लिए कर्मचारियों ने अथक परिश्रम किया और खेलकूद प्रतियोगिताए व्यवस्थित रूप से संपन्न हुई। कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय के प्रबंधक विनीत कुमार गुप्ता ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और उनके सफल होने की उन्हें शुभकामनाएं दी। इस मौके पर खेल प्रशिक्षक जितेन्द्र त्रिपाठी, उप-प्रबन्धक प्रवेश कुमार यादव एवं प्राचार्य डा. अमित गुप्ता ने सभी को प्रतिभागियों को प्रतियोगिताएं खेल भावना से खेलने के प्रेलणा दी और उन्हें शुभकामनाएं प्रदान की। मंगलवार रात्रि में हुई बारिश के बावजूद बुधवार को संपन्न हुई प्रतियोगिताओं में छात्रों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। छात्राओं की ओर से गोला फेंक प्रतियोगिता में बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा दीपाली यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्रों की ओर से गोला फेंक में एमएससी द्वितीय वर्ष के छात्र आयुष्वर्धन त्रिपाठी ने प्रथम स्थान, सोम जी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। अन्य प्रतियोगिताओं में छात्रों की खो-खो व कबड्डी एवं छात्रों की कबड्डी प्रतियोगिता के लीग मैच संपन्न हुए । इन मैचो के फाइनल मैच गुरुवार को होंगे और फाइनल विजेता टीम की घोषणा उसी समय की जाएगी। इस मौके पर डॉ सिद्धाराम राजपूत, डॉ. आलोक वर्मा, डॉ. विमल यादव, डॉक्टर अनुराधा, डॉक्टर सचिन कटियार डॉक्टर सीके त्रिपाठी, डॉक्टर संतोष बाजपेई, डॉ. अजीत गुप्ता, डॉ. राजीव राजपूत, डॉ. आरएन शुक्ला, विवेक पांडेय, डॉ. दिनेश राजपूत आदि प्राध्यापक मौजूद रहे।

भागवत कथा सुनने मात्र से मिलती पापों से मुक्ति

संवाददाता, रसूलाबाद

कथाव्यास अर्पण द्विवेदी।

अमृत विचारः श्रीमद्भागवत कथा सुनने मात्र से ही समस्त पापों से मुक्ति तथा भगवान विष्णु के श्री चरणों में स्थान प्राप्त होता है। यह बात मित्रसेन पुर कहिंजरी स्थित श्री हिमांशिला देवी मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन कथावाचक अर्पण द्विवेदी ने उपस्थित श्रोताओं से कही। उन्होंने श्रोताओं को गोकर्ण व धुंधकारी की कथा का वृतांत सुनाते हुए बताया गया कि जीव की जब अंत्येष्टि क्रिया नहीं होती है तो उसे प्रेत की योनि प्राप्त होती है।

उन्होंने बताया कि आत्मदेव नामक एक ब्राह्मण जो कि बड़े ही विद्वान व समस्त वेदों के ज्ञाता थे। परंतु उनकी पत्नी धुंधली जो की सुंदर तो थी परंतु स्वभाव से बड़ी ही झगड़ालू थी। काफी समय होने के बाद भी जब उन्हें संतान सुख प्राप्त नहीं हुआ तो आत्मदेव चिंता में डूब गए। एक समय जब वह भिक्षा मांगने के लिए जा रहे थे तो उन्हें रास्ते में एक संत मिले जिन्होंने आत्मदेव को बताया कि हे ब्राह्मण देव आपको सात जन्मों तक संतान का योग नहीं है। तब आत्मदेव ने कहा कि अगर मुझे संतान सुख प्राप्त नहीं हुआ तो मैं अपने प्राण त्याग दूंगा। तब संतने उन्हें एक फल प्रदान किया । आत्मदेव उस फल को लेकर अपने घर आए और अपनी पत्नी धुंधली को दे दिया ।

अमृत विचार
कानपुर, गुरुवार, 29 जनवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

एक फरवरी को मनाई जाएगी संत रविदास जयंती

घाटमपुर। घाटमपुर में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती संत रविदास देव स्थान समिति के द्वारा 1 फरवरी को हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। उक्त जानकारी राजनारायण कुरील ने दी। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी ने भारतीय समाज में समरसता प्रेमभाव उत्पन्न कर समाज रूपी माला को एक कड़ी में पिरोने का कार्य किया। उन्होंने इस अवसर पर बड़ी संख्या में लोगों से पहुंचने का आह्वान किया।

जीव विज्ञान प्रायोगिक परीक्षा आज

हमीरपुर। नगर के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में इंटरमीडिएट की जीव विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षा 29 जनवरी को होगी। यह जानकारी प्रधानाचार्य रामप्रकाश गुप्ता ने दी। उन्होंने संबंधित छात्र छात्राओं को विद्यालय में सुबह 9:20 बजे समय से उपस्थित हो।

मधुमक्खियों के हमले से बुजुर्ग घायल

हमीरपुर। राठ कोतवाली क्षेत्र के मवई गांव में मधुमक्खियों के हमले से एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को सीएचसी लाया गया। मवई गांव में भंडारे का आयोजन चल रहा था। इसी दौरान धुआं उठने से पेड़ के नीचे बैठे मुन्ना पर मधुमक्खियों के झुंड ने हमला बोल दिया। मधुमक्खियों के इस हमले में मुन्ना गंभीर रूप से घायल हो गया। चिकित्सकों ने बताया इलाज चल रहा है।

गांजा के साथ एक युवक गिरफ्तार

हमीरपुर। मौदहा कोतवाली के एसआई मोहित कुमार ने मंडी गेट के आगे नेशनल हाईवे पर संदिग्ध व्यक्ति को घेरकर पकड़ लिया तो उसने अपना नाम नरायच निवासी सुमित वर्मा बताया। तलाशी में उसके पास चार सौ ग्राम से अधिक सूखा गांजा बरामद कर आरोपी के विरुद्ध दवा एंड स्वापक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही की गई है।

फास्ट फूड विक्रेता की हार्ट अटैक से हुई मौत

हमीरपुर। लखना पुरवा निवासी देवराज वर्मा (40) का कस्बे के मैथिलीशरण गुप्त मार्ग पर फास्ट फूड का कारोबार था। मंगलवार रात करीब 11 बजे वह दुकान से घर लौटे और खाना खाकर सो गए। बुधवार तड़के करीब 3:30 बजे उन्होंने पत्नी उमा देवी से सीने में तेज दर्द होने की बात बताई और बेहोश हो गए। परिजन उन्हें लेकर पीएचसी पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौत से वृद्ध मां रामबाई, पत्नी उमा देवी, पुत्र कार्तिक (13), कुणाल (10), केदन (7) रोते-बिलखते रहे। मोक्षधाम में अंतिम संस्कार के दौरान सभासद गोपाल बजाज सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

भक्तों की हमेशा रक्षा करते भगवान

हमीरपुर। ललपुरा के चरनदास बाबा आश्रम में श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन वृन्दावन धाम से पधारी कथा वाचक अर्चना शास्त्री ने भगवान के चौबीस अवतारों के साथ समुद्र मंथन की बहुत ही रोचक एवं सारगर्भित कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि यह संसार भगवान का एक सुंदर बगीचा है। यहां चौरासी लाख योनियों के रूप में भिन्न भिन्न प्रकार के फूल खिलते हैं। जब जब कोई अपने गलत कर्मों द्वारा इस संसार रुपी प्रभू के बगीचे को नुकसान पहुंचाने की चेष्टा करता है। तब तब भगवान इस धरा धाम पर अवतार लेकर सज्जनों का उद्धार और दुर्जनों का संघार करते हैं। वहीं बीच-बीच में संगीतमय भजनों से श्रोतागण मंत्रमुग्ध होते रहे। इस मौके पर बीरु, पप्पू शिवहरे, गोरे चौहान, अंकित व अमित आदि रहे।

महिला पर ब्याज वसूली का आरोप

हमीरपुर। जनपद रामपुर के घड़ियाल निवासी बसीम अकरम पुत्र रियासत अली ने बताया कि संगम होटल के सामने चिकन बिरयानी की दुकान किए हैं। उसने बगल की महिला दुकानदार से एक लाख रुपये उधार लिया था। आरोप लगाया कि महिला हर माह दस हजार रुपये ब्याज जबरन वसूल रही है। बताया कि वह 18 महीने में 1.80 लाख रुपये दे चुका है। बताया कि अब उसका काम नहीं चल पा रहा है। महिला अब रुपयो का दबाव बना रही है। बताया वह जायज रुपये देने के लिए तैयार है। लेकिन महिला परेशान कर रही है। पीड़ित ने में कार्रवाई की मांग की।

लापरवाही पर चार ग्राम विकास अधिकारी पदमुक्त

ऑडिट आपत्तियों के निस्तारण में लापरवाही बरतने पर बड़ी कार्रवाई

संवाददाता, बिल्हौर

प्रशासन ने दिया सख्त संदेश

- विकास भवन की इस कार्रवाई से प्रशासनिक अमले में हड़कंप मचा हुआ है। अधिकारियों का स्पष्ट कहना है कि सरकारी धन के सदुपयोग और उसके लेखा-जोखा में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऑडिट प्रक्रिया शासन की प्राथमिकता में है और इसमें देरी करने वाले अन्य कर्मचारियों पर भी भविष्य में गाज गिर सकती है।

अमृत विचार। ग्रामीण विकास कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। कानपुर नगर में ग्राम पंचायतों के ऑडिट कार्यों में लापरवाही बरतने और लंबित आपत्तियों का निस्तारण न करने के मामले में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन और जिलाधिकारी जीतेन्द्र प्रताप सिंह के अनुमोदन के बाद चार ग्राम विकास अधिकारियों को उनके पदों से मुक्त कर दिया गया है।

लेखा परीक्षा विभाग द्वारा ग्राम पंचायतों में हुए व्यय की ऑडिट के दौरान विभिन्न वर्षों के वार्षिक ऑडिट प्रतिवेदन में कई गंभीर आपत्तियां दर्ज की गई थीं। विभाग द्वारा संबंधित सचिवों को इन आपत्तियों के निस्तारण के लिए समय-समय पर नोटिस, अनुस्मारक पत्र और समीक्षा बैठकों के माध्यम से पर्याप्त अवसर दिए गए थे। इसके बावजूद संबंधित अधिकारियों ने इस महत्वपूर्ण कार्य में कोई अपेक्षित प्रगति नहीं दिखाई और लगातार उदासीनता बरतते रहे। इसके चलते प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए पुनीत मिश्रा ग्राम विकास अधिकारी, विकास खण्ड-सरसौल, जितेन्द्र सिंह ग्राम विकास अधिकारी, विकास खण्ड-बिल्हौर प्रभात मोहन श्रीवास्तव ग्राम विकास अधिकारी, विकास खण्ड-घाटमपुर और अखिलेश कुमार ग्राम विकास अधिकारी, विकास खण्ड-ककवन को सचिव पद के दायित्वों से मुक्त करते हुए उनके वर्तमान तैनाती वाले विकास खण्ड कार्यालयों में सम्बद्ध कर दिया है। यह व्यवस्था तब तक प्रभावी रहेगी जब तक वे ऑडिट आपत्तियों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित नहीं कर लेते।

वहीं अनियमितिताओं और लापरवाही को लेकर ग्राम विकास अधिकारी रवि यादव मनरेगा में हुए वित्तीय गबन के चलते और ग्राम पंचायत अधिकारी अमिताभ पाल पहले से ही निलंबित चल रहे हैं। इन दोनों अधिकारियों के खिलाफ भी भारी संख्या में ऑडिट में आपत्तियां पाई गई हैं।

मौसम में हुए बदलाव ने एक बार फिर से बढ़ाई ठंड और गलन

चौबेपुर। क्षेत्र में मंगलवार रात हुई बारिश व बुधवार पूरे दिन छाए रहे बादलों के चलते ठंड का प्रकोप एक बार पुनःबढ़ गया।

विगत दो हफ्ते से निकल रही तेज धूप व तापमान में हुई वृद्धि से ठंड का असर काफी हद तक कम हो गया था। लेकिन सोमवार से मौसम में हुए बदलाव व मंगलवार रात गरज चमक के साथ हुई बारिश ने सर्दी वापस लौटा दी। बुधवार सुबह से ही आसमान में छाए बादल शाम तक नहीं छंटे। इस दौरान चली ठंडी हवाओं ने लोगों को कंपा दिया। ठंड से बचने के लिए जगह-जगह लोग आग तापते नजर आए। मौसम खराब हो जाने व बूंदाबांदी के चलते बाजार में ग्राहकों का टोटा रहा। शाम ढलते ही ज्यादातर दुकानदार प्रतिष्ठानों को बंद कर घरों के लिए रवाना हो गए। बर्फीली हवाओं के चलते जीटी रोड समेत क्षेत्र के बंदी माता मार्ग व बेला मार्ग पर शाम 7:00 बजे के बाद सन्नाटा दिखाई दिया। वहीं दूसरी ओर गेहूं उत्पादन के लिए यह मौसम मुफीद बताया जा रहा है।

शिवराजपुर में नवीन परिसर में पहुंचा बैंक आफ बड़ौदा

पुष्प गुच्छ देकर उच्च अधिकारियों का स्वागत करते बैंककर्मी। अमृत विचार

बिल्हौर। बैंकिंग सेवाओं के क्षेत्र में अपनी विश्वसनीयता बनाए रखते हुए, बैंक ऑफ बड़ौदा की शिवराजपुर शाखा ने अपनी स्थापना के 50 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस 'गोल्डन जुबली' अवसर पर अब बैंक आफ बड़ौदा नई जगह से संचालित होगा। यहां पर ग्राहकों को पहले से बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

इस अवसर पर शाखा प्रबंधक बिपेन्द्र सिंह बिष्ट ने मुख्य अतिथि के रूप में पधारे शैलेंद्र सिंह (महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख, लखनऊ), भवानी शंकर परिदा (उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख), संजय (उप क्षेत्रीय महाप्रबंधक) का पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। साथ ही आफिस स्टॉफ अमित कुमार द्विवेदी, प्रचालन अधिकारी एकता दोहरे, हेड कैशियर अखिल द्विवेदी, क्लर्क मोहित सिंह, विकास मिश्रा, रंजीत कटियार, सुमन कुमारी, शकुंतला और मनीष भी उपस्थित रहे। बैंक अधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह ने अपने समस्त स्टाफ के साथ बाबा खेरेश्वर मंदिर के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस दौर क्षेत्र के सम्मानित नागरिक और पुराने खाताधारक मोनू सिंह तोमर ,रोहित सिंह तोमर,मेवा लाल राठौर, राहुल राठौर और विजय कुमार वर्मा समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

ट्रैक्टर व बाइक की भिड़ंत में दो की मौत

अमृतपुर (फर्रुखाबाद)। अमृतपुर-कस्बे के मुख्य बस अड्डे पर बाइक और ट्रैक्टर की आमने-सामने भिड़ंत में दो युवक घायल हो गए। अस्पताल में इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार बस अड्डे पर ट्रैक्टर बांसी अड्डे की तरफ जा रहा था जिस पर मौरंग लदी हुई थी। उधर सामने से कस्बा निवासी सत्यम पुत्र दिलीप शोभित पुत्र तिलकराम उर्फ पहाड़ी मोटरसाइकिल से आ रहे थे। तभी अचानक ट्रैक्टर और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। जिससे बाइक ट्रैक्टर के पहियों में उलझ गई और दोनों बाइक सवार युवक ट्रैक्टर के नीचे आ गए। जानकारी मिलने पर थाना अध्यक्ष मोनू शाक्या मौके पर पहुंचीं और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त किया। व ट्रैक्टर को अपने कब्जे में ले लिया। घायल युवकों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजेपुर भेजा गया। जहां हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल भेज दिया गया। जहां इलाज के दौरान दोनों युवकों की मौत हो गई। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

शादी के बाद पत्नी जेवर व रुपये लेकर गई मायके, रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता शिवराजपुर

अमृत विचार। कस्बे के वार्ड नंबर एक निवासी अमन पुत्र ओम प्रकाश ने 26 जनवरी को थाने में अपनी पत्नी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद थाना पुलिस ने जांच पड़ताल करके आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

अमन ने दर्ज कराई शिकायत में बताया कि उसकी शादी जिला कन्नौज में 15 मई 2025 को कामिनी पुत्री राम शंकर से बौद्ध रीति रिवाज से दहेज रहित हुई थी। शादी के 8 दिन बाद कामिनी अपने मायके गई और एक माह बाद लौटी। इसके 5 दिन बाद उसकी सास ने उसे फोन करके बताया कि वह अस्पताल में भर्ती है और कामिनी को भेज दो। फिर जब कामिनी मायके गई तो वह अपने साथ घर में रखे सोने और चांदी के जेवर समेत लगभग 56000 रुपये नकद साथ लेकर चली गई। अमन ने बताया कि उसके बाद उसने कामिनी को कई बार फोन किया, लेकिन उसने आने से मना कर दिया। इसके बाद उसने अपने ससुराल वालों से संपर्क किया तो उन्होंने गालियां देते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी। अमन ने बताया कि उसका साला कुलदीप और उसका मामा राज हिरण्यकश्यप बहुत ही दबंग किस्म के हैं और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देते हैं। पुलिस ने

कामिनी, कुलदीप, राज हिरण्यकश्यप, आयुष चचेरा भाई, नेहा चचेरी बहन, राजकुमार कोटेदार सहित 6 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस जांच कर रही है।

भुगतान गारंटी अधिकार कानून के तहत ठगी, पीड़ितों ने मांगा भुगतान

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। ठगी पीड़ित जमाकर्ताओं ने भुगतान गारंटी अधिकार कानून के तहत उनकी जमाराशि का दो से तीन गुणा अविलम्ब भुगतान कराए जाने की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने अतिरिक्त एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है।

ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार के जिलाध्यक्ष बच्चीलाल प्रजापति के नेतृत्व में दिए ज्ञापन में बताया कि मुख्य न्यायधीश एवं सर्वोच्च न्यायालय को संसद द्वारा सर्वसम्मति से बनाए गए विशेष कानून Buds Act 2019 की अनुपालना करवाने के लिए आपके अधीनस्थ जिला व तहसील के ठगी पीड़ितों के व्यक्तिगत भुगतान आवेदन संलग्न

कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते पीड़ित जमाकर्ता। अमृत विचार

कर दे रहे है। ताकि समस्त आवेदनों को सर्वोच्च न्यायालय को भेजकर कानून की अनुपालना करवाते हुए अपने क्षेत्र के ठगी पीड़ितों का Buds Act 2019 के तहत उनकी जमाराशि का दो से तीन गुणा अविलम्ब भुगतान कराए जाने की मांग की है। इस दौरान रामबाबू प्रजापति, नंदराम, विनोद कुमार, नवल किशोर, सुखदेव सिंह, सुभाष चंद्र पाण्डेय, सतराम सहित ठगी पीड़ित मौजूद रहें।

बिजली गिरने से मकान में पड़ी दरार, उखड़ा प्लास्टर

संवाददाता, चौबेपुर

- मरियानी गांव में मंगलवार की रात 3:30 बजे हुआ हादसा

अमृत विचार। क्षेत्र के मरियानी गांव में मंगलवार देर रात बारिश के दौरान एक मकान पर बिजली गिर गई। इससे मकान क्षतिग्रस्त हो गया। साथ घर के सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जल गये। इससे हजारों रुपये का नुकसान हो गया। बिजली गिरने से गृह स्वामी व उसके परिवारीजनों के साथ-साथ ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

मंगलवार को बारिश के दौरान देर रात करीब 3:30 बजे मरियानी गांव निवासी राजू कश्यप के मकान पर बिजली गिर गई। बिजली गिरने की आवाज सुनकर घर में सो रहे लोग बाहर की ओर भागे और पड़ोसी के यहां शरण ली। बारिश थमने के बाद दहशतजदा परिवार के लोग वापस अपने घर पहुंचे। गृहस्वामी

बिजली गिरने से उखड़ा पड़ा मकान का प्लास्टर। अमृत विचार

के बताएनुसार बिजली गिरने से छत व दीवारों में दरारें आ गईं साथ ही कई जगह प्लास्टर टूट कर गिर गया। वहीं इसके चलते घर के सारे इलेक्ट्रिक व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जल गए। उन्होंने बताया कि घटना में हजारों रुपये का नुकसान हुआ है।

दो डंपरों में आमने-सामने भिड़ंत केबिन में फंसे दोनों चालक घायल

संवाददाता, बिवांर (हमीरपुर)

अमृत विचार। क्षेत्र के भेड़ी घाट से मौरंग लेकर आ रहे डंपर की विपरीत दिशा से आ रहे दूसरे डंपर से आमने-सामने सीधी हुई भिड़ंत हो गई। घटना में दोनों डंपर के चालक घायल हो गए। जिन्हें छानी सीएचसी में भर्ती कराया। जहां हालत गंभीर होने पर एक चालक को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

थाना क्षेत्र के बिवांर-बांधुर मार्ग में मंगलवार की रात करीब साढ़े 12 बजे भेड़ी घाट से मौरंग लेकर कस्बे की ओर डंपर यूपी 35 बीटी 8694 आ रहा था। तभी विपरीत दिशा से भेड़ी घाट मौरंग खदान जा रहे डंपर यूपी 92 बीटी 9120 से आमने-सामने सीधी भिड़ंत हो गई है। जिससे दोनों डंपर चालक केबिन में फंसकर घायल हो गए हैं। घटना के बाद सड़क मार्ग बंद हो

हादसे के बाद सड़क पर खड़ा क्षतिग्रस्त डंपर। अमृत विचार

- बिवांर-बांधुर मार्ग पर हुआ हादसा उन्नाव का चालक रेफर

गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने डंपर के केबिन में फंसे दोनों चालकों को निकालकर एंबुलेंस के माध्यम से छानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया, जहां उन्नाव जनपद के रिठनई गांव के रहने वाले डंपर चालक दीपक पुत्र रामस्वरूप की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं पुलिस ने क्षतिग्रस्त डंपरों को सड़क से हटवा कर यातायात व्यवस्था शुरू की है।

किशोरी ने शोहदे पर बरसाए डंडे

हमीरपुर। एसपी कार्यालय के सामने सड़क पर सब्जी बेचने वाली किशोरी के साथ मनचले युवक ने अभद्रता करते हुए अपशब्द कहे जिस पर किशोरी ने डंडे से उसकी जमकर पिटाई की। इसका वीडियो सोशल मीडिया में में वायरल हो रहा है। बाद में पुलिस मनचले को पकड़कर कोतवाली ले गई।

मंगलवार देर रात एसपी ऑफिस के पास सड़क किनारे फुटपाथ पर एक किशोरी सब्जी बेच रही थी, तभी एक युवक सब्जी लेने पहुंचा। इसी बीच युवक ने किशोरी के साथ अभद्रता करते हुए अपशब्द बोल दिए। जिस पर किशोरी ने डंडे से युवक को पीटना शुरू कर दिया। इसका किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में वायरल कर दिया। मौके पर भीड़ एकत्र हो गई। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस मनचले को कोतवाली पकड़ कर ले गई। '**अमृत विचार**' वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

डंपर की टक्कर से बाइक सवार मां-बेटे की मौत

संवाददाता मौदहा हमीरपुर

- घाटमपुर जाते समय चांदीकला भैंसमरी गांव के पास हुआ जबरदस्त हादसा
- रनियां की एक कंपनी में काम करता था बक्छा गांव का युवक

अमृत विचार। कस्बे डंपर की टक्कर से बाइक सवार मां-बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें कस्बे के सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। वहीं डंपर को कब्जे में ले लिया है। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच पड़ताल के बाद अग्रिम कार्रवाई की जायेगी।

सिसोलर थाना क्षेत्र के बक्छा गांव निवासी छुन्नी (52) पत्नी रामसहाय अपने बेटे राजू (32) के साथ बाइक से घाटमपुर जा रही थी, तभी चांदीकला भैंसमरी गांव के पास डंपर ने टक्कर मार दी। हादसे में मां-बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें नाजुक हालत में कस्बे के सरकारी अस्पताल लाया गया, जहां दोनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची सिसोलर पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार ने बताया कि डंपर को कब्जे में लेकर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। बाकि आगे की कार्यवाही की जा रही है। मृतक पांच भाइयों में सबसे छोटा था और कानपुर के रनिया में एक कम्पनी में काम करता था। वहीं मां को साथ रखने के लिए लेकर जा रहा था। इस दर्दनाक घटना से परिजनों में कोहराम मचा है और परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

स्कूटी व बाइक की भिड़ंत में दो घायल

पौथिया हमीरपुर। बस स्टैंड पर बाइक और स्कूटी की आमने-सामने भिड़ंत हो गई, जिसमें स्कूटी सवार डॉक्टर गंभीर रूप से घायल हो गए। डॉक्टर को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस स्टैंड के पास पौथिया निवासी डाक्टर शैलेन्द्र सचान अपने घर से मंगलवार की देर शाम करीब आठ बजे स्कूटी से क्लीनिक जा रहे थे, तभी राठ हाईवे पर बस स्टैंड के पास ललपुरा की तरफ जा आ रहे बिवांर थाना क्षेत्र के बांधुर निवासी दिपांशु शुक्ला की बाइक से टक्कर हो गई, जिसमें दोनों गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई।

सार्वजनिक सूचना

यह कि भवन संख्या 76ए मोहल्ला तिवारीपुर प्रथम जाजमऊ कानपुर नगर से सम्बन्धित असल विक्रयपत्र दिनांकित 18/10/1996 लिखित श्रीमती राधा देवी बहक श्री सन्तराम यादव जिसका पंजीयन सब रजिस्ट्रार कार्यालय में बही संख्या 1 जिल्द संख्या 1147 के पृष्ठ संख्या 219 से 244 पर क्रमांक संख्या 2922 पर पंजीकृत है व असल विक्रयपत्र दिनांकित 27/03/1985 लिखित राम गिरिश बहक श्रीमती राधा देवी जिसका पंजीयन सब रजिस्ट्रार कार्यालय में बही संख्या 1 जिल्द संख्या 4094 के पृष्ठ संख्या 329 से 332 पर क्रमांक संख्या 7606 पर पंजीकृत है, कही खो गया है, उपरोक्त सम्पत्ति को श्रीमती बिट्टो देवी द्वारा एस0एम0एफ0जी0 इण्डिया होम फाइनेन्स कम्पनी लिमिटेड में बंधक रख कर ऋण प्राप्त किया जा रहा है, यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह 07 दिनो के अन्दर निम्न पते पर सम्पर्क करे। किसी के द्वारा इनका प्रयोग अवैध माना जायेगा। – **भारत भटनागर एडवोकेट, कार्यालय कमरा नम्बर 14 द्वितीयतल मुदगल अधिक्ता भवन सिविल कोर्ट कम्पाउण्ड कानपुर नगर मो0न0 9839034426**

दंगल | रघुनाथ धाम मंदिर में 15 दिवसीय मकर संक्रांति मेला महोत्सव की धूम, मेले में प्रतिदिन पहुंच रहे हजारों लोग

राजस्थान की सरिता ने दिल्ली की आकांक्षा को हराया

संवाददाता, बेलाताल (महोबा)

अमृत विचार। रघुनाथ धाम मंदिर में 15 दिवसीय मकर संक्रांति मेला महोत्सव पूरे शबाब पर पहुंच गया है। बुधवार को दंगल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। दंगल में राजस्थान, दिल्ली सहित कई जिलों और राज्यों के पहलवानों ने अपने दांव-पेच दिखाए। दंगल में महिला पहलवानों की कुश्ती आकर्षण का केंद्र रही।

दंगल प्रतियोगिता में आए नामी व अनुभवी पहलवानो ने अपनी कुश्ती कला का प्रदर्शन किया, जिससे दर्शकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिलें। दंगल में पहली कुश्ती सुल्तान देवा शरीफ व टाइगर बंगाल के बीच हुई, जो बहुत ही रोमांचक मुकाबला हुआ, जिसमें

पहलवानों का हाथ मिलाकर कुश्ती शुरू कराते मुख्य अतिथि। अमृत विचार

सुल्तान देवा शरीफ ने टाइगर बंगाल को करारी शिकस्त दी। बामी मिश्रा लखनऊ व कालिदास अयोध्या के बीच कुश्ती हुई जिसमें अयोध्या के कालिदा पहलवान विजयी रहा। दंगल प्रतियोगिता में अन्य प्रदेशों के अलावा स्थानीय पहलवानों ने भी हिस्सा लिया जिसमें गोविंद ठाकुर छतरवारा व प्रेमलाल अमानपुरा के बीच हुई कुश्ती बड़ी ही रोचक रही। गोविंद ठाकुर ने प्रेमलाल अमानपुरा को चित्त कर जीत दर्ज की।

बाउंड्रीवाल व सांस्कृतिक मंच का हुआ लोकार्पण

- मेले के मौके पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. मुंशी मंटीलाल स्वतंत्रता की पुण्य स्मृति पर खेल मैदान बाउंड्रीवाल व सांस्कृतिक मंच का ग्राम प्रधान छोटेलाल व सचिव दयाशंकर जायसवाल ने लोकार्पण किया। प्रधान ने कहा कि बाउंड्रीवाल बनने से मैदान की सुरक्षा और अतिक्रमण से बचाया जा सकेगा। सांस्कृतिक मंच के माध्यम से ग्रामीण अंचलों की प्रतिभाओं को अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए मंच मिलेगा। इस मौके पर ग्राम प्रधान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के पुत्र परमेश्वरी दयाल सक्सेना का माल्यार्पण किया और उन्हें अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

दंगल प्रतियोगिता में महिला पहलवानों ने भी अपनी कला का प्रदर्शन कर दर्शकों का मनोरंजन कराया। कानपुर की महिला पहलवान खुशी पाल और सरिता राजस्थान के बीच कुश्ती हुई, जो बराबरी पर छूटी। इसके बाद आकांक्षा दिल्ली और सरिता राजस्थान के बीच कुश्ती का जोरदार मुकाबला हुआ, जिसमें सरिता ने दिल्ली की आकांशा पहलवान को हराया। इस मौके पर मेला समिति अध्यक्ष कामता कुशवाहा, मुन्ना लाल तिवारी पूर्व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मौला बख्श, सुधांशु दीक्षित, सतीश राजपूत, देवेन्द्र अरजरिया, जगत सिंह, रामबाबू, आदि लोग मौजूद रहे।

युवक पर खौलता तेल डाला, गंभीर

बकेवर (इटावा)। कस्बा के लोहिया नगर मुहाल में किसी बात को लेकर दो लोगों के बीच हुई कहा सुनी में एक युवक ने समोसे का खौलता हुआ तेल धर्मसिंह (28) के ऊपर डाल दिया जिससे वह बुरी तरह सा झुलस गया।

CIN: U86100UP2025PTC22
PANACEA MULTI SUPER SPECIALTY HOSPITAL PVT. LTD.
117/473, L-BLOCK, KAKADEO, KANPUR-208025
Phone: 0512-2501355, 2501455, E-mail: panaceakanpur@gmail.com

आवश्यक सूचना

अस्पताल में दिनांक 01.01.2019 से 31.12.2020 तक भर्ती हुए IPD रोगियों के मेडिकल रिकार्ड को नष्ट कर दिया जायेगा। जो भी इच्छुक व्यक्ति है, वे इस अधिसूचना की तारीख से एक महीने के भीतर अपना रिकार्ड लेने के लिए मेडिकल रिकार्ड विभाग से सम्पर्क कर सकते है। ध्यान दें- मेडिको लीगल, मृत्यु, जन्म और पीडियाट्रिक के लिए मान्य नहीं है।

नोटः- मोबाइल नम्बरः 7897997631,7897997632

अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com

कानपुर, गुरुवार, 29 जनवरी 2026

सुविचार

वे लोग धन्य हैं जिनके शरीर दूसरों की सेवा करने में नष्ट हो जाते हैं और प्यार सबसे ऊपर है।

- स्वामी विवेकानंद

कानपुर के प्रमुख समाचार

- चार यूट्यूबरों पर लगा गैंगस्टर-II
- पंजाब केसरी कहे जाते थे लाला जी -III
- साइंस बस स्कूलों में पहुंचा रही शिक्षा -IV

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.

•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT

दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में

सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य

117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर

9889538233, 7880306999

शुक्लागंज के लिए नए गंगा पुल का काम तेज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर से शुक्लागंज को जोड़ने वाला 150 साल पुराना अंग्रेजों के जमाने का गंगा पुल का एक हिस्सा गंगा में गिरने के बाद अब नया फोरलेन पुल तेजी से बनना शुरू हो गया है। कानपुर छोर पर पुल के दो पिलर जमीन के नीचे से ऊपर आ चुके हैं, और तीसरे पर काम चल रहा है। नए पुल की लागत 235.25 करोड़ रुपये है। इसके निर्माण के लिए समय सीमा 30 माह यानी जून 2028 तय की गई है। जब तक नए पुल का निर्माण पूरा होगा, तब तक लोगों की आवागमन सुविधा का समाधान करने के लिए अस्थाई पीपा (पांटून) पुल बनाने की योजना को पहले ही हरी झंडी दिखाई जा चुकी है।

गंगा पर बनाया जा रहा नया पुल। अमृत विचार

कानपुर-शुक्लागंज के बीच गंगा पर निर्माणाधीन नया पुल 1196 मीटर से कुछ अधिक लंबा आधुनिक पुल होगा। इसमें पैदल यात्रियों के चलने के लिए फुटपाथ तथा साइकिल ट्रैक भी बनाया जाएगा। नया पुल बनने से करीब छह वर्ष पहले गंगा पर बने गोलाघाट से शुक्लागंज के बालूघाट तक के पुल पर यातायात का दबाव कम होगा और कानपुर-शुक्लागंज ही नहीं उन्नाव के लिए भी यातायात और सरल तथा सुगम हो जाएगा। इस पुल के निर्माण से प्रतिदिन साढ़े चार लाख लोगों को सीधा लाभ होने का अनुमान लगाया गया है।

26 नवंबर 2024 के दिन इस ऐतिहासिक पुल का एक हिस्सा गंगा नदी में गिर गया। चूंकि पुल पहले ही पूरी तरह से बंद था और घटना तड़के हुई इसलिए किसी तरह की जनहानि नहीं हुई।

235 करोड़ रुपये कुल लागत

30 माह निर्माण की समय सीमा

50 मीटर है पुराने पुल से दूरी

4.5 लाख लोगों को मिलेगा लाभ

1196 मीटर है कुल लंबाई

1874 में बना था गंगा पर पुराना पुल : ब्रिटिश शासन के दौरान 1874 में अवध और रोहिलखंड रेलवे कंपनी ने गंगा नदी पर पुल बनाया था। यह पुल कानपुर और उन्नाव को जोड़ता था और वर्षों तक सड़क यातायात की प्रमुख कड़ी बना रहा। यह पुल उस समय की इंजीनियरिंग की मिसाल माना जाता था।

निर्माण कार्य पूरा होने तक मिलेगी 120 पीपों के पांटून पुल की सुविधा

नए पुल के निर्माण के दौरान लोगों की आवागमन सुविधा के लिए डेढ़ करोड़ रुपये से अस्थाई पीपा (पांटून) पुल का निर्माण किया जाना तय हुआ है। 120 पीपों से तैयार होने वाला यह पुल जल्दी ही बनाए जाने की उम्मीद जताई जा रही है।

2021 में दरारें आयीं और हुआ बंद

- समय के साथ पुल की हालत बिगड़ने लगी। साल 2021 में पुल में गंभीर दरारें और संरचनात्मक कमजोरियां सामने आईं। इसके बाद अप्रैल 2021 में जिला प्रशासन ने एहतियातन इसे यातायात के लिए पूरी तरह बंद कर दिया। पुल के दोनों छोरों को ब्लॉक कर दिया गया ताकि कोई पुल पर न जा सके और दुर्घटना न हो।

2025 में रंग लाई जनता की मांग

- नए पुल के निर्माण को लेकर लोगों ने हस्ताक्षर अभियान चलाया और प्रदर्शन किए। इसी के बाद राज्य सेतु निगम और पीडब्ल्यूडी ने मिलकर एक नया चार लेन का पुल बनाने की योजना तैयार की। स्थलीय निरीक्षण और प्रस्तावित डिजाइन पर काम शुरू हुआ। नए पुल निर्माण के सभी तकनीकी सर्वे पूरे करके दिसंबर माह में काम शुरू हुआ।

सिटी ब्रीफ

मुंबई एक्सप्रेस अब लखनऊ के बजाय गोमती नगर से

कानपुर। ट्रेन संख्या 12533/12534 (लखनऊ जं.–छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल–लखनऊ जं. सुपरफास्ट एक्सप्रेस) के संचालन में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया गया है। ये गाड़ी लखनऊ जंक्शन के बजाय गोमती नगर स्टेशन से संचालित होने लगी है। उत्तर मध्य जोन के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि 26 जनवरी से ये गाड़ी गोमती नगर स्टेशन से संचालित होने लगी है और इस गाड़ी को ऐशबाग जंक्शन पर भी ठहराव दिया गया है। ये गाड़ी रात 8.45 बजे गोमती नगर स्टेशन के रवाना होगी। बादशाहनगर स्टेशन पर रात 8:55 बजे, ऐशबाग जंक्शन स्टेशन पर रात 9.23 बजे पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 12534 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल से रवाना होकर लखनऊ के ऐशबाग जंक्शन स्टेशन पर प्रातः 07:13 बजे, बादशाहनगर स्टेशन पर 07:30 बजे एवं गोमती नगर स्टेशन पर प्रातः 08:00 बजे पहुंचेगी।

कानपुर की तीनों फ्लाइट फुल

कानपुर। हैदराबाद फ्लाइट दोपहर 12.50 बजे 147 यात्री लेकर आई और 168 यात्री लेकर दोपहर 1.25 बजे रवाना हुई। दिल्ली फ्लाइट दोपहर 2 बजे 143 यात्री लेकर पहुंची और 164 यात्री लेकर दोपहर 2.32 बजे उड़ान भरी। इसी प्रकार मुंबई की फ्लाइट में 175 यात्री आए, ये फ्लाइट दोपहर 3 बजे आई और 166 यात्री लेकर दोपहर 3.25 बजे मुंबई के लिए उड़ान भरी।

लेटर हुआ वायरल

कानपुर। स्वास्थ्य विभाग में वायरल लेटर में एसीएमओ भंडार डॉ आरपी मिश्रा की ओर से कई आरोप लगाए गए हैं। यह लेटर सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। प्रमुख सचिव को लिखे गए पत्र में पूर्व सीएमओ व फार्मा के प्रोपराइटर पर संगीन आरोप लगाए हैं। इनमें बलपूर्वक जबरन स्टाम्प पेपर पर मन मुताबिक बातें लिखवाने की बात भी लिखी गई है। इसके अलावा और भी गंभीर आरोप लगाए हैं। वायरल लेटर की अमृत विचार पुष्टि नही करता है।

दस्तारबंदी 16 को

कानपुर। मदरसा अहले सुन्नत मबीनुल उलूम हीरामन के प्रमुख मौलाना मोहम्मद उमर कादरी ने बताया कि 16 फरवरी को मदरसा में दस्तारबंदी एवं गरीब नवाज कांफ्रेंस का आयोजन होगा। इसकी सरपरस्ती हजरत सैयद शाह गुलजार इस्माईल वास्ती करेंगे।

लखनऊ एक्सप्रेस-वे से जुड़ेगी रिंग रोड

एनएचएआई ने शुरू किया इंटरचेंज और इंटरसेक्शन बनाने की योजना पर काम, बड़ी सहूलियत होगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे को शहर में रिंग रोड से जोड़ा जाएगा। इसके लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने तैयारी शुरू कर दी है। अमृत विचार द्वारा कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की शहर से कनेक्टिविटी और लोगों के लिए बेहतर उपयोगिता को लेकर लगातार अभियान चलाकर समाचार प्रकाशित किए जाने के बाद एनएचएआई अधिकारियों ने एक्सप्रेस-वे को आउटर रिंग रोड से जोड़ने की योजना पर काम शुरू किया है। इससे दो माह में आवागमन के लिए खुलने वाले एक्सप्रेस-वे के रास्ते शहर के विभिन्न इलाकों से लखनऊ आने-जाने वाले लोगों को बड़ी सहूलियत मिलेगी।

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे को लखनऊ में रिंग रोड से जोड़ने का काम पहले ही चल रहा है। अब एनएचएआई ने इसे कानपुर की आउटर रिंग रोड से जोड़ने के लिए इंटरचेंज और इंटरसेक्शन बनाने की दिशा में काम शुरू कर दिया है। एक्सप्रेस-वे जाजमऊ गंगा पुल के आगे उन्नाव में आजाद चौराहा के पास से शुरू होता है, और लखनऊ से आने पर यहीं उतरता है। आजाद चौराहा के पास ही इसे निर्माणाधीन कानपुर रिंग रोड से जोड़ा जा रहा है।

यह लिंक मिलने से रिंग रोड के माध्यम से वाहन सवारों को शहर के विभिन्न क्षेत्रों तक आसान पहुंच सुलभ हो जाएगी, जिससे यातायात सुगम होगा और भारी वाहनों का दवाब कम होने के साथ मुख्य मार्गों पर ट्रैफिक में कमी आएगी। लखनऊ-कानपुर हाईवे पर भी ट्रैफिक का लोड कम हो जाएगा।

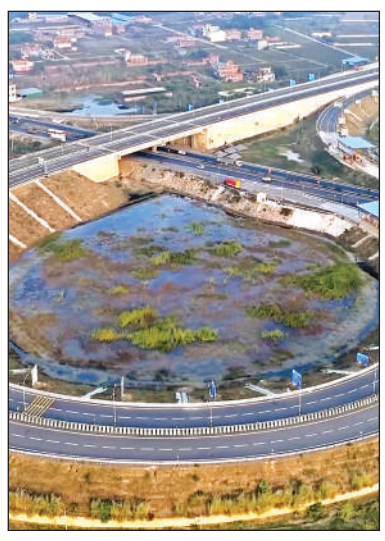

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे।

60% यातायात शिफ्ट होने का लगाया है अनुमान

- एक्सप्रेस-वे पर यातायात शुरू होने पर मौजूदा कानपुर-लखनऊ हाईवे से लगभग 60 फीसदी यातायात उधर शिफ्ट होने का अनुमान लगाया गया है। एक्सप्रेस-वे की क्षमता प्रतिदिन 40,000 से अधिक वाहनों को समायोजित करने की है, जिसमें लंबी दूरी के यात्री और मालवाहक यातायात भी शामिल है। भविष्य में इसे गंगा एक्सप्रेस-वे से जोड़े जाने पर और व्यापक संपर्क सुविधा मिलेगी।

"रिंग रोड को कानपुर- लखनऊ एक्सप्रेस-वे से जोड़ने की योजना बनी है। जब रिंग रोड से एक्सप्रेस वे जुड़ जाएगा तो फिर दूसरे शहरों के वाहन बाहर ही बाहर निकल जाएंगे। उन्हें शहर में आने की जरूरत नहीं होगी। जाजमऊ पुल पर यातायात का दबाव 60% तक कम हो जाएगा और वहां भी जाम नहीं लगेगा। इस कारण जाजमऊ में गंगा पर एक और पुल बनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

– पंकज यादव, परियोजना निदेशक, एनएचएआई

120 किमी की रफ्तार के लिए उन्नत सुरक्षा उपाय

- छह लेन के इस एक्सप्रेस-वे पर गति सीमा 120 किमी प्रति घंटा अनुमन्य किए जाने से कानपुर से लखनऊ का सफर पौन घंटे के भीतर पूरा किया जा सकेगा। तेज गति से दौड़ने वाले वाहनों के लिए एक्सप्रेस-वे पर उन्नत सुरक्षा उपायों का इंतजाम किया गया है। इसमें निगरानी, डिजिटल साइनेज और आईआरसी-अनुरूप डिजाइन शामिल हैं। पर्यावरण के साथ बेहतर तालमेल बिठाने के लिए हरित क्षेत्र, ध्वनि अवरोधक और कुशल जल निकासी व्यवस्था भी की गई है।

मलेरिया के इलाज में होगी राष्ट्रीय स्तर पर रिसर्च

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। रेजिस्टेंट मलेरिया ग्रस्त लोगों को इस बीमारी से जल्द निजात दिलाने के लिए एक राष्ट्रीय स्तर पर शोध किया जाएगा। इसके लिए हाल में ही न्यू दिल्ली में सेंट्रल ड्रग्स कंट्रोलर ऑफ इंडिया में एथिक्स कमेटी की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में रेजिस्टेंट मलेरिया पर दवाओं पर शोध करने के लिए मंजूरी मिल गई है। शोध के तहत रेजिस्टेंट मलेरिया में दो पुरानी चल रही दवा के साथ ही एक नई दवा को जोड़ा जाएगा, जिसके परिणाम सार्थक आने पर इसको पूरे देश में लागू किया जाएगा।

भारत सरकार ने राष्ट्रीय रणनीतिक योजना के तहत वर्ष 2027 तक स्वदेशी मलेरिया के मामलों को शून्य करने और 2030 तक देश से मलेरिया का पूरी तरह से उन्मूलन करने का लक्ष्य रखा है। ऐसे में रेजिस्टेंट मलेरिया इसपर बाधा न बन सके, इसलिए इस बीमारी के निदान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर शोध किया जाएगा, जिसको नई दिल्ली में हुई एथिक्स कमेटी की बैठक में अनुमति मिल गई है। कमेटी की सदस्य और जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज की उप प्राचार्य प्रो. रिचा गिरी ने बताया कि रेजिस्टेंट मलेरिया पर अभी आर्टेमेथर व ल्यूमेफैंट्रिन दवा संयुक्त रूप से दी जाती है, लेकिन अब इसमे एक नई दवा को साथ में जोड़ा जाएगा, जिसपर शोध करने के लिए कमेटी के विशेषज्ञों ने एक फार्मा कंपनी को अनुमति दी है। रेजिस्टेस्ट मलेरिया के निदान के लिए नई दवा पर शोध करना इसलिए जरूरी है, क्योंकि इसमे तेज बुखार के साथ लगातार कंपन, सिरदर्द, उल्टी, दस्त व अत्यधिक थकान की समस्या हो जाती है, इसके अलावा व्यक्ति एनिमिया ग्रस्त भी हो जाता है, जिसकी वजह से शरीर में खून की कमी भी होती है। यहां तक की रेजिस्टेस्ट मलेरिया में मरीज का लिवर, किडनी समेत अन्य अंगों की विफलता और दौरा पड़ने की भी गंभीर समस्या हो सकती है।

इन राज्यों में अधिक सामने आते केस: ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में रेजिस्टेंट मलेरिया के केस अधिक सामने आते हैं, इनके अलावा कुछ राज्य ऐसे भी हैं, जहां पर कुछ केस आ जाते हैं। प्रतिरोधी परजीवियों का विकास, विशेष रूप से पूर्वोत्तर भारत में, एक चिंता का विषय बना हुआ है। बता दें कि रेजिस्टेंस मलेरिया (दवा-प्रतिरोधी मलेरिया) तब होता है, जब परजीवी इसमें कुछ पुरानी दवाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया बदल लेते हैं, जिससे ये प्रभावी नहीं रहती हैं। परजीवियों में लगातार विकास और बदलाव होने से वह दवाओं के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते हैं।

ये हैं लक्षण

- दवाओं का असर न होना
- इलाज के बाद भी बुखार बने रहना
- दवा लेने के बाद 48-72 घंटों के बाद भी बुखार न उतरना या फिर से आना।
- इलाज के बाद 28 दिनों के भीतर मलेरिया के लक्षण फिर सामने आना
- खून की जांच में परजीवियों का स्तर कम न होना।
- गंभीर स्थिति में बेहोशी, मानसिक भ्रम या दौरे पड़ना।
- परजीवियों द्वारा लाल रक्त कोशिकाओं को नष्ट करने के कारण एनीमिया
- किडनी, लिवर की समस्या, सांस लेने में अत्यधिक कठिनाई या पीलिया।
- लगातार उल्टी और दस्त के कारण, गंभीर निर्जलीकरण

आरपीएच ओल्ड उप केंद्र में लगी भीषण आग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आरपीएच ओल्ड विद्युत उपकेंद्र में मंगलवार को देर रात भीषण आग लग गई।

मंगलवार को देर रात पावर नंबर तीन (क्षमता 10 एमवीए) में अचानक आग लग गई। अनुमान है कि शार्ट सर्किट से आग लगी। कुछ ही देर में आग ने पूरे विद्युत उपकेंद्र को अपनी चपेट में ले लिया। लपटें उठती देख इलाकाई लोगों ने फायर ब्रिगेड को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने एक घंटे में आग पर काबू पाया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी दीपक शर्मा ने बताया कि मंगलवार रात आंधी और बारिश के कारण शार्ट-सर्किट होने से आग लगी। घटना के चलते सूटरगंज, ग्वालटोली, मकरॉबर्टगंज, खलासी लाइन एवं चुन्नीगंज समेत आसपास क्षेत्री की बिजली बाधित रही। घटना के चलते लगभग 25 हजार लोग परेशान रहे। पानी की मोटर नहीं चलने से पानी भी नहीं मिल सका। बुधवार को सुबह 8 बजे बिजली आपूर्ति सामान्य हो सकी।

सड़क गायब

ब्रह्मनगर की स्थिति बहुत ही खराब है। पहले ब्रह्मनगर चौराहा पर सड़क धंसी और अब ब्रह्मनगर मार्ग ही धंस गया। आसपास के मकानों के भी गिरने का खतरा उत्पन्न हो गया है। ब्रह्मनगर चौराहे की सड़क को अभी तक दुरुस्त नहीं किया जा सका है। अब नई जगह सड़क धंसने से यातायात पूरी तरह से प्रभावित हो रहा है। आसपास के लोग भी दहशत में हैं।

बाजार

दोनों कीमती धातुओं के भावों ने लगातार तीसरे दिन तोड़े ऊंचाई के रिकार्ड

सोना साल में दोगुना, चांदी के हुए तिगुने दाम

विशेष संवाददाता, कानपुर

1,71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम सोना

3,74,000 रुपये प्रति किलो चांदी

अमृत विचार। सोना-चांदी के भावों ने बुधवार को लगातार तीसरे दिन ऑल टाइम हाई का रिकार्ड बरकरार रखा। दो दिन में सोना जहां 11 हजार रुपये महंगा हुआ है, वहीं चांदी ने इस अवधि में 40 हजार की छलांग लगा ली। कानपुर सराफा बाजार में बुधवार को सोना 1,71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 3,74,000 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। खास बात यह कि सोने के भाव एक साल में दोगुने और चांदी के तीन गुने हो चुके हैं।

पिछले एक साल से लगातार सोना और चांदी के भाव की बढ़ती तेज चाल ऐतिहासिक रही है। इस दौरान इतने और इतनी तेजी से भाव कभी नहीं बढ़े। हर दिन नया रिकार्ड बन रहा है। चांदी के भाव आठ दिन में ही 57 हजार तो सोने के 23 हजार रुपये बढ़ चुके हैं। चांदी तो हर कीमती धातु को पीछे छोड़कर निवेशकों की पहली पसंद बन चुकी है।

बढ़ते भाव के पीछे बड़ा कारण सटोरियों का जाल बताया जा रहा है। एक साल पहले 10 ग्राम सोना 78,600 का था, जो अब 1,71,000 रुपये का है। यानि लगभग 93 हज़ार का मुनाफा। इसी तरह एक साल पहले 88,600 रुपये किलो वाली चांदी अब 3,74,000 रुपये किलो है। यानि दो लाख 82 हजार रुपये का सॉलिड मुनाफा।

उत्तर प्रदेश सराफा एसोसिएशन के मंत्री राम किशोर मिश्र का कहना है कि वैश्विक आर्थिक हालात, रुपये की कमजोरी, टैरिफ वॉर, बड़े देशों में तनातनी के कारण कीमती धातुओं की कीमतें ऊंचाई के नित नए रिकार्ड बना रही हैं। नयागंज सराफा के अरुण गोयल कहते हैं कि अब ग्राहक हल्के गहने ही मांग रहे हैं।

रिकार्ड तोड़ तेजी के यह कारण

- सोने की कीमतों में तेजी भू-राजनीतिक अनिश्चितता, कमजोर अमेरिकी डॉलर और निवेशकों की सेफ-हेवन डिमांड के कारण है, जबकि चांदी के दामों में भारी उछाल अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती, औद्योगिक मांग और निवेशकों की बढ़ती रुचि की वजह से है।

जर्जर एचटी लाइन गिरने से दो कारें जलकर खाक

कानपुर। किदवईनगर में जर्जर एचटी लाइन टूटकर गिरने से बुधवार तड़के सड़क किनारे खड़ीं दो कारें जल गईं। दमकल पहुंचने से पहले दोनों कारें जल चुकी थीं। दमकल ने पानी डालकर आग पर काबू पाया।

लाल कालोनी में रहने वाले शोएब अहमद की साकेतनगर डब्ल्यू-वन ब्लाक में कार बाजार दुकान है। शोएब पुरानी कारों की खरीद-फरोख्त का काम करते हैं। उन्होंने बताया कि करीब 15 दिन पहले कानपुर देहात के अकबरपुर निवासी अखिलेश की बोलेरो और जाजमऊ निवासी मुशीर अहमद लारी की कार बिक्री के लिए दुकान पर आई थी। दोनों गाड़ियों दुकान के बाहर ही खड़ीं थीं। बुधवार तड़के आग लगने की सूचना पर जब तक वह पहुंचे, दोनों गाड़ियां जल चुकीं थीं। आग की लपट दुकान में लगे प्लास्टिक शेड तक पहुंच गई थी, जिससे शेड भी जलने लगा था। इसी बीच पहुंची दमकल ने पानी की बौछार कर आग पर काबू पाया। शोएब के अनुसार सीएम ग्रिड सड़क निर्माण के चलते दो दिन पहले पेड़ कटवाए गए थे। पेड़ की टहनियों के सहारे लटकी जर्जर एचटी लाइन बूंदाबांदी व तेज हवा के कारण टूटकर कारों पर गिरी और निकली चिंगारी से आग लग गई। किदवईनगर थानाप्रभारी धर्मेंद्र कुमार राम ने बताया कि तहरीर मिली तो कार्रवाई की जाएगी।

सिटी ब्रीफ

अधेड़ ने फांसी लगा कर आत्महत्या की

कानपुर। महाराजपुर में सूर्यवंशी खेड़ा गांव में पारिवारिक कलह के चलते 55 वर्षीय अधेड़ ने गांव के बाहर खेत पर पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। थाना प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि पारिवारिक कलह के चलते ओम प्रकाश ने यह कदम उठाया है। जामुन के पेड़ पर उनका शव लटका देखकर ग्रामीणों ने घटना की जानकारी दी। परिजनों से पूछताछ के बाद शव पोस्टमार्टम भेजा गया है। फॉरेंसिक टीम ने भी साक्ष्य जुटाए।

बुजुर्ग ने जहर खाकर दी जान

कानपुर। नजीराबाद में जहरीला पदार्थ खाकर 60 वर्षीय बुजुर्ग शमशेर बहादुर ने आत्महत्या कर ली। बेटे सुरेंद्र ने बताया कि पिता 25 जनवरी रविवार की दोपहर करीब एक बजे बाहर से लौटे। इसके बाद उनकी तबियत बिगड़ने लगी। पूछने पर जहरीला पदार्थ खाने का पता चला तो तुरंत हैलट ले गए। जहां इलाज के दौरान शाम करीब चार बजे उनकी मौत हो गई।

चोरी की बैटरी के साथ आरोपी गिरफ्तार

कानपुर। रेलबाजार के ऑर्डिनेंस पैराशूट फैक्ट्री कर्मी उमेश कुमार ने कार से बैट्री चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि बीती 24 जनवरी को वह रोज की तरह पैराशूट फैक्ट्री गेट पर अपनी कार खड़ी कर ड्यूटी करने गए थे। दोपहर में जब लौटे तो कार से बैट्री गायब थी। थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि आरोपी सलमान खान को गिरफ्तार कर चोरी की तीन बैटरी बरामद की है।

15 हजार का इनामी पुलिस के हत्थे चढ़ा

कानपुर। चकेरी पुलिस ने श्याम पैलेस सिनेमा गेट के पास से बुधवार 15 हजार के इनामी धर्मेंद्र नागर को गिरफ्तार किया। उसने बीती सात अक्टूबर 2025 को कोयलानगर के रहने वाले विनय कुमार को तमंचा की बट से पीटकर घायल किया था। इसके बाद फायरिंग करके आरोपी और उसके साथी भाग निकले थे। बदमाश के साथी अमन कटियार को पुलिस ने पूर्व में जिलाबदर उल्लंघन में पकड़ा था। आरोपी पर चकेरी, नौबस्ता, बिधनू, घाटमपुर, सेन पश्चिम पारा में सात मुकदमे दर्ज हैं।

चार यूट्यूबरों पर गैंगस्टर की कार्रवाई की पुलिस ने

भय-बल से आर्थिक लाभ के साथ गुंडागर्दी व रंगदारी का आरोप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

दिवस और अभिषेक।

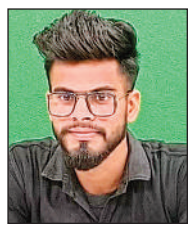

सत्यम।

योगेश।

- गैंग सरगना दिवस व अभिषेक हिस्ट्रीशीटर, दोनों हो चुके हैं छह माह के लिए जिलाबदर

अमृत विचार। बर्रा पुलिस ने मंगलवार को चार यू ट्यूबरों पर गैंगस्टर की कार्रवाई की है। दर्ज रिपोर्ट में सभी यूट्यूबर वसूलीबाज बताए गए हैं। इस गैंग का सरगना दिवस पांडेय है जबकि अभिषेक शर्मा, योगेश दीक्षित और सत्यम गोस्वामी गिरोह के सक्रिय सदस्य हैं।

डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि बर्रा इंस्पेक्टर रवींद्र श्रीवास्तव ने 25 जनवरी को बर्रा दो के दिवस पांडेय, हेमंत विहार के अभिषेक शर्मा उर्फ युवा, महाराजपुर के धूमनपुर के योगेश दीक्षित और नर्वल के ख्वाजीपुर गांव के सत्यम गोस्वामी के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई की है। जिसमें गैंग का सरगना दिवस पांडेय है, जबकि अन्य तीन सक्रिय सदस्य बनाए गए हैं। सभी आरोपी भय व बल दिखाकर आर्थिक व भौतिक लाभ लेने को मारपीट, गाली-गलौज, गुंडागर्दी व रंगदारी जैसे अपराध करते हैं। आरोपियों के खिलाफ बर्रा थाने में 25 अगस्त 2024 को रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज हुआ था। जिसे नर्वल के पनौरी गांव निवासी डीसीएम चालक गौरव कुमार ने दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि दिवस और उसके साथी उससे रंगदारी वसूलते हैं। न देने पर मारपीट और उसके खिलाफ फर्जी ट्वीट व खबरें चलाने की धमकी देते हैं। जांच में योगेश दीक्षित व अन्य का नाम भी सामने आया था। सभी के खिलाफ आरोप पत्र भी दाखिल किए जा चुके हैं। अप्रैल 2024 में बाबूपुरवा में भी एक मामला दर्ज हुआ था। जिसमें भी रंगदारी न देने पर बदनाम करने को पोस्ट किए जाने का आरोप लगा था। इसी तरह किदवईनगर में भी इस तरह के दर्ज मुकदमे में आरोप दाखिल किए गए। डीसीपी साउथ के अनुसार गैंग सरगना दिवस पांडेय और उसका साथी अभिषेक हिस्ट्रीशीटर हैं। दोनों के खिलाफ छह माह जिलाबदर की भी कार्रवाई भी हुई थी। उनकी तलाश जारी है, जल्द गिरफ्तारी होगी।

डंपर की टक्कर से घायल पति की भी मौत

कानपुर। नौबस्ता चौराहा पर बाइक सवार दंपती को तेज रफ्तार डंपर ने रौंद दिया था। महिला की मौत के बाद पांचवें दिन हैलट आईसीयू में भर्ती पति की भी मौत हो गई। दो बच्चों के सिर माता-पिता का साया उठ गया।

पनकी पड़ाव निवासी 44 वर्षीय अरविंद सोनी दादानगर फैक्ट्री में नौकरी करते थे। परिवार में 40 वर्षीय पत्नी कलावती व दो बच्चे पूजा व गोलू हैं। परिजनों के अनुसार कलावती के अस्वस्थ थीं। उनका इलाज उन्नाव स्थित होम्योपैथिक चिकित्सक से चल रहा था। इसलिए दंपती गुरुवार दोपहर बाइक से उन्नाव गए थे। वहां से दवा लेकर शाम करीब साढ़े छह बजे लौट रहे थे। तभी नौबस्ता चौराहा पर तेज गति डंपर ने दोनो को रौंद दिया था। कलावती की मौके पर मौत हो गई थी, जबकि अरविंद का हैलट आईसीयू में इलाज चल रहा था। जहां उनकी भी मौत हो गई। भतीजे कल्लू के अनुसार नौबस्ता चौराहा पर ट्रैफिक सिंग्नल बंद था, जिससे देखकर वाहन रुके थे। उनके चाचा-चाची भी रुके, लेकिन पीछे से आए तेज गति डंपर चालक ने उन्हें रौंद दिया था।

थाने से भागे कल्लू के पैर में लगी पुलिस की गोली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

कल्लू। अमृत विचार

- पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार होमगार्ड को धक्का देकर भागा था

अमृत विचार। गुजैनी थाने से होमगार्ड को धक्का देकर फरार हुआ चोरी के आरोपी विशाल उर्फ कल्लू को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। आरोपी ने पुलिस टीम पर फायर झोंका, जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दाएं पैर में गोली लगी। गिरते ही उसे घेरकर दबोच लिया गया। शातिर ने दिसंबर 2024 को ज्वैलर्स दुकान का शटर तोड़कर चोरी की थी।

डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि गोपालपुरम सोसाइटी निवासी गौरव वर्मा की जरौली फेस-टू स्थित बालाजी ज्वैलर्स में 14 दिसंबर 2024 की देर रात शटर तोड़कर तीन नकाबपोश चोरों ने तीन किलो चांदी के जेवर पार किए थे। मामले में पांच दिन बाद 20 दिसंबर को गुजैनी गांव निवासी विशाल गुप्ता उर्फ मन्नू बिहारी व गुजैनी के मायापुरम कच्ची बस्ती निवासी करन को पुलिस ने जेल भेजा था। जबकि बर्रा के शिवाजी पुलिया के समीप रहने वाला विशाल उर्फ कल्लू वांछित था। गुजैनी पुलिस ने बीती 14 जनवरी की रात उसे किसी वारदात के इरादे से घूमते दबोचा था। अगले दिन आरोपी को जेल भेजा जाना था। उससे पहले ही वह बाथरूम जाने के बहाने होमगार्ड को धक्का देकर थाने से फरार हो गया था। उसकी तलाश में पुलिस की तीन टीमें जुटी थीं। मंगलवार देर रात आरोपी बनपुरवा में देखा गया। इसकी सूचना पर पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए घेराबंदी की। पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो भागने के प्रयास में उसने टीम पर फायर झोंक दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली उसके दाएं पैर में लगी। जिससे वह घायल होकर गिर गया। उसे दबोचकर इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। अब जेल भेजा जाएगा।

होटल वाले ने किराये पर ली कार और बेच दी

कानपुर। चकेरी निवासी ट्रैवल्स संचालक ने अपनी दो कारें वाराणसी के एक होटल संचालक को किराए पर दी थी। जिसका उसने कई माह किराया नहीं दिया। जब पता किया तो जानकारी हुई कि होटल संचालक ने दोनों कारें बेच दी हैं। पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। गिरजानगर के कुलवीर सिंह ने दी तहरीर के उन्होंने ट्रैवल्स की अपनी दो कारें लालबंगला निवासी सक्षम जायसवाल के माध्यम से वाराणसी के एक होटल में प्रतिमाह किराए पर दी थी। दो माह का भुगतान न होने पर वह और सक्षम वाराणसी के हिमांशु गुप्ता के होटल पहुंचे तो वहां उन्हें कारें नहीं दिखीं। कुलवीर ने कार के बारे में पूछा तो हिमांशु ने बताया कि उसने सौरभ गुप्ता के साथ मिलकर दोनों कार बेच दी हैं। इसके बाद अपना मोबाइल भी बंद कर लिया था। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि दोनों नामजद समेत तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। एक टीम कार बरामदगी के लिए वाराणसी गई है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

साध्वी बनने केरल से भागी महिला का सेंट्रल पर रेस्क्यू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। केरल के कुन्नकुलम क्षेत्र से एक महिला साध्वी बनने के लिए घर से भाग निकली, पहले वाराणसी गई और फिर कानपुर स्टेशन पर आरपीएफ ने उसका रेस्क्यू किया। आरपीएफ ने घटना की जानकारी केरल के कुन्नकुलम पुलिस थाना को दी।

आरपीएफ थाना प्रभारी सिद्धनाथ पाटीदार ने बताया कि उप निरीक्षक सुधीर कुमार कटियार, दलबल के साथ कानपुर सेन्ट्रल पर मंगलवार को गश्त कर रहे थे, इसी दौरान प्लेटफार्म 01 से प्लेटफार्म नंबर 10 कि तरफ गार्ड लॉबी के पास एक महिला संदिग्ध अवस्था में घूमती दिखाई दी, जिससे पूछताछ करने पर उक्त महिला ने अपना नाम अर्पणा पुत्री कृष्णा दास उम्र 30 वर्ष निवासी नेडीएम परमवत हाउस चुन्ड्ल त्रिचुर सिटी (केरल) बताया। महिला ने ये भी बताया कि वह घर का भागकर साध्वी बनने के लिए वाराणसी गयी थी और वहां से यहां आई है। उक्त महिला को आरपीएफ थाना पर लाकर महिला स्टाफ की मौजूदगी में पूछताछ की गई। उसी समय केरल के कुन्नकुलम पुलिस थाना से सिविल पुलिस ऑफिसर विजयराज वी ने आरपीएफ पोस्ट कानपुर सेंट्रल पर सम्पर्क किया तथा बताया कि उक्त महिला दिमागी तौर से कमजोर है, जो अपने घर से भाग गयी है, महिला को मेरी सहेली स्टाफ की निगरानी में सुरक्षित रखा गया। बुधवार को कुन्नकुलम पुलिस थाना से सिविल पुलिस ऑफिसर विजयराज वी तथा महिला कांस्टेबल सिलपा एस एवं उक्त महिला की मां आईं।

कूड़े के ढेर में स्ट्रीट फूड स्टॉल

विकास के नाम पर लाखों रुपये बर्बाद और रोजगार की योजना फ्लॉप, नगर निगम में घोटाला और गोलमाल ठेकेदार अधिकारी हो रहे मालामाल। स्मार्ट सिटी के तहत नगर निगम द्वारा लाखों रुपये से बनवाए गए स्ट्रीट फूड स्टॉल कबाड़ बनकर कूड़े के ढेर में पड़े हैं। छावनी क्षेत्र में ओईएफ स्टेडियम के पास कानपुर-शुक्लागंज पुराने गंगा पुल मार्ग को पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित करके बनाए गए स्ट्रीट फूड स्टॉल कबाड़ की तरह पड़े हैं। ● मनोज तिवारी

सजा काटकर जेल से निकला और की दुकान में चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- चोरी का माल खरीदने वाला दुकानदार भी गिरफ्तार

अमृत विचार। बर्रा में इलेक्ट्रॉनिक दुकान में चोरी का पुलिस ने खुलासा किया। 16 वर्षीय किशोर ने चोरी की थी, जो कुछ दिन पहले ही सजा काटकर बाहर आया था। पुलिस ने 15 मोबाइल व चोरी में इस्तेमाल औजार भी बरामद किए। चोरी के मोबाइल खरीदने वाले दुकानदार भी दबोचा गया।

कर्रही स्थित एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान में 21 जनवरी को चोरी हुई थी। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में एक नकाबपोश किशोर कंधे पर लोहे का साबड़ लेकर जाता दिखाई दिया था। जो चोरी से पहले दुकान के बाहर भी टहल रहा था। फुटेज के आधार पर उसकी तलाश की जा रही थी। मंगलवार को पुलिस ने बर्रागांव फ्लाईओवर के नीचे से आरोपी किशोर को पकड़ लिया। तलाशी में उसके पास से 700 रुपये और चोरी में इस्तेमाल साबड़ बरामद किया गया। पूछताछ में उसने बताया कि चोरी किए गए 15 मोबाइल फोन उसने दबौली स्थित ओम टेलीकॉम के संचालक जसवंत कुमार गौतम को छह हजार रुपये में बेचे थे। इसके बाद पुलिस ने दुकानदार को भी मोबाइल बरामद कर गिरफ्तार कर लिया। किशोर के खिलाफ पहले से चोरी के छह मुकदमे दर्ज हैं। वह बीती 11 दिसंबर को एक साल की सजा पूरी करने के बाद बाहर आया था। और फिर चोरी की घटना को अंजाम दिया।

खुन्नस में घर से ले जाकर की थी क्लीनर की हत्या

फालोअप

संवाददाता, घाटमपुर

- दो आरोपी और दबोचे, शव ठिकाने लगाने में इस्तेमाल कार और ऑटो बरामद
- क्लीनर के मामा ने किया था प्रेम विवाह, उस पर मदद करने का था संदेह

अमृत विचार। ट्रक क्लीनर की गोली मारकर हत्या और शव ठिकाने लगाकर फरार आरोपियों में पुलिस ने दो को गिरफ्तार कर खुलासा किया है। खुन्नस में हत्यारोपी युवक को उसके घर से ले गए और रास्ते में हत्या कर शव सचेंडी के रामगंगा नहर में फेंका था। हत्यारोपी पुलिस से बचने के लिए अस्पताल में भर्ती हुए। नहर से शव बरामद होने पर शिनाख्त हुई। सजेती पुलिस की तीन टीमें खुलासे में जुटी थीं। एक आरोपी पहले ही जेल भेजा गया था, अन्य की तलाश जारी है।

सजेती के कोटरा मकरंदपुर निवासी ट्रक क्लीनर लोकेंद्र यादव बीती 29 नवंबर को घर से निकला था। उसके जानने वाले पवन पांडेय व दीपांकर उर्फ सुमित उसे बाइक से ले गए थे। दो दिन बाद एक दिसंबर को लोकेंद्र का हाथ बंधा शव सचेंडी के रामगंगा नहर में मिला था। अगले दिन सोशल मीडिया के माध्यम से उसक पहचान हुई। परिजनों के अनुसार पवन व दीपांकर के साथ जाने के बाद लोकेंद्र नहीं लौटा था। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि सचेंडी में निल में हत्या का मुकदमा दर्ज कर सजेती ट्रांसफर हुआ था। तीन टीमें खुलासे में लगी थीं। पुलिस ने पहले आरोपी पवन को जेल भेजा था। उन्होंने बताया कि लोकेंद्र जिस ट्रक पर क्लीनर था, उसके मामा सुघर सिंह चालक थे। मामा सुघर ने छह माह पहले ही पवन की बहन से प्रेम विवाह किया था। पवन को शक था कि लोकेंद्र ने उसकी बहन को जाने में मदद की हैं, इसी खुन्नस में उसकी हत्या की। डीसीपी के अनुसार सुमित व पवन बाइक से लोकेंद्र को घर से ले गए। सूनसान स्थान पर उसकी गोली मारकर हत्या की। शव गत्ता-बोरा में भरा और ले जाने के लिए ऑटो बुलाई। इसके बाद लाल रंग की कार से शव ले जाकर यमुना नदी में फेंकने का प्लान था। लेकिन रास्ते में पुलिस चेकिंग देखकर लौटे और बिधनू होते शव सचेंडी में जाकर नहर में फेंका। फरार होने पर खुद भी चकेरी के एक अस्पताल में भर्ती हुए, जिससे पुलिस से बच सकें। आरोपी पवन पहले ही जेल भेजा गया था। हत्यारोपी सुमित व चालक कपिल उर्फ अमित परिहार मंगलवार पुलिस के हत्थे चढ़े। शव ठिकाने लगाने में इस्तेमाल कार व ऑटो बरामद हुआ। फॉरेंसिक जांच में वाहनों में खून के छींटे मिले हैं। डीसीपी साउथ ने बताया कि अन्य हत्यारोपियों की तलाश की जा रही है।

युवक के सिर पर सरिया से हमला

कानपुर। चकेरी के जगईपुरवा निवासी राजू उर्फ सुमित ने मारपीट व जाति सूचक शब्दों के इस्तेमाल की रिपोर्ट दर्ज कराई है। राजू के अनुसार बीती 31 दिसंबर 2025 की रात वह घर से सिद्धनाथ मंदिर दर्शन करने जा रहा था। तभी जगईपुरवा चौराहा पर मोंटी और छोटू का झगड़ा होने लगा। यह देखकर उन्होंने कारण पूछा तो छोटू, छोटू की पत्नी, छोटू का बेटा अंशु और एक और बेटे ने उनके साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर मारपीट की। अंशु ने सरिया से उन पर हमला किया। जिसमें वह घायल होकर गिर पड़ा। मां और बहन एकता मौके पर पहुंची तो आरोपियों ने मारपीट की।

सेंट्रल स्टेशन पर 28 किलो गांजा के साथ दो तस्कर दबोचे गए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

सेंट्रल स्टेशन पर जीआरपी की गिरफ्त में गांजा तस्कर अमृत विचार

अमृत विचार। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन परिसर में आरपीएफ व जीआरपी की संयुक्त टीम ने 28 किलो 623 ग्राम गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है।

जीआरपी प्रभारी ओम नारायण सिंह ने बताया कि हैरिसगंज पुल के पास संदिग्ध अवस्था में पकड़े गए दोनों आरोपियों के पिट्ठू बैग से 22 बंडलों में कुल 28 किलो 623 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 14 लाख रुपये बताई गई है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान गौतम राय निवासी पटना (बिहार) और महेश अहिरवार निवासी टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश) के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने ओडिशा के भुवनेश्वर से गांजा लाकर कानपुर व आसपास के क्षेत्रों में बेचने की बात स्वीकार की।

पत्नी की हत्या में आजीवन कैद और 25 हजार जुर्माना लगाया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- लोहे की राड से पीटकर की थी हत्या, 16 चोटों के मिले थे निशान
- सजा में मकान मालिक की गवाही अहम रही, कुल 10 गवाह हुए पेश

अमृत विचार। किदवईनगर में लोहे की राड से पीटकर पत्नी की हत्या में कोर्ट ने पति को आजीवन कैद की सजा सुनाई है। पांच साल पहले 2020 में शराब पीने का विरोध करने पर पति ने राड से ताबड़तोड़ हमला कर हत्या की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पत्नी के शरीर पर 16 चोटें मिली थीं। सजा दिलाने में प्रत्यक्षदर्शी मकान मालिक की गवाही अहम मानी गई। कोर्ट ने 25 हजार जुर्माने का अर्थदंड भी लगाया।

चकेरी के सनिगवां रोड कांशीराम कालोनी निवासी राहुल सैनी ने पुलिस को दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया था कि उसकी 30 वर्षीय छोटी बहन प्रियंका की शादी 12 साल पहले अशोक विश्वकर्मा से हुई थी। अशोक किदवईनगर एन-ब्लॉक छेदी लोहार का हाता में रहता था। अशोक शराब का लती था, अपनी कमाई शराब पर ही उड़ा देता था। जिस कारण बहन को तीनों बच्चे सुभांशी, सम्राट और सुधांशु की पारिवरिश व घर खर्च चलाने में दिक्कत होती थी।

इसी कारण आएदिन घर में विवाद होता, क्योंकि अशोक अपने दोस्तों को घर बुलाकर शराब पिलाता था। विवाद के बाद वह बहन को प्रताड़ित करता। 10 जुलाई 2020 की देर रात अशोक ने प्रियंका की लोहे की रॉड से पीटकर हत्या की थी। पता चलने पर राहुल ने किदवईनगर थाने में बहनोई के खिलाफ दहेज उत्पीड़न समेत हत्या की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अपर सत्र न्यायाधीश स्पेशल जज भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की कोर्ट में मामला विचाराधीन था। एडीजीसी शिव भगवान गोस्वामी के अनुसार महिला के शरीर पर 16 चोटों के निशान पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मिले थे।

अभियोजन की ओर से 10 गवाह पेश हुए। जिसमें चश्मदीद गवाह मकान मालिक कमल कुमार का बयान, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से दोषी साबित में अहम रहे। उन्होंने बताया कि कोर्ट ने दहेज उत्पीड़न में दोष मुक्त करार दिया। हत्या में दोषी को आजीवन कैद व अर्थदंड लगाया।

चूक

पायलट रनवे पर निर्धारित स्थान पर नहीं करा पाते हैं लैंडिंग

जीपीएस एप्रोच बिना रनवे खतरनाक

जमीर सिद्दीकी, कानपुर

अमृत विचार। महाराष्ट्र के बारामती में डिप्टी सीएम अजित पवार जिस प्लेन में थे, उनके पायलट ने भी दो बार रनवे पर प्लेन को टच डाउन (लैंडिंग) कराने की कोशिश की लेकिन दोनों बार विफल रहा और आखिरकार लैंडिंग में चूक हो गयी और विमान हादसे का शिकार हो गया। जहां इस प्लेन को उतारा जा रहा था ये एयरस्टिक रनवे है, जहां कोई जीपीएस एप्रोच सिस्टम नहीं लगा है। स्पीड तेज होने के कारण विमान को पायलट कंट्रोल नहीं कर सका और रनवे के आगे खाई थी जिसमें प्लेन चला गया।

देश में बड़ी संख्या में ऐसे रनवे हैं जिनपर जीपीएस एप्रोच सिस्टम नहीं है, ऐसे एयरस्टिक पर कभी कभी पायलट ये नहीं समझ पाते कि उन्हें (टच डाउन) लैंडिंग कहां कराना है, क्योंकि लैंडिंग के समय प्लेन की स्पीड काफी अधिक होती है ऐसे में कहीं का कहीं लैंडिंग हो जाती है और फिर पायलट के लिए गलत लैडिंग के बाद प्लेन को कंट्रोल करना आसान नहीं होता है और रनवे के आगे चाहे खाई हो, तालाब हो, दीवार हो, प्लेन सीधे टकरा जाते हैं।

कानपुर एयरपोर्ट समेत बड़े बड़े इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भी आईएलएस (इंट्रूमेंस्ट लैंडिंग सिस्टम) लगा हुआ है जो पायलट को लैंडिंग और टेकआफ में मदद करता है लेकिन एयरस्टिक रनवे पर ऐसा नहीं है। वहां सुविधा के नाम पर कुछ नहीं होता जबकि सरकारें प्लेन के उतरने पर अपना किराया ले लेती हैं। उत्तर प्रदेश में पहले इस प्रकार के 16 एयरस्टिक रनवे थे लेकिन अब उनकी संख्या बढ़कर लगभग 20 हो गयी है। यहां प्लेन उतरने पर सरकार यूपी में छोटे विमान का 2500 रुपये, बड़ा विमान 5000 रुपये चार्ज लेती है लेकिन अन्य प्रदेशों में यही किराया 25000 से 500000 रुपये तक है। इस संबंध में कानपुर के फ्लाइंग क्लब के मुख्य प्रशिक्षक विजय गर्ग का कहना है कि डिप्टी सीएम जिस प्लेन में थे, वह 10 सीटर वाला विमान है, जो सुरक्षा के लिहाज से काफी उपयुक्त माना जाता है लेकिन कई स्थानों पर एयर स्टिक तो बने हैं लेकिन वहां जीपीएस एप्रोच नहीं है, ऐसे में जरा सी चूक हादसे का कारण बन जाता है।

बेटे-बहू पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नवाबगंज के ख्योरा निवासी रामविलास ने बेटे-बहू के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया कि 16 जनवरी को उनकी पत्नी रमाकांती बड़े बेटे चंद्रप्रकाश से पेनकार्ड मांग रही थीं। तभी बेटा व उसकी पत्नी बिटान ने उनसे गाली-गलौज की और पीटने लगे। इस दौरान छोटी बहू विनीता पत्नी को बचाने पहुंची तो उसे भी पीटा। मारपीट में उनकी पत्नी और छोटी बहू घायल हो गईं। आरोप है कि घटना के तुरंत बाद थाने पहुंचकर प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। अब बेटा व बहू उन लोगों को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। नवाबगंज थाना प्रभारी केशव तिवारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर चंद्रप्रकाश व उसकी पत्नी पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

दूसरी ओर हरबंश मोहाल के मथुरी मोहाल निवासी महिला ने इलाके के युवक रोहित पर छेड़छाड़ और मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोप लगाया कि 26 जनवरी को वह अपनी पान-मसाला की गुमटी में बैठी थीं, तभी नशे में धुत इलाके का रोहित आया और उन्हें धकेलकर दुकान में रुपये तलाशने लगा। विरोध करने पर आरोपी उन्हें बदनियती से छूते हुए गाली-गलौज की। इसके बाद मारापीटा। मामला बढ़ता देखकर व लोगों के आने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग निकला। पीड़िता की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच और इलाकाई लोगों से पूछताछ की। हरबंश मोहाल थाना प्रभारी ने बताया कि रोहित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर तलाश की जा रही है।

सिटी ब्रीफ

वायरल वीडियो की जांच

कानपुर। जिला महिला अस्पताल डफरिन का एक वीडियो बुधवार को वायरल हुआ। वायरल वीडियो में अस्पताल का नर्सिंग स्टाफ, वाइ आया और कर्मचारी डांस करते हुए दिखाई पड़ रहे हैं। वीडियो जारी होने के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने भी इसे संज्ञान में लिया है। माना जा रहा है कि मरीज और तीमारदार के बीच इस तरह का कृत्य नियम के विरुद्ध है। वीडियो के वायरल होने के बाद आला अधिकारी वीडियो की जांच करने की बात कह रहे हैं। यह वीडियो गणतंत्र दिवस के पहले का बताया जा रहा है। अमृत विचार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

मकानों को खाली कराने का नोटिस

कानपुर। ईदगाह चैराहा से ब्रहमनगर चैराहा जाने वाली सड़क पर दो स्थानों पर धंसे डॉट नाले का निरीक्षण बुधवार को नगर आयुक्त की ओर से किया गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियन्ता द्वारा बताया गया कि ईदगाह से ब्रहम नगर जाने वाली रोड के नीचे लगभग 100 वर्ष पुराना डॉट नाला बना हुआ है। जिसके निकट से केस्को विभाग द्वारा एचडीडी विधि से भूमिगत लाइन डाली गयी है। भूमिगत लाइन डालने के कारण नाला क्षतिग्रस्त हुआ है। निरीक्षण के दौरान मौके पर पाया गया कि सम्पूर्ण क्षतिग्रस्त भाग में बैरीकेडिंग एवं व्यू कटर लगा दिया गया है। क्षतिग्रस्त डॉट नाले के आसपास के 7 मकानों के अध्यासियों को जान-माल के नुकसान से बचाव के लिए भवन खाली करने के लिए नोटिस जारी की गयी है और उन्हे आसपास के छह रैन बसेरों में ठहराने के लिए कहा गया है।

आईजीआरएस पर विभाग गंभीर नहीं

कानपुर। आईजीआरएस में यूपी के 75 जिलों में अपने शहर की 73 वीं रैंक आई है, ऐसे में कई विभाग के अधिकारियों को इस लापरवाही के लिए कारण बताओ नोटिस भेजा गया लेकिन कई दिन बीत जाने के बाद भी किसी अधिकारी ने जवाब नहीं दिया है।

फर्जी फर्म खोलने व धोखाधड़ी की रिपोर्ट

कानपुर। स्वरूपनगर में फर्जी फर्म खोलने व धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। जिसमें पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है। स्वरूपनगर निवासी अर्जुन गौतम प्राइवेट बैंक में लोन रिकवरी का काम करते है। अधिवक्ता बृजेश सेठ ने बताया कि बीती 2023 में आरोपियों ने अर्जुन का आधार व पैन कार्ड का दुरुपयोग कर मुंबई में एक फर्जी फर्म का पंजीकरण कराया। फर्म के माध्यम से स्क्रैप का माल खरीदा व बेचा गया। फिर केवल तीन माह से फर्म के माध्यम से 35 करोड़ रुपये का व्यापार किया। जीएसटी पंजीकरण विभाग ने फर्म का निरीक्षण किया तो लेनदेन संदिग्ध पाया। इस पर फर्म को निरस्त कर दिया। इसके बाद जनवरी 2026 में अर्जुन को आयकर का नोटिस मिला और उनसे खरीद-फरोख्त की डिटेल मांगी गई तो उन्हें अपने साथ धोखाधड़ी का पता चला। इस पर उन्होंने मामले की शिकायत डीसीपी सेंट्रल अतुल श्रीवास्तव से की। स्वरूप नगर थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्जकर जांच की जा रही है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

उठापटक वाली 'ऑप्शन स्ट्रेटजी' पर लगेगा दांव

बजट वाले दिन ओटीएम काल और पुट दोनों पर दांव लगाएंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। केंद्रीय बजट का दिन शेयर बाजार के लिए हमेशा से खास रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में इस दिन की ट्रेडिंग रणनीतियों में एक बड़ा बदलाव दिख रहा है। खासतौर पर जेन-जी ट्रेडर्स बजट डे पर 'आउट ऑफ द मनी' (ओटीएम) कॉल और पुट दोनों पर एक साथ दांव लगाने की रणनीति तेजी से अपना रहे हैं। इसे ऑप्शन मार्केट की भाषा में लॉन्ग स्ट्रैंगल और लॉन्ग स्ट्रैडल स्ट्रैटेजी कहा जाता है।

लॉन्ग स्ट्रैंगल एक नॉन-डायरेक्शनल ऑप्शन स्ट्रैटेजी होती है, जिसका इस्तेमाल तब किया जाता है जब बाजार में बड़ी उठापटक (तेज बढ़ोतरी या तेज गिरावट) की उम्मीद हो, लेकिन दिशा स्पष्ट न हो।

इसमें एक ही एक्सपायरी के आउट-ऑफ-द-मनी कॉल और पुट ऑप्शन खरीदे जाते हैं। यह एक सीमित जोखिम, असीमित लाभ वाली रणनीति होती है। आउट-ऑफ-द-मनी कॉल-पुट दोनों खरीदने का मतलब होता है कि अगर बाजार तेजी से ऊपर या नीचे किसी भी दिशा में भागता है, तो एक ऑप्शन बेकार होगा लेकिन दूसरा मल्टी-बैगर बन सकता है। साथ ही ओटीएम कॉल-पुट ऑप्शन का प्रीमियम सस्ता होता है, इसलिए ट्रेडर्स ज्यादा आकर्षित होते हैं।

सेबी के अनुसार,10 में 9 फ्यूचर एंड ऑप्शन के ट्रेडर्स को होता है नुकसान

- यह सही है कि लॉन्ग स्ट्रैडल ऑप्शन खरीदने की रणनीति का उपयोग तब किया जाता है, जब बाजार बहुत अस्थिर होने वाला हो, लेकिन दिशा का पता न हो। वित्तीय सलाहकार राजीव सिंह के अनुसार यह रणनीति बजट, इलेक्शन या रिजल्ट जैसे इवेंट्स के लिए अच्छी मानी जाती है। लेकिन सेबी के अनुसार, 10 में से 9 फ्यूचर एंड ऑप्शन के ट्रेडर्स को नुकसान होता है, फिर भी ट्रेडर्स खासकर युवा इसकी तरफ सोशल मीडिया पर बंपर फायदे वाली रील्स देखकर इसलिए आकर्षित होते हैं, क्योंकि कम समय और कम लागत में ज्यादा कमाई की चाहत रहती है। ऑप्शन खरीदने पर सीमित नुकसान और असीमित फायदे की संभावना होती है।

निर्यात सुविधाएं बढ़ाएं, कच्चा माल मशीन पर आए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर के उद्यमियों ने उद्योग को बढ़ाने के लिए निर्यात के रूप में नए बाजार के साथ ही घरेलू बाजार के विस्तार के उपाय की उम्मीद जताई है। उनका कहना है कि शहर के छोटे बड़े उद्योग घरेलू बाजार के साथ ही बड़े पैमाने पर निर्यात कारोबार से भी अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हैं। ऐसे में निर्यात पर असर पड़ने से औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित कच्चा माल सप्लाई करने वाली इकाइयां भी प्रभावित होती हैं। इसलिए बजट में सरकार को इस तरह के प्रावधान भी करने की जरूरत है।

उद्यमियों ने कहा कि इस समय उद्यमियों के सामने बाजार में मांग बरकरार रखने की बहुत जरूरत है। जब मांग ही कम होगी तो उत्पादन पर भी असर पड़ेगा। इस स्थिति में ऐसे उपाय करने की जरूरत है जिससे घरेलू और वैश्विक स्तर पर उत्पाद का फ्लो लगाजार चलता रहे। प्रदेश में कानपुर एक ऐसा औद्योगिक क्षेत्र हैं जहां पर ज्यादातर उद्योग निर्यात से भी जुड़ा हैं। इसलिए जब तक दोनो बाजार को सहूलियत नहीं दी जाएगी तबतक कारोबार का बेहतर होना मुश्किल है। जब कारोबार बेहतर होगा तभी राजस्व भी बेहतर होगा। जा सकती।

● उद्यमियों ने आने वाले बजट में घरेलू के साथ निर्यात बाजार बढ़ाने पर दिया जोर

बजट में इस बार ऐसे प्रावधान की जरूरत है जिससे वैश्विक और घरेलू बाजार में उत्पादों की मांग बढ़ सके। इससे उद्योग का पहिया लगातार चलता रहेगा। छोटे,मझोले और बड़े उद्योग सबको इसका लाभ मिलेगा। सरकार को इस ओर बजट में विचार करने की बेहद जरूरत है।

-अब्दुल अली, उद्यमी

अमेरिका की ओर से टैरिफ लागू होने का असर शहर की कई युनिट्स पर पड़ा। सभी सेक्टर के बेहतर प्रदर्शन के लिए वैश्विक व घरेलू दोनों ही बाजार में सुधार की जरूरत है। जब ऑर्डर होंगे तभी युनिट्स में भी काम होगा। इसलिए ऐसी व्यवस्था हो जिससे ऑर्डर बरकरार रहें।

-सौम्या टकरू जैन, निर्यातक

● बोले-शहर का बड़ा उद्योग निर्यात कारोबार से भी जुड़ा इसलिए पड़ता है असर

शहर के औद्योगिक रूवरूप को समझने की जरूरत है। यहां पर घरेलू और निर्यात बाजार से जुड़े उत्पादों का सबसे अधिक काम होता है। ऐसे में दोनो में से एक को भी बजट में सहूलियत देने से छोड़ना शहर के लिए अन्याय होगा। इसलिए बजट में ऐसे प्रावधान होने की जरूरत है जिससे शहर की सभी युनिट्स को लाभ हो सके।

-उमंग अग्रवाल, महासचिव, फीटा

बजट में उद्यमियों को ऐसी सहूलियत दी जानी चाहिए जिससे नए उद्यमी भी बगैर किसी बाधा के अपना काम शुरू कर सके। नए उद्योग का पनपना बेहद जरूरी है। बजट में उद्यमियों को सहूलियत दिए जाने के साथ ही बाजार विस्तार पर भी कदम उठाया जाना जरूरी है।

-रेनू पाण्डेय, उद्यमी

चकेरी थाने से दो सौ मीटर दूर मंदिर में चोरी

कानपुर। चकेरी थाने से 200 मीटर दूरी पर राधा कृष्ण मंदिर में दीवार फांदकर घुसे चोरों ने चोरी की और फरार हो गए। बुधवार सुबह पुजारी मंदिर पहुंचे तो ताले टूटे देखकर सन्न रह गए। पुलिस ने पुजारी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की है।

सनिगवां के भाभानगर निवासी पुजारी महेश शास्त्री ने बताया कि रोजाना की तरह वह बुधवार सुबह साढ़े छह बजे मंदिर पूजा करने पहुंचे। इस दौरान उन्हें दो दानपात्र और गर्भग्रह का ताला टूटा मिला। चोर लेबर रूम में रखे सात हजार रुपये, दानपात्र में की रकम लेकर फरार थे।

चोर मंदिर के अंदर रखे पीतल के भगोने बाहर फेंककर भागे हैं। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपियों की तलाश की जा रही है। वहीं क्षेत्रीय लोगों में मंदिर में चोरी क बाद काफी नाराजगी है। चोरों ने

● चोर दो दानपात्र, लेबर रूम से सात हजार नकद ले गए गर्भगृह का ताला तोड़ा

टूटा दानपात्र का ताला।

मंदिर की देखरेख करने वाले महेश कुशवाहा के कमरे के बाहर से कुंडी लगा दी थी। इसके बाद घटना को अंजाम दिया है। वहीं इलाके के अर्पित यादव, अभिषेक, हिमांशु कुमार आदि लोगों का कहना है कि पुलिस गश्त न होने के कारण चोरों के हौसले बढ़े हैं।

पंजाब केसरी के नाम से जाने जाते थे लाला जी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पंजाब केसरी के नाम से प्रसिद्ध लाला लाजपत राय एकता, देशभक्ति और त्याग के प्रतीक के रूप में याद किए जाएंगे।

बुधवार को कानपुर महानगर कांग्रेस द्वारा यूको बैंक चौराहा लाजपत नगर में लाला लाजपत राय की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित किए गए। इस दौरान कांग्रेसियों ने लाला लाजपत राय अमर रहे आदि नारे लगाये। संचालन दीपक धवन ने किया। अध्यक्षता कर रहे कानपुर महानगर कांग्रेस के अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि लाला लाजपत राय को पंजाब केसरी कहा जाता है। 17 नवंबर 1928 को साइमन कमीशन के विरुद्ध शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान पुलिस लाठीचार्ज में घायल होने के बाद उनका निधन हो गया था। वे आजादी के लिए लाल–बाल–पाल तिकड़ी (लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, बिपिन पाल) के प्रमुख नेता थे। पूर्व अध्यक्ष हरप्रकाश अग्निहोत्री, सैमुअल लकी सिंह, अमनदीप गंभीर लवी, प्रतिभा अटल पाल, अनिल यादव, श्याम देव सिंह, राकेश साहू, राम शंकर राय, राजेश सविता, जमील अख्तर, विजय शाह, मानेश दीक्षित, बृजेश गुप्ता, ए के शुक्ला, ए के द्विवेदी, अम्बरीष सक्सेना, लोकेश शुक्ला आदि थे।

लाजपत नगर में जुटे कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता। अमृत विचार

● लाला लाजपत राय की जयंती पर किया माल्यार्पण

पत्रकारिता को अंग्रेजों के विरुद्ध प्रतिरोध का माध्यम बनाया था लाला जी ने

- **कानपुर।** आज के दौर में पत्रकारिता पर व्यावसायिक और राजनीतिक दबाव बढ़ा है, लाला लाजपत राय की निर्भीक पत्रकारिता लोकतांत्रिक मूल्यों की याद दिलाती है। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी ताकत है। बुधवार को लोक सेवक मंडल के तत्वावधान में शास्त्री भवन में लाला लाजपत राय की जयंती मनायी गयी। इस मौके पर आयोजित संगोष्ठी में उनके धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण और पत्रकारिता के योगदान पर विचार विमर्श किया गया। लाला लाजपत राय के लिए लेखन सत्ता के निकट जाने का साधन नहीं, बल्कि प्रतिरोध का माध्यम था।

कोर्ट ने 95 मामलों में 31 लाख जुर्माना लगाया

कानपुर। कानपुर में खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के खिलाफ अपर जिलाधिकारी नगर की न्यायालय में बड़ी कार्रवाई की है। दिसंबर माह में कुल 95 मामले मिलावट खोरी के सामने आए थे जिनपर 31 लाख 20 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया है।

बुधवार को अपर जिलाधिकारी नगर कोर्ट ने आरजे फ्लेवर, अर्सिया फूड वर्क्स, गगन ब्रांड पान मसाला, नितिश टी कंपनी, राजधानी ब्रांड पान मसाला और बर्गर किंग जैसे प्रतिष्ठानों पर भी भारी जुर्माने लगाए गए हैं, जो खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन को दर्शाता है। एडीएम सिटी राजेश कुमार ने बताया कि दिसंबर माह में 95 मामलो की सुनवाई गई। जिनमें 31 लाख 20 हजार रूपयों का जुर्माना किया गया। खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। जनता की सेहत से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा।

आयुष्मान कार्ड बनाने में लापरवाही, तीन को नोटिस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आयुष्मान कार्ड बनाने में लापरवाही के चलते जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने तीन चिकित्साधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

बुधवार को सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में शिवराजपुर, बिल्हौर और भीतरगांव के चिकित्साधिकारियों की कार्यप्रणाली पर असंतोष जताते हुए उनके खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। समीक्षा में सामने आया कि जनवरी माह में अब तक केवल 7,258 नए आयुष्मान कार्ड ही बनाए जा सके हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि 3 फरवरी को पुनः समीक्षा की जाएगी। यदि प्रगति संतोषजनक नहीं मिली तो सख्त कार्रवाई होगी। बैठक में बताया गया कि जनपद कानपुर नगर में अब तक कुल 8 लाख 64 हजार 21 आयुष्मान कार्ड निर्गत किए जा चुके हैं। वय वंदना योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 79,533 वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं, जिसके आधार पर इस श्रेणी में कानपुर नगर प्रदेश में प्रथम स्थान पर है।

नवीन नगर सभागार में बैठक करते जिलाधिकारी। अमृत विचार

स्वास्थ्य केंद्रों की घोर लापरवाही सामने आई

- जन आरोग्य समिति के अंतर्गत नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में बजट व्यय की स्थिति भी जिलाधिकारी के समक्ष रखी गई, ग्वालटोली, जूही, जागेश्वर, बेनाझाबर, सर्वोदय नगर और अनवरगंज यूपीएचसी में आवंटित धनराशि का उपयोग अत्यंत सीमित पाया गया, जबकि रामबाग यूपीएचसी द्वारा प्राप्त धनराशि का समुचित उपयोग न किए जाने को गंभीर लापरवाही माना गया। बैठक में सीएमओ डॉ हरिदत्त नेमी, डिप्टी सीएमओ डॉ आरपी यादव मौजूद रहे।

विवि में विजेताओं को पुरस्कार दिए और एसएन सेन पीजी कालेज एससीसी कैडेट्स ने जागरुकता अभियान चलाया। अमृत विचार

यातायात नियमों को कॉलेजों के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● युवा सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें तो दुर्घटनाओं में कमी होगी

● एसएन सेन पीजी कॉलेज में छात्रों को सड़क सुरक्षा के नियम समझाए

अमृत विचार। युवा सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें तो दुर्घटनाओं में भारी कमी आ सकती है। उच्च शिक्षण संस्थानों में यातायात नियमों को पाठ्यक्रम में शामिल करें। उच्च शिक्षण संस्थानों में सड़क सुरक्षा के प्रति युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से सड़क जागरुकता अभियान के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक/लघु नाटिका एवं रील निर्माण की जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

बुधवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, एवं एसएन सेन पीजी कॉलेज में सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत यातायात जागरुकता के लिए कार्यक्रम आयोजित किये गये। विवि में मुख्य अतिथि प्रोफेसर राजेश प्रकाश, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी एवं सहायक संभागीय अधिकारी डीके सिंह, डॉ. आलोक कुमार पाण्डेय आदि मौजूद रहे। संचालन डॉ. सुमन शुक्ला, रामसहाय राजकीय महाविद्यालय, शिवराजपुर, कानपुर नगर द्वारा किया गया।

नोडल अधिकारी प्रोफेसर अपर्णा सिंह ने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में विद्यार्थियों को सामाजिक विषयों से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। सड़क सुरक्षा जैसे विषयों पर छात्रों की रचनात्मक भागीदारी समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक सिद्ध होगी। सहायक संभागीय अधिकारी श्री डीके सिंह ने संबोधन में कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह नागरिकों के व्यवहार और जिम्मेदारी से जुड़ा हुआ विषय है। उन्होंने युवाओं से यातायात नियमों का पालन करने के साथ-साथ समाज में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरुकता फैलाने का आह्वान किया। इसी प्रकार एसएन सेन पीजी कॉलेज में स्काउट एण्ड गाइड तथा एनसीसी के छात्र-छात्राओं के साथ सड़क सुरक्षा पर गोष्ठी हुई। सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने के लिए शपथ दिलायी गयी। संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन राहुल श्रीवास्वतल आरटीओ प्रशासन राकेंद्र सिंह आदि ने विचार रखे।

प्रतियोगिताओं के विजेता

- प्रथम स्थान – रश्मि शुक्ला, ए.एन.डी. कॉलेज
- द्वितीय स्थान – नितिन सिंह, रामसहाय राजकीय महाविद्यालय, शिवराजपुर
- तृतीय स्थान – अंशिका दीप, एस.एन. बालिका कॉलेज

नुक्कड़ नाटक/लघु नाटिका प्रतियोगिता

- प्रथम स्थान – नितिन सिंह एवं टीम, रामसहाय राजकीय महाविद्यालय, शिवराजपुर
- द्वितीय स्थान – अंशिका द्विवेदी एवं टीम, ए.एन.डी. कॉलेज, कानपुर
- तृतीय स्थान – श्याम सिंह एवं टीम, डी.ए.वी. कॉलेज, कानपुर

रील निर्माण प्रतियोगिता

- प्रथम स्थान – संस्कृति जायसवाल, पी.पी.एन. कॉलेज, कानपुर
- द्वितीय स्थान – अरीशा, रामसहाय राजकीय महाविद्यालय, शिवराजपुर
- तृतीय स्थान – आस्था, ब्रह्मवर्त कॉलेज, कानपुर

कारोबार | यूरोपियन यूनियन के साथ एफटीए से मिली जरूरी संजीवनी

छोटे निर्यातकों के लिए उम्मीद की किरण

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

129 नए निर्यातक शहर में निर्यात कारोबार से जुड़े

45 सौ करोड़ का निर्यात कारोबार यूरोप से जुड़ा

20 फीसदी नए निर्यातकों को ग्रोथ की उम्मीद

22 सौ शहर से कुल निर्यातक कारोबार से जुड़े

27 देश में छोटे निर्यातकों के लिए उत्पादों के ऑर्डर बढ़ सकेंगे

ये नए निर्यातक उभरेंगे

- इस समझौते के होने के बाद अब माना जा रहा है कि शहर के निर्यात कारोबार में नए उद्यमी लंबे समय तक आने में विचार करेंगे। अब स्थिति उलट गई है। नई बेहतर और बड़ी मार्केट मिलने के बाद अमेरिका की ओर अपने उत्पादों को भेजने की योजना बना रहे निर्यातक टैरिफ लगने के बाद रुक गए थे। इस समझौते के बाद वे दोबारा निर्यात बाजार में कदम रखने का मन बना रहे हैं। उम्मींद है कि नए वित्तीय वर्ष में कई नए निर्यातक शहर से उभर सकते हैं।

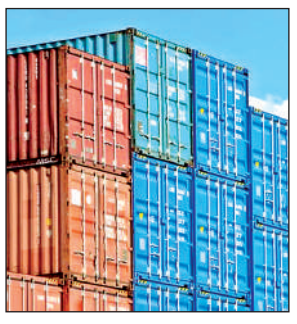

अमृत विचार। यूरोपीय संघ के साथ एफटीए के बाद छोटे निर्यातकों को बड़ी सहूलियत मानी जा रही है। निर्यात विशेषज्ञ इस एफटीए को अमेरिका टैरिफ के बाद छोटे निर्यातकों के लिए संजीवनी मान रहे हैं। उनका कहना है कि यूरोपीय संघ में 27 देश शामिल हैं। ऐसे में वहां के खरीदार अधिक संख्या में उत्पादों का ऑर्डर देने में सक्षम है।

अमेरका की ओर से हाल ही में टैरिफ लागू होने के बाद सबसे अधिक मार छोटे निर्यातकों को पड़ी है। ऐसे में यह निर्यातक अपने कारोबार को बनाए रखने के लिए नए बाजार की ओर रुख कर रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि नए निर्यातकों को बाजार तलाशना आसान नहीं होता। इसकी वजह इनकी कम पूंजी और खरीदारों का कम भरोसा सहित अन्य वजह शामिल हैं। उधर हर नए देश के नए नियम और वहां की मांग और पसंद को जानने के लिए भी नए निर्यातकों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। इस तरह से नए निर्यातकों के लिए यह एफटीए काफी मुफीद माना जा रहा है। इसकी वजह इस संघ में 27 देशों का एक साथ होना है। ऐसे में इन देशों में उत्पादों का एक ऑर्डर लंबे समय तक बना रह सकता है। इसक अलावा इन देशों में मांग के सापेक्ष ऑर्डर की प्रति उत्पाद की संख्या भी अधिक मांग की जाती है। पूरे मामले पर फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाईजेशन के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि इस समझौते को 'मदर ऑफ ऑल एफटीए' माना जा रहा है। इसकी वजह ही है कि सभी देशों के साथ हुए अब तक के एफटीए से अलग इस एफटीए से सबसे अधिक लाभ निर्यातकों को मिल सकता है। जहां तक नए निर्यातकों की बात है तो इस समझौते के बाद से उनमें काफी उत्साह देखा जा रहा है। इसकी वजह यूरोपीय यूनियन में बेहतर मार्केट, एक जैसे नियम और उत्पादों की अधिक खपत है। जिससे उन्हें बेहतर ऑर्डर भविष्य में मिलने की उम्मींद जग गई है।

'मन की बात' सुनने में उत्तर जिला सेकेंड

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 130वें संस्करण में कानपुर उत्तर जिला को प्रदेश में द्वितीय स्थान मिला है। इस उपलब्धि के लिए जिलाध्यक्ष अनिल दीक्षित ने मन की बात के संयोजक रोहित साहू व सह संयोजक सुनीता गौड़ को सम्मानित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात सभी कार्यकर्ताओं को सामाजिक जीवन में सेवा करने की ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करती है। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम में सीधे संवाद करके राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देते हैं। इसलिए सभी कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा ने बताया कि उत्तर जिले के 1258 बूथों में 1249 बूथों पर 1,28,320 लोगों ने प्रधानमंत्री के मन की बात सुनी और कानपुर उत्तर जिले में सिविल लाइन मंडल प्रथम स्थान पर रहा।

सिटी ब्रीफ

सीएसजेएमयू में 'हैकशोध' होगा

कानपुर। सीएसजेएमयू में 30 और 31 जनवरी को 24 घंटे का इनोवेशन हैकाथॉन 'हैकशोध' आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम इनोवेशन फाउंडेशन, इंटरनेशनल सेल स्टूडेंट्स काउंसिल एवं आत्मोदय हॉबी क्लब के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। यह हैकाथॉन छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े समस्या कथनों पर नवोन्मेषी समाधान विकसित करने का मंच प्रदान करेगा। प्रतिभागी 24 घंटे तक लगातार कोडिंग, आइडिया डेवलपमेंट और टीमवर्क के माध्यम से व्यावहारिक एवं तकनीक आधारित समाधान तैयार करेंगे।

मिस्टिका के पोस्टर का विमोचन

कानपुर। सीएसजेएमयू में स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट द्वारा आयोजित होने वाले वार्षिक महोत्सव 'मिस्टिका' का आयोजन 17 एवं 18 फरवरी को किया जाएगा। महोत्सव के आधिकारिक पोस्टर का विमोचन बुधवार को किया गया। कार्यक्रम में वक्ता एवं कलाकार यश तिवारी विशिष्ट अतिथि के रूप में होंगे।

मूर्तिकला प्रदर्शनी का आयोजन

कानपुर। सीएसजेएमयू के इंस्टिट्यूट ऑफ़ फाइन आर्ट्स ने एक दिवसीय 'शिल्पान्तर' मूर्तिकला प्रदर्शनी का आयोजन नटराज चौराहा पर किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रतिकुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी रहे। कार्यक्रम में बीएफए चतुर्थ वर्ष मूर्तिकला के विद्यार्थियों के लगभग 20 मूर्तियां प्रदर्शित की गई, इस मौके पर डॉ राजकुमार सिंह जेबी यादव, विनय सिंह, तनीषा बधावन, डॉ. रणधीर सिंह,डॉ. मंतोष, प्रिया मिश्रा, प्रियांशी आदि लोग उपस्थित रहे ।

युवा संसद लगी

कानपुर। रक्षा एवं स्त्रातेजिक अध्ययन विभाग वीएसएसडी कालेज की ओर से बुधवार को युवा संसद का आयोजन हुआ। दो दिन चलने वाले इस आयोजन में प्रतिभागी राष्ट्र के प्रमुख ज्वलंत विषय पर चर्चा कर रहे हैं। प्रतियोगिता में प्रदेश के 20 से अधिक विद्यालय एवं महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के 116 छात्र-छात्राएँ शामिल हुए। कार्यक्रम के पहले दिन मुख्य अतिथि मेजर जनरल अशोक कुमार ने युवाओं को देश का भविष्य बताया।

छात्रों को न बांटो, कैंपस को न काटो

यूजीसी के नए नियम के विरोध में विवि से छात्रों ने निकाला मार्च, फूंका पुतला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

पैदल मार्च निकालते छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

- सीएसए विवि में विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने लगाए जोरदार नारे

अमृत विचार। सीएसए विवि से मार्च निकालकर बुधवार को यूजीसी के नए नियमों का छात्रों ने खुलकर विरोध किया। इस दौरान 'छात्रों को मत बांटो, कैंपस को मत काटो' जैसे नारे भी लगाए। मार्च निकाल रहे छात्रों ने यूजीसी का पुतला भी फूंका, इस दौरान छात्रों ने यूजीसी के नए नियमों को जल्द वापस करने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान सीएसए विवि के छात्रों ने यूजीसी के विरोध में हाथों में काली पट्टी बांधा, काला झण्डा लेकर और यूजीसी का पुतला लेकर परिसर से निकले। कर्पूरी छात्रावास से निकले छात्रों के मार्च में वे उत्साहपूर्वक नारे लगा रहे थे। कार्यक्रम संयोजक आर्यन ठाकुर ने कहा कि यूजीसी जातिगत भेदभाव खत्म करने के लिए आया लेकिन अब यही यूजीसी छात्रों को जाति में बांटने का कार्य कर रहा है। छात्रनेता अभिजीत राय ने कहा कि अगर किसी के ऊपर झूठा आरोप लगाया गया और साबित होने में समय लगा या इस बीच कोई छात्र छात्रा डिप्रेशन में चला जाए कोई गलत कदम उठा ले तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा। छात्र नेता अनस साहू ने कहा कि वे ओबीसी समाज से आते हैं, लेकिन इस काले कानून का विरोध करता हूं। ये यूजीसी छात्रों को बांट नहीं सकती। छात्रनेता अंशुमान ने कहा कि अब लगता है कि हमारा सवर्ण होना ही गुनाह हो गया है। पूरा सीएसए यूजीसी मुर्दाबाद यूजीसी रिलबैक के नारों से गूंज उठा छात्राएं भी इसका पुरजोर विरोध करेंगी। प्रदर्शन कर रहे छात्रोंने यह भी चेतावनी दी कि यदि जल्द ही यूजीसी के नियमों में बदलाव न किया गया तो वे लोग विधानसभा व लोकसभा का घेराव करने को बाध्य होंगे। प्रदर्शन कर रहे छात्रों में कुशाग्र मिश्रा, विपुल द्विवेदी, अमितेश, जतिन कुमार, शुभम, प्रखर पाल, शिवम तिवारी, पीएचडी रुद्राक्ष, ट्विंकल कुमारी , प्रियम तिवारी, स्वर्णिम त्रिपाठी, रिद्धि शर्मा, वर्षा यादव, निधि शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण

कानपुर। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन व यूपी बिस्कुट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन की ओर से खाद्य सुरक्षा विभाग के सहयोग से प्रशिक्षण आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में कर्मचारियों को खाद्य सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य खाद्य उद्योगों में कार्यरत कर्मियों को खाद्य सुरक्षा मानकों, स्वच्छता, स्वस्थ खाद्य निर्माण प्रक्रिया तथा प्रयुक्त खाद्य तेल के सुरक्षित प्रबंधन के प्रति जागरूक करना था। प्रशिक्षण सत्र के दौरान होटल, रेस्टोरेंट, बेकरी, मिठाई एवं नमकीन निर्माण से जुड़े उद्यमियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। बताया गया कि जला हुआ अथवा बार-बार उपयोग किया गया तेल खाद्य पदार्थों में प्रयोग करना स्वास्थ्य के लिए घातक है। उन्हें तेल के संग्रहण, निस्तारण एवं वैकल्पिक उपयोग की जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि प्रयुक्त तेल को बायोडीजल एवं अन्य औद्योगिक उपयोगों में परिवर्तित कर पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छ भारत अभियान को सशक्त किया जा सकता है।

साइंस बस प्रदेश के स्कूलों में पहुंचा रही स्टेम शिक्षा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर की साइंस बस स्कूली बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रही है। आईआईटी कानपुर द्वारा डिजाइन और विकसित यह पहल उत्तर प्रदेश के दूरदराज और वंचित क्षेत्रों के विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और अनुभवात्मक (हैंड्स-ऑन) सीख को लोकप्रिय बनाने का लक्ष्य रखती है। यह बस विज्ञान की रोचकता बच्चों को बता रही है।

साइंस बस परियोजना की शुरुआत आईआईटी कानपुर के प्रो. दीपू फिलिप और प्रो. सत्यकी रॉय ने काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, उत्तर प्रदेश के सहयोग से की। भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान, मटेरियल साइंस और डिजाइन जैसे विषयों में इंटरैक्टिव सीख के अनुभव प्रदान करने वाली यह मोबाइल प्रयोगशाला बच्चों को रोचकता प्रदान कर रही है। यह बस विविध प्रयोगशाला उपकरणों, वैज्ञानिक यंत्रों और शिक्षण सामग्री से सुसज्जित है, जो विद्यार्थियों को अनेक विषयों में व्यावहारिक प्रयोग करने में सक्षम बनाती है। यह बस विशेष रूप से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों, वंचित समुदायों और एकल-शिक्षक विद्यालयों के बच्चों तक पहुंच रहीं है।

अंतर-विद्यालय क्विज प्रतियोगिता

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर (आईआईटी कानपुर) के राष्ट्रीय भूकंप अभियंत्रण सूचना केंद्र ने प्रतियोगिता आयोजित की। चार राउंड में हुई प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में ग्वालियर ग्लोरी हाई स्कूल, ग्वालियर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। केडी अंबानी रिलायंस फाउंडेशन स्कूल, जामनगर दूसरे और ब्लू बेल्स मॉडल स्कूल, गुरुग्राम तीसरे स्थान पर रहे।

जामा मस्जिद जरीब चौकी में झंडारोहण

कानपुर। जामा मस्जिद जरीब चौकी की इंतजामिया कमेटी ने गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर झंडारोहण किया। मस्जिद के इमाम मारूफ रज़ा ने झंडा फहराया और बच्चों ने सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा व अन्य देश भक्ति गीत गाए। इस अवसर हाफिज कादिर, अहमद खान, आसिफ रजा, एजाज सिद्दीकी, फिरोज खान, मेराज खान, फहद खान आदि लोग मौजूद रहे।

यूजीसी पर भाजपा नेता ने लिखा पत्र

कानपुर। उच्च शिक्षा संस्थानों में लागू यूजीसी के नवीन एक्ट को लेकर विरोध बढ़ता ही जा रहा है। समाज के विभिन्न वर्गों में उत्पन्न हो रही भ्रांतियों, आशंकाओं एवं असुरक्षा की भावना के समाधान के लिए भाजपा नेता व सामाजिक कार्यकर्ता प्रवीण कुमार शुक्ल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि सरकार द्वारा शिक्षा क्षेत्र में समान अवसर, सामाजिक समरसता एवं योग्यता आधारित व्यवस्था को सुदृढ़ करने का उद्देश्य सर्वविदित है, किंतु यूजीसी द्वारा हाल ही में लागू किए गए जाति-आधारित भेदभाव निरोधक प्रावधानों की भाषा एवं प्रक्रिया को लेकर छात्रों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के बीच भ्रम और असमंजस है।

सिटी डायरी

कार्यक्रम में मौजूद समाचार पत्र वितरक।

तिरंगा फहराया

कानपुर। समाचार पत्र वितरक सुंदर लाल की अध्यक्षता में सर्वोदय नगर सेंटर पर ध्वजारोहण किया गया। मुख्य अतिथि सुरेंद्र यादव, धनंजय द्विवेदी(गुल्लू), बृजेश कुमार, सुरेश कुमार, राजू पाल, सानू पांडे, अनिल यादव, कन्हैया श्रीवास्तव, ऋषि निषाद, पप्पू प्रजापति आदि रहे।

जैपुरिया स्कूल में हुआ कार्यक्रम।

यूपी किराना स्कूल में नृत्य हुआ।

गौरव खन्ना हुए सम्मानित

कानपुर। सेठ आनंदराम जैपुरिया स्कूल में अभिनंदन समारोह आयाजित हुआ। इस दौरान स्कूल के पूर्व छात्र व बिग बॉस के विजेता गौरव खन्ना को सम्मानित किया गया। इस दौरान जयपुरिया शिक्षण समूह के निदेशक निदेशक हरीश संदूजा, प्रधानाचार्य गणेश प्रसाद तिवारी तथा जोसा के अध्यक्ष संदीप महेंद्रा भी मौजूद रहे। समारोह में गौरव खन्ना को स्मृति चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में उप-प्रधानाचार्य एमके मिश्रा, उप-प्रधानाचार्या मधुत्री भौमिक, जीएम शैलेंद्र अग्निहोत्री सहित अन्य मौजूद रहे।

गणतंत्र दिवस मनाया

कानपुर। यूपी किराना सेवा समिति बालिका विद्यालय, तात्या टोपे नगर में गणतन्त्र दिवस समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान प्रधानाचार्या उषा सेंगर व रज्जन लाल मिश्रा मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य अथिति कृष्ण स्वरुप मिश्रा ने भी उपस्थिति दर्ज कराई। मुख्य अथिति को विद्यालय का (संग्रक्षक) निर्मल कुमार अग्रवाल एवं (वरिष्ट उपाध्यक्ष) बद्री प्रसाद गुप्ता ने स्वागत किया। समारोह में विजय अग्रवाल, मदन चन्द्र कपूर, सुरेन्द्र भसीन, राजेंद्र ओमर, आलोक चन्द्र अग्रवाल विचार व्यक्त किए।

एक्सपो में महापौर का स्वागत किया गया।

2 फरवरी तक रहेगी एक्सपो

कानपुर। दस्तकारी हाट शहर में दो फरवरी तक आयोजित की जाएगी। इस एक्सपो में भारत के अलग-अलग ग्रामीण इलाकों के बुनकरों की ओर से उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। बंगाल से तमिलनाडु तक, असम के पहाड़ों और राजस्थान के रेगिस्तानों से वे 20 से ज़्यादा तरह के सिल्क एक ही छत के नीचेलि रहे है। बताया गया कि यह इवेंट लाजपत भवन, मोतीझील एवेन्यू में 2 फरवरी तक सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक हो रहा है।

200 प्राधिकरण कर्मचारियों की निःशुल्क जांच की गई

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

केडीए परिसर में लगा स्वास्थ्य शिविर। अमृत विचार

अमृत विचार। कानपुर विकास प्राधिकरण, कानपुर विकास प्राधिकरण कर्मचारी कल्याण एसोसिएशन एवं एएमएससीएस कानपुर के द्वारा वेदांता हॉस्पिटल कानपुर के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन केडीए परिसर के प्रथम तल पर किया गया। कैम्प में लगभग 200 प्राधिकरण कर्मचारियों की निःशुल्क जांच की गयी। कैंप में निशुल्क वजन, लंबाई ,टैपरेचर, ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, यूरिक एसिड,न्यूरोपैथी, हड्डी के खोखलेपन आदि की जांच की गई।

बुधवार को आयोजित इस स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन कानपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष मदन सिंह (आईएएस) और वेदांता हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ गोविंद त्रिवेदी द्वारा किया गया। चेयरमैन (एएमएससीएस) आशुतोष बाजपेई और कानपुर विकास प्राधिकरण के कर्मचारी कल्याण एसोसिएशन के संरक्षक प्रदीप कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष नीरज दीक्षित, महामंत्री दिनेश बाजपेयी, महिला संयोजक विनीता तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विकास भारतीय, संगठन मंत्री संजय कुमार आदि प्राधिकरण कर्मचारी उपस्थित रहे। इस कैंप में वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर गोविंद त्रिवेदी, हड्डी रोग विशेषज्ञ लिगामेंट आर्थोस्कोपिक सर्जन डॉक्टर शिवांश , स्त्री रोग विशेषज डॉक्टर जया त्रिवेदी, जनरल फिजिशियन रोग डॉक्टर प्रशांत पांडेय, डेंटल सर्जन डॉ श्रुति कक्कड़ अरोड़ा, मूत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर विनीत सिंह फिजियोथेरेपिस्ट, डॉ ए के सिंह फिजियोथेरेपिस्ट डॉ साधना सिंह और वेदांता स्टाफ उपस्थित रहा।

शिविर में रक्तदान करते लोग। अमृत विचार

शिक्षक और शिक्षिकाओं ने कैंप में किया रक्तदान

कानपुर। संकल्प सेवा समिति का 241 वां रक्तदान शिविर मेरी जीसस एजुकेशन सेंटर विद्यालय के सहयोग से बर्रा 8 स्थित विद्यालय परिसर में लगाया गया। आईएमए की ब्लड बैंक टीम ने रक्तदान कराया। शिविर में स्कूल की महिला अध्यापिकाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।,दिया वर्मा, रिंकी श्रीवास्तव, श्रेया साहू, प्रिया सिंह सहित 15 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने रक्तदान किया। संकल्प सेवा समिति के अध्यक्ष संतोष सिंह चौहान ने बताया कि संस्था के द्वारा लगातार लोगों को जागरूक करके रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं। इससे रक्त के अभाव में किसी मरीज की जान न जाए। आज रक्तदान शिविर में विद्यालय के डायरेक्टर नोबेल कुमार, प्रधानाचार्य अनीता, अशोक सिंह, राजवेंद्र सचान, योगेन्द्र चौहान आदि ने उपस्थित रहकर सहयोग किया।

पहल

फिल्म जगत के दिग्गजों ने किया मंथन

शहर को सशक्त फिल्म निर्माण केंद्र बनाएंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

बैठक का शुभारंभ करते मुख्य अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार। कानपुर को एक सशक्त फिल्म निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिए मिल-जुलकर कार्य करने पर सहमति जताई गई है। फिल्म जगत के दिग्गजों ने एकजुट होकर साझा रचनात्मक भविष्य का संकल्प लिया है।

कानपुर में चित्रा फिल्म्स एंड ए.एस. मूवीज़ प्रोडक्शन के तत्वावधान में आयोजित बैठक में फिल्म उद्योग से जुड़े वरिष्ठ कलाकारों, निर्माताओं, निर्देशकों, शिक्षाविदों एवं अन्य रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों की एक महत्वपूर्ण बैठक किदवई नगर में आयोजित की गई। इस विशेष आयोजन में शहर के उन प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने भाग लिया जो वर्षों से फिल्म, संगीत एवं मनोरंजन उद्योग के विकास हेतु सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य कानपुर के फिल्म जगत के लिए एक साझा दृष्टिकोण विकसित करना और आपसी सहयोग के माध्यम से एक मजबूत एवं संगठित मंच तैयार करना था। बैठक में यह स्पष्ट रूप से तय किया गया कि सभी सहभागी व्यक्तिगत स्तर पर नहीं, बल्कि एक सामूहिक और समन्वित बंधन के रूप में मिलकर कार्य करेंगे। कार्यक्रम का समापन एक सकारात्मक और दूरदर्शी सोच के साथ हुआ जिसमें यह संकल्प लिया गया कि भविष्य में गुणवत्तापूर्ण सिनेमा, स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहन एवं रचनात्मक सहयोग को प्राथमिकता दी जाएगी। यह आयोजन कानपुर के फिल्म उद्योग में एक नई दिशा और सामूहिक प्रयास की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। इस दौरान सागर सचान, अजीत मिश्रा, सुरेश कुमार सचान, राहुल मसीह एवं अरविंद अग्निहोत्री द्वारा किया गया। कार्यक्रम में संजय त्रिपाठी एवं डॉ. एके दीक्षित भी उपस्थित रहे।

बच्चों ने पेश किए कार्यक्रम। अमृत विचार

गणतंत्र का महत्व बताया

कानपुर। स्वीट एन्जल्स इण्टरनेशनल स्कूल में गणतन्त्र दिवस समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वेणु रंजन भदौरिया ने बच्चों को गणतंत्र दिवस का महत्व बताया। कार्यक्रम में अनूप द्विवेदी (पूर्व महामंत्री बार एसोसिएशन), डा. स्मिता त्रिपाठी, डा चम्पा रामनानी भी मौजूद रहीं। समारोह में चेयरमैन आलोक कुमार ने कार्यक्रम की प्रशंसा की। डा. शालिनी मिश्रा (प्रधानाचायी) ने सभी अभिभावकों व शिक्षको को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हाईस्कूल परीक्षा वर्ष 2015 की सह प्रमाण पत्र (अनुक्रमांक 1554504) और इंटरमीडिएट परीक्षा 2017 अनुक्रमांक (1130664) की मार्कशीट कहीं रास्ते में गिरकर खो गई है। काफी खोजबीन के बाद भी अंकपत्र का कोई पता नहीं चल सका है। **-सौरभ कुमार पुत्र सत्यपाल सिंह, निवासी खेरा, पोस्ट इटैली, अछल्दा(औरैया)**

सूचना

मैं नफीस उददीन पुत्र हफीज उददीन निवासी ग्राम भमौरा, तहसील मौदहा, जिला हमीरपुर अपने पुत्रों बाबू राशिद खां और अजनान बाबू व पुत्र वधुओं गुलफ्सा व साबरीन बानो से उनके गलत आचरण और गलत कार्यों के चलते सम्बन्ध विच्छेद और अपनी चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनके द्वारा किए गए नैतिक, अनैतिक कार्यो से मेरा व मेरे परिवार का कोई सम्बन्ध नहीं है। अपने द्वारा किए गए कार्यो के लिए यह स्वयं जिम्मेदार होंगे। **नफीस उददीन पुत्र हफीज उददीन निवासी ग्राम भमौरा, तहसील मौदहा जिला हमीरपुर**

सूचना

मेरे पासपोर्ट सं0-Z2833120 में मेरे पिता का नाम प्रकाश यादव (Prakash Yadav) हैं, मेरे आधार कार्ड में प्रकाश (Prakash) अंकित है। अतः मेरे पिता का नाम प्रकाश यादव (Prakash Yadav) पासपोर्ट में लिखा जाए। **विनय यादव पुत्र स्व. प्रकाश यादव निवासी-ग्राम व पोस्ट पिलखर थाना इकदिल जिला इटावा।**

सूचना

मेरे ड्राइविंग लाइसेंस में मेरा नाम श्याम जी गलत दर्ज हो गया है जबकि समस्त अभिलेखों में नाम श्याम जी राणा दर्ज है जो सही है। **श्याम जी राणा पुत्र सुलखान सिंह निवासी रता का पुरवा, भाग्यनगर फफूँद औरैया**

महिला शिक्षामित्र की घर पर गोली मारकर हत्या, करीबी पर शक

एक गोली गर्दन में तो दूसरी सीने पर मारकर उतारा मौत के घाट, अंदर से बंद था मुख्यद्वार, पति ने बताया कि छत के रास्ते भागा हमलावर

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार: असोहा थानाक्षेत्र के गोकुलपुर गांव में घर में चारपाई पर सो रही महिला शिक्षामित्र की देररात गोली मारकर हत्या कर दी गई। दूसरी चारपाई पर सो रहे पति के मुताबिक गोली मारकर हमलावर छत के रास्ते भाग निकले। उसने दावा किया कि हमलावर ने पहले पोल से विद्युत केबल काटकर आपूर्ति बाधित की। सूचना पर पुलिस अफसरों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पति की तहरीर पर अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस को हत्या में किसी बेहद करीबी के शामिल होने का शक है।

गोकुलपुर गांव निवासी श्रीकांति (38) पत्नी ओमकार रावत गांव के प्राथमिक विद्यालय में शिक्षामित्र थी। बीती रात वह घर का मुख्य द्वार बंद कर चारपाई पर सो रही थी। पति के मुताबिक बेटी रिया व वह कमरे में अलग-अलग सो रहे थे। तभी रात करीब दो बजे गोली चलने की आवाज सुन उसकी नींद खुली तो पत्नी खून से लथपथ पड़ी थी और एक व्यक्ति जीने से चढ़कर जा रहा था। जिसे पकड़ने वह दौड़ा तो उसने एक फायर हवा में फायर किया जिससे वह रुक गया। तभी मौका पाकर हमलावर भाग निकला। शोर सुन आसपास रहने वाले परिजन

पोस्टमार्टम हाउस में मौजूद परिजन व इनसेट में श्रीकांति की फाइल फोटो।

पहुंचे और पीआरवी को सूचना दी। एसओ फूल सिंह व सीओ ने मौके पर पहुंचकर जांच की। एसपी जयप्रकाश सिंह ने घटना के संबंध में जानकारी ली है। फोरेंसिक टीम ने भी जांच कर साक्ष्य एकत्र किए। घर का गेट बंद होने के बाद अंदर हत्याकर हमलावर के फरार होने की बात फिलहाल पुलिस के गले कम उतर रही है। पति ने किसी से रंजिश से इंकार किया। उसने बताया कि हमलावरों ने पहले घर के बाहर लगे पोल से आए विद्युत केबिल को काट दिया इससे घर में अंधेरा हो गया था। पुलिस ने दो डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया। डॉ. प्रशांत कुमार व डॉ. ध्यानेंद्र सचान ने वीडियोग्राफी के बीच पोस्टमार्टम किया। इसमें महिला के दो गोली मारे जाने की बात सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक पुलिस को घटना में किसी बेहद करीबी के शामिल होने का शक है। वहीं कांति की मौत से परिजन रो-रोकर बेहाल हैं। उसके दो बच्चों में बेटा रौनक अचलगंज थानाक्षेत्र के कोरारी कलां गांव निवासी मामा विनोद के यहां रहकर पास के गांव स्थित एक विद्यालय में 9वीं कक्षा में पढ़ रहा है। मां की मौत से वह बेहाल है। सीओ तेज बहादुर सिंह ने बताया कि पति की तहरीर पर अज्ञात पर हत्या करने की रिपोर्ट दर्ज की गई है। एसपी के निर्देश पर हत्याकांड के खुलासे के लिए चार टीमें लगी हैं। इसमें एसओजी व सर्विलांस टीम भी शामिल हैं।

भेजा चीरते हुए सिर से पार हो गई एक गोली

उन्नाव: महिला को दो गोलियां मारी गईं। जिनमें एक गोली गर्दन से मारी गई जो भेजा चीरते हुए सिर से आरपार हो गई। वहीं, दूसरी गोली सीने से मारी गई। एक्सरे में वह लिवर में फंसी मिली है।

जमीन बेचने का मिला था बयाना

उन्नाव: पति ओमकार के मुताबिक, उसकी एक जमीन बेचने का सौदा एक सप्ताह पूर्व सोहरामऊ निवासी एक व्यक्ति से हुआ था। जिसका करीब 3 लाख रुपये बयाना चार दिन पहले मिला था। जो पत्नी के पास बक्से में रखा था। उसने लूटपाट के अंदेशे से हत्या किए जाने का इशारा किया। इस पर एसओ ने उसकी बहन शोभा के साथ बक्सों की तलाशी ली तो उसमें रुपए रखे मिले।

न्यूज ब्रीफ

यूजीसी के समर्थन में दिया ज्ञापन

बांगरमऊ, अमृत विचार : यूजीसी रेगुलेशन को लेकर जहां एक ओर बवाल मचा है, वहीं तहसील अधिवक्ता एसोसिएशन के सदस्यों ने यूजीसी द्वारा प्रस्तावित नए कानूनों व सुधारों के समर्थन में आवाज बुलंद की है। अधिवक्ताओं ने देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार व कानूनी शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने की दिशा में यूजीसी के प्रयासों को ऐतिहासिक बताते हुए प्रधानमंत्री व शिक्षामंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। इसमें कहा गया कि यूजीसी द्वारा लाए जा रहे नए नियम न केवल छात्रों के भविष्य के लिए हितकारी हैं बल्कि इनसे कानूनी पेशे में आने वाले नए युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी। ज्ञापन देने वालों में अध्यक्ष सत्यपाल एडवोकेट, अनिल वर्मा, योगेश लोधी, सुनील कुमार, रामसेवक पाल, विनोद यादव आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

यूजीसी के विरोध में आज निकालेंगे मार्च

हसनगंज उन्नाव, अमृत विचार : यूजीसी कानून के विरोध में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज संतोषी माता मंदिर प्रांगण से एसडीएम हसनगंज कार्यालय तक शांतिपूर्वक मार्च निकाला जाएगा। जिलाध्यक्ष विजय सिंह गहरवार ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा लाया गया यूजीसी कानून सामान्य वर्ग विरोधी दिख रहा है। इसके विरोध में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा उन्नाव के तत्वावधान में संपूर्ण सवर्ण समाज विरोध को लेकर संतोषी माता मंदिर बस स्टैंड हसनगंज से शांतिपूर्वक मार्च निकालकर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपेंगे।

उत्पीड़न के खिलाफ मसीह समाज नाराज

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: मसीह आस्था रखने वाले लोगों ने उत्पीड़न, धमकियों व प्रार्थना सभाओं को जबरन बंद कराने के विरोध में बुधवार को मसीह समाज ने भीम आर्मी के बैनर तले एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने संवैधानिक अधिकारों का हवाला देते हुए अराजकतत्वों पर कार्यवाही की मांग की है।

सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि जिले के विभिन्न हिस्सों में शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित होने वाली प्रार्थना सभाओं में कुछ लोग अवैधानिक रूप से हस्तक्षेप कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 धार्मिक

प्रदर्शन करते भीम आर्मी व मसीह समाज के लोग। ● अमृत विचार

- भीम आर्मी के बैनर तले प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्रता व अनुच्छेद 19 शांतिपूर्ण सभा का अधिकार का उल्लंघन है। लोगों ने आरोप लगाया कि बार-बार मिलने वाली धमकियों से समुदाय में भय का माहौल है। ज्ञापन के माध्यम से मसीह समाज ने सात सूत्रीय मांगें रखीं। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने चेतावनी दी कि ऐसी घटनाओं पर अंकुश नहीं लगा तो धार्मिक कर्तव्यों का पालन करना कठिन हो जाएगा। इस दौरान लखनऊ मंडल वरिष्ठ उपाध्यक्ष विशाल गौतम, जिलाध्यक्ष रवि बौद्ध आदि मौजूद रहे।

स्कूली बच्चों को आग से बचाव के सिखाए तरीके

उन्नाव, अमृत विचार: आग लगने की स्थिति में बिना घबराए इसकी रोकथाम के लिए स्कूली बच्चों को मॉकड्रिल के माध्यम से दमकल कर्मियों ने जागरूक किया। इसके साथ कर्मियों ने फायर सेंटर में मौजूद उपकरणों के बारे में जानकारी दी।

शहर के गांधी नगर तिराहा स्थित फायर ट्रेनिंग सेंटर में स्कूली बच्चों को जागरूक करने के लिए मॉकड्रिल हुई। इसमें डीपीएस स्कूल के कक्षा तीन के बच्चे शामिल हुए। उन्हें दमकल कर्मियों ने आग लगने पर बचाव के तरीके बताए। इसके लिए फायर सेंटर परिसर में घरेलू रसोई सिलेंडर में आग लगाकर उसे बुझाकर दिखाया गया। बच्चों में डर समाप्त करने के लिए कर्मियों ने अपनी मौजूदगी में बच्चों से सिलेंडर में लगी आग बुझाने का अभ्यास कराया। इसके साथ बच्चों को फायर ट्रेनिंग सेंटर में आग पर काबू पाने के लिए मौजूद उपकरणों की जानकारी देने के साथ उसके प्रयोग का तरीका भी बताया। एफएसओ राममिलन भारतीय ने बताया कि सीएफओ के निर्देश पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ है। बच्चों को आग से बचाव के लिए मॉकड्रिल के माध्यम से जानकारी दी गई। बताया गया कि आग लगने की स्थित में किसी बहुमंजिला इमारत मेंफंसने पर लिफ्ट का प्रयोग न करे। जीने के रास्ते से बाहर निकलने का प्रयास करें।

प्रदेश संयोजक ने किसानों में भरी नई ऊर्जा

किसानों को संबोधित करते किसान नेता।

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : शंकरपुर सरॉय रामलीला मैदान में गणतंत्र दिवस पर किसान आंदोलन के प्रदेश संयोजक अजय अनमोल ने ध्वजारोहण कर किसानों को संबोधित कर उनमें नई ऊर्जा का संचार किया। उन्होंने किसानों से एकजुट रहने का आह्वान कर कहा कि यूपीसीडा अधिकारियों से उनकी वार्ता हो चुकी है। जिसमें अफसरों ने किसानों के कागजातों का शीघ्र सत्यापन कर निशुल्क 6 प्रतिशत भूखंड वापसी सहित सभी शेष लाभ जल्द दिलाने का आश्वासन दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अब भी देरी हुई तो 1580 किसान परिवारों के साथ हर परिवार से 5 लोगों की भागीदारी कर करीब 7500 किसानों के साथ ट्रांस गंगा साउंड ऑफिस में धरना दिया जाएगा और सत्यापन कार्य पूर्ण होने तक आंदोलन जारी रहेगा। इस अवसर पर अश्वनी त्रिवेदी, लक्ष्मी शंकर अवस्थी, प्रदीप निषाद, सचिन, करन त्रिवेदी, कालिका प्रसाद, छेद्दू, सुभाष कुमार, दीपचंद, कल्याण सिंह मौजूद रहे।

निरीक्षण में एसवीएम की प्रयोगशाला की सराहना

प्रयोगशाला का निरीक्षण करतीं उप सचिव।

शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार : गोपीनाथपुरम स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में चल रही माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज की विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षाओं के दौरान बुधवार को औचक निरीक्षण किया गया। जीव विज्ञान की प्रयोगात्मक परीक्षा के समय माध्यमिक शिक्षा परिषद उप्र की उपसचिव डॉ. पूनम मिश्रा ने विद्यालय पहुंचकर व्यवस्थाएं देखीं। उनके साथ राजकीय हाईस्कूल अरेर कला उन्नाव के प्रधानाचार्य कमलेश कुमार भी रहे। जीव विज्ञान की परीक्षा ले रहे अवधेश कुमार, प्रवक्ता जीव विज्ञान, अकबरपुर इंटर कॉलेज कानपुर देहात ने प्रयोगशाला की सभी व्यवस्थाओं का विस्तार से निरीक्षण कराया। प्रयोगशाला की सुसज्जित व्यवस्था और परीक्षा संचालन से संतुष्ट होकर उप सचिव ने सराहना की। इस मौके पर प्रधानाचार्य श्रवण कुमार सिंह, शिव सिंह, संजय शर्मा, राहुल पांडेय, संतोष प्रकाश, अवधेश तिवारी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

ट्रक चालक की हत्या कर शव जलाने के दोषी को उम्रकैद, 35 हजार जुर्माना

उन्नाव, अमृत विचार : लखनऊ-कानपुर राजमार्ग पर करीब 10 साल पहले ट्रक चालक की गला घोटकर हत्या कर शव उसी ट्रक में जलाने के दोषी खलासी को कोर्ट ने बुधवार को हुई अंतिम सुनवाई के बाद दोषी ठहराते हुए आजीवन करावास के आदेश दिए। साथ ही उस पर 35 हजार जुर्माना भी लगाया है।

प्रतापगढ़ जिला के थाना फतनपुर के कलीमुरादपुर गांव निवासी भानु प्रताप यादव ने सोहरामऊ पुलिस को तहरीर देकर अपने पिता ट्रक चालक भुल्लर उर्फ भोला नाथ यादव की संदिग्ध मौत की 9 अगस्त-2014 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि पिता भुल्लर ट्रक ड्राइवर थे। 2 अगस्त-2014 को पिता बनारस से ट्रक में सरिया लाद कर चले थे। 4 अगस्त 2014 को रायबरेली में सरिया अनलोड कर मोटर मालिक से बात हुई थी। 5 अगस्त 2014 को फोन पर मोटर मालिक साहीद के मोबाइल से उसे सूचना मिली कि जिस ट्रक को लेकर तुम्हारे पापा गये थे वह ट्रक लखनऊ-उन्नाव हाईवे पर गांव महुआरी जाने वाली रोड़ पर करीब 500 मीटर दूर थाना सोहरामऊ के पास खड़ी है। जिसमें आग लगी हुई है। यह सुनकर वह मौके पर जाने के लिये अपने चाचा वीरेन्द्र यादव व चचेरे भाई गुलाब सिंह यादव के साथ निकला। इधर पुलिस ने आग से झुलसे शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए उसे मोर्चरी भेज दिया था। 6 अगस्त 2014 को भानु प्रताप ने मोर्चरी पहुंचकर शव की शिनाख्त पिता भानु प्रताप यादव के रूप में की। उसने खलासी लालता निवासी कुडाखरा थाना सुल्तानपुर फतेहपुर पर पिता की हत्या कर शव जलाने व रुपये लूटने का आरोप लगा 9 अगस्त 2014 को थाने में तहरीर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचक तत्कालीन एसओ सोहरामऊ श्रीकांत द्विवेदी ने आरोपी खलासी लालता को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लूटा गया रुपया बरामद किया। विवेचक ने मुकदमे में पर्याप्त साक्ष्य जुटाकर आरोपी खलासी लालता के विरुद्ध 26 नवंबर 2015 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। लंबे समय से मुकदमे की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में चल रही थी। बुधवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई पूरी हुई। इसमें अभियोजन पक्ष से सरकारी वकील मनोज पांडेय ने कोर्ट के समक्ष दलीलें प्रस्तुत कीं। जिसे सुनकर न्यायाधीश विमल त्रिपाठी ने आरोपी को दोषी मानते हुए उसे आजीवन कारावास के आदेश दिये।

मंडलीय टीम ने सीएचसी का लिया जायजा

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार: आजाद नगर स्थित ठाकुरखेड़ा सीएचसी का बुधवार सुबह मंडलीय टीम ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया और मरीजों से फीडबैक भी लिया। साथ ही ओपीडी रजिस्टर, डिलीवरी कक्ष व अन्य अभिलेखों की गहन जांच की गई।

सुबह करीब साढ़े 10 बजे पहुंची मंडलीय टीम में हरदोई से डॉ. अपूर्व व ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर मनोज शामिल रहे। टीम ने पंजीकरण काउंटर, दवा वितरण व्यवस्था, लैब, औषधि कक्ष व साफ-सफाई की स्थिति देखी। मरीजों की संख्या

सीएचसी के बाहर मौजूद मंडलीय टीम व स्वास्थ्य कर्मी। ● अमृत विचार

- स्वास्थ्य सेवाओं को परख कर दिए जरूरी दिशा निर्देश

व उपलब्ध संसाधनों से संबंधित दस्तावेजों का मिलान भी किया। डिलीवरी कक्ष में व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए जरूरी निर्देश दिए। निरीक्षण में स्वास्थ्य कर्मियों को सेवाओं में और सुधार लाने, रिकॉर्ड संधारण व्यवस्थित रखने व मरीजों को समय पर इलाज दिलाने के निर्देश डाक्टर विकास आनंद, राहुल मिश्रा समेत पूरा सीएचसी का स्टाफ को दिए। मंडलीय टीम ने बताया कि निरीक्षण की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी।

मंडलीय टीम ने जिला अस्पताल की परखीं स्वास्थ्य सेवाएं

उन्नाव, अमृत विचार : चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सचिव के निर्देश पर गठित मंडल टीम में हरदोई के डीपीएम सुजीत सिंह व बीपीएम आशीष वर्मा बुधवार को जिला अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे। ओपीडी में मरीजों के बैठने की व्यवस्था का निरीक्षण कर मरीजों से अस्पताल में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान प्रसव कक्ष में स्थान की कमी मिलने पर टीम ने वहां जगह बढ़ाने के निर्देश दिए। वहीं चेकलिस्ट के अनुसार महिला अस्पताल में सी-पैप मशीन का संचालन शुरू होने की पुष्टि की गई। परिसर में खड़ी 108 एंबुलेंस का निरीक्षण कर उसमें ऑक्सीजन सिलेंडर व दवाओं की उपलब्धता जांची। टीम के सदस्य ने बताया कि जिन बिंदुओं पर अभी पूर्ण सुधार नहीं हो सका है। उन्हें रिपोर्ट में शामिल कर शासन को भेजा जाएगा।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती किस्मतुन पत्नी जलील निवासी मोहल्ला सरोजनी नगर परगना व तह0 बाँगरमऊ जिला उन्नाव ने पालिका कार्यालय मे दिनाँक 31-12-2025 को अपने आवेदन पत्र के साथ रजिस्टर्ड बैनामा, आधार कार्ड की छायप्रति व शपथ पत्र प्रस्तुत कर यह उल्लेख किया है कि प्रार्थिनी ने मोहल्ला नसीम गंज बाँगरमऊ का एक किता प्लाट विक्रेता श्री इंतजार खान पुत्र इसरार खां निवासी फतेहपुर खालसा पर0 व तह0 बाँगरमऊ जिला उन्नाव से जरिये रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 10-03-20025 को क्रय कर भवन का निर्माण कर लिया है। जिसकी माप पूरब से पश्चिम 30 फिट व उत्तर से दक्षिण 20 फिट कुल माप 600 वर्गफीट या 55.77 वर्गमीटर उक्त भवन की चौहदी निम्नलिखित है। पूरब- रास्ता 9 फिट इंटर लांक पश्चिम- मकान हसमत उत्तर- रास्ता 9 फिट दक्षिण- मकान मो हनीफ प्रार्थिनी ने अपने उपरोक्त भवन को पालिका कर पंजिका में कर की अदायगी के लिए अपने नाम से दर्ज किये जाने की मांग की है। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्य आवेदन पत्र,रजिस्टर्ड बैनामा, शपथ पत्र,आधार कार्ड की छायाप्रति के आधार पर यदि उक्त नामान्तरण प्रकिया को पूर्ण किये जाने मे किसी को कोई भी आपत्ति है। तो वह विज्ञापन प्रकाशन से 30 दिन के अन्दर उक्त भवन से सम्बंधित सर्वमान्य रजिस्टर्ड साक्ष्य सहित मेरे समक्ष उपस्थित हो कर वह अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद मियाद गुजर जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा और उपरोक्त नामान्तरण प्रकिया को आवेदनकर्ता के पक्ष मे पूर्ण कर दिया जायेगा तत्पश्चात नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ की कोई जिम्मेदारी न होगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
बाँगरमऊ, उन्नाव

खोए मोबाइल पाकर खिले लोगों के चेहरे

उन्नाव, अमृत विचार : उन्नाव पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल की मदद से बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने विभिन्न कंपनियों के खोए हुए 101 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। जिनकी अनुमानित कीमत करीब 21 लाख रुपये है। बरामद मोबाइल पुलिस लाइन सभागार में बुधवार को उनके वास्तविक स्वामियों को सौंपे गए। जिन्हें पाकर उनके चेहरे खिल उठे। बता दें कि एसपी जय प्रकाश सिंह के निर्देश पर जिले के सभी थानों में पोर्टल के संचालन के लिए टीम गठित की गई थी। एसपी के मुताबिक गुमशुदा मोबाइलों की शत-प्रतिशत बरामदगी के लिए लगातार अभियान चल रहा है। जो आगे भी जारी रहेगा। इस दौरान एएसपी उत्तरी अखिलेश सिंह व दक्षिणी प्रेमचंद मौजूद रहे।

देशभक्ति गीतों पर खूब थिरके छात्र-छात्राएं

शुक्लागंज उन्नाव

अमृत विचार: गणतंत्र दिवस पर अंबिका प्रसाद मेमारियल पब्लिक स्कूल, लिटिल किंगडम में सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम बच्चों ने प्रस्तुत किया।

मुख्य अतिथि अनुराज श्रीवास्तव व धीरेन्द्र मिश्रा ने ध्वजारोहण किया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जहां एमडी अजय त्रिवेदी, प्रबंधिका दीपा त्रिवेदी, दिनेश त्रिवेदी, अनीशा श्रीवास्तव, संजय बाजपेई, प्रधानाचार्या मोनिका त्रिवेदी मौजूद रहीं। सहजनी स्थित एमडीपीएस में पीएन शुक्ला, मयंक शुक्ला ने ध्वजारोहण किया। कंचन नगर स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती मिशन इंटर कॉलेज में पीएन शुक्ला, प्रभात शुक्ला व विराट शुक्ला ने झंडारोहण किया। आनंद नगर स्थित शिवम कानवेंट में प्रबंधक अंकुर शुक्ला व रश्मि शुक्ला ने ध्वजारोहण किया। मनसुख खेड़ा स्थित शिवांश कानवेंट में झंडारोहण हुआ। देवारा कलां स्थित पूर्णिमा विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में ध्वजारोहण हुआ। दयानंद सरस्वती इंटर कालेज में प्रधानाचार्या

अंबिका स्कूल में कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे। ● अमृत विचार

- नन्हे-मुन्ने बच्चों का डांस और करतब देखकर लोगों ने दबाई दांतों तले उंगलियां

सुधा तिवारी, प्रबंधक संतोष तिवारी व अभिषेक तिवारी ने ध्वजारोहरण किया। एसपीजेडी में भरत त्रिवेदी ने झंडारोहण किया। डीएसएम पब्लिक स्कूल में अवनीश शुक्ला, संत विवेकानंद पब्लिक में बीएल सैनी, गोपीनाथ सरोज सरस्वती शिशु में मुख्यअतिथि ओमप्रकाश निषाद ने झंडारोहण किया।

सत्र परीक्षाओं से होगा छात्रों का मूल्यांकन

उन्नाव, अमृत विचार : बेसिक शिक्षा परिषद में अध्ययन कर रहे छात्रों की द्वितीय सत्र की परीक्षाओं में बुधवार को कक्षा 6, 7 व 8 में प्रथम पाली में हिंदी व द्वितीय पाली में संस्कृत के पेपर हुए। इस दौरान कक्षा 1 व 2 के बच्चों का निपुण आकलन भी शुरू हो गया। विभागीय अधिकारियों के अनुसार सत्र परीक्षाओं के माध्यम से यह आकलन होगा कि बच्चों ने अब तक पढ़ाए गए पाठ्यक्रम को कितनी अच्छी तरह समझा है और उनकी सीखने की स्थिति कैसी है। इसी आधार पर आगे की शैक्षणिक योजना तैयार होगी। कम्पोजिट स्कूल रनियामऊ के शिक्षक अमित तिवारी ने बताया कि सत्र परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के बाद कमजोर विद्यार्थियों को चिन्हित कर उन्हें विद्यालय स्तर पर अतिरिक्त शैक्षणिक सहयोग दिया जाएगा। बीइओ अनीता साह ने बताया कि परीक्षाएं शासन के निर्देशानुसार कराइ जा रहीं हैं। परीक्षा के बाद छात्रों के रिजल्ट के आधार पर जरूरत के अनुसार शिक्षण व्यवस्था और बेहतर बनाई जाएगी। बीएसए शैलेश पांडेय ने बताया कि निपुण आकलन हेतु विस्तृत आदेश विभाग से जारी हो गए हैं।

यूपी बोर्ड | **उपसचिव डॉ. पूनम मिश्रा ने 6 इंटर कॉलेजों की प्रयोगात्मक परीक्षाओं का लिया जायजा**

107 विद्यालयों में हुईं प्रयोगात्मक परीक्षाएं

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार: माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज की इंटर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं बुधवार को जिले के 107 इंटर कॉलेज में हुई। बोर्ड की उपसचिव डॉ. पूनम मिश्रा ने 6 इंटर कॉलेजों के प्रयोगात्मक परीक्षाओं का जायजा लिया। वहीं, डीआईओएस सुनील दत्त ने दो विद्यालयों की प्रयोगात्मक परीक्षाओं का निरीक्षण किया।

उपसचिव ने श्यामलाल इंटर कॉलेज नवाबगंज, राजकीय इंटर कॉलेज चमरौली, गुरु नानक इंटर कॉलेज हाकिम टोला उन्नाव, बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज एबी नगर,

निरीक्षण करतीं उपसचिव डॉ. पूनम मिश्रा व अन्य। ● अमृत विचार

एवीएम इंटर कॉलेज एबी नगर, एसवीएम इंटर कॉलेज संत पूरनदास नगर व डीआईओएस ने जीआईसी व जीजीआईसी उन्नाव का निरीक्षण किया। बता दें कि 24 जनवरी से 1 फरवरी तक परीक्षा होनी थी। इसमें जिले के 208 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं की भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, गृह विज्ञान, भूगोल, व्यावसायिक ट्रेड, सिलाई आदि विषयों की प्रयोगात्मक परीक्षाएं होनी हैं। कंट्रोल प्रभारी रामचंद्र सिंह ने बताया कि किस केंद्र में किस विषय की प्रयोगात्मक परीक्षा हुई इसकी जानकारी सभी केंद्रों से नहीं मिल पाई है। बता दें कि जिले को 21 सेक्टर में बांटकर सेक्टर प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। सीसीटीवी की निगरानी में होने वाली प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए बाहरी जिलों के शिक्षक बोर्ड द्वारा परीक्षक नियुक्त किए जाते हैं। जो परीक्षा लेने के लिए संबंधित विद्यालयों के केंद्र व्यवस्थापओं से संपर्क कर परीक्षा की तिथियां निर्धारित करते हैं। मगर तिथियां 24 जनवरी से 1 फरवरी के मध्य ही होनी चाहिए।

अमृत विचार

गुरुवार, 29 जनवरी 2026

मानव अस्तित्व का रहस्य केवल जीवित रहने में नहीं, बल्कि जीने का कोई उद्देश्य खोजने में निहित है।

-फ्योदोर दोस्तोव्स्की, रूसी लेखक

अवसरों का द्वार

जब दुनिया संरक्षणवाद, टैरिफ़ युद्ध और आपूर्ति शृंखलाओं की अनिश्चितता से जूझ रही हो, तब विश्व व्यापार के लगभग एक-तिहाई और वैश्विक जीडीपी के करीब 25 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करने वाली दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का साथ आना स्वाभाविक रूप से ऐतिहासिक महत्व रखता है। दो अरब से अधिक लोगों को प्रभावित करने वाली यह साझेदारी आर्थिक ही नहीं, भू-राजनीतिक समीकरणों पर भी असर करेगी। यह समझौता साफ संकेत है कि वैश्विक चुनौतियों का टिकाऊ समाधान टकराव नहीं, सहयोग है। ऐसे समय में जब अमेरिका में ट्रंप की नीतियों के तहत ऊंचे टैरिफ़ और 'अमेरिका फर्स्ट' की सोच ने पारंपरिक व्यापारिक ढांचे को झकझोरा है, भारत-ईयू समझौता उस का संतुलित जवाब है। यह किसी के विरुद्ध गठबंधन नहीं, बल्कि नियम-आधारित, बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्था के समर्थन में एक पहल है।

अमेरिका नाराज है, क्योंकि लंबे समय से अटका यह समझौता ऐसे दौर में आगे बढ़ा, जब वॉशिंगटन और ब्रुसेल्स के बीच व्यापारिक मतभेद उभरे, हालांकि इससे अमेरिका-यूरोप संबंध निर्णायक रूप से नहीं बिगड़ने वाले पर वॉशिंगटन का दबदबा कुछ कम होगा। यदि भारतीय निर्यात को यूरोप में व्यापक बाजार पहुंच मिलती है तो ट्रंप टैरिफ़ से हुए संभावित नुकसान की भरपाई इससे आंशिक रूप से संभव है। इस डील के बाद अब अमेरिका के साथ भी संतुलित और पारस्परिक हितों पर आधारित व्यापार समझौते की संभावना बढ़ती है। यूरोपीय संघ अमेरिकी बाजार का पूर्ण विकल्प नहीं हो सकता, पर वह विविधीकरण का एक मजबूत स्तंभ अवश्य बन सकता है। समझौता पंचवर्षीय परिवर्तनकारी एजेंडे के देखना ठीक है, क्योंकि यह केवल टैरिफ़ घटाने का मामला नहीं, बल्कि मानकों, तकनीक, आपूर्ति शृंखला, डिजिटल व्यापार और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में गहरे सहयोग का ढांचा है। यदि जीएसपी जैसी रियायतों की बहाली या समान प्रावधान शामिल होते हैं, तो वस्त्र, परिधान, चमड़ा, हस्तशिल्प, जूते और समुद्री उत्पादों को बड़ा लाभ मिलेगा, जिससे परिधान उद्योग में चीन, बांग्लादेश और वियतनाम के साथ प्रतिस्पर्धा में भारत की स्थिति सुदृढ़ हो सकती है, बशर्ते हम गुणवत्ता और लागत दोनों में प्रतिस्पर्धी बनें। इंजीनियरिंग, ऑटो कंपोनेंट और मशीनरी क्षेत्र को यूरोपीय तकनीक और मानकों से तालमेल का अवसर मिलेगा। सेवा क्षेत्र विशेषकर आईटी, फिनटेक और प्रोफेशनल सेवाएं को। यदि वीजा और मूवमेंट ऑफ प्रोफेशनल्स में लचीलापन मिलता है, तो भारतीय युवाओं के लिए नए अवसर खुल सकते हैं। सेमीकंडक्टर तकनीक और हरित प्रौद्योगिकी में सहयोग भारत के औद्योगिक उन्नयन को गति दे सकता है।

रक्षा क्षेत्र में यूरोपीय संघ के बाजार तक पहुंच और संयुक्त उत्पादन की संभावनाएं निजी भारतीय कंपनियों के लिए नए द्वार खोल सकती हैं। फ्रांस, जर्मनी और इटली जैसे देशों की कंपनियों द्वारा भारत में रक्षा कॉम्प्लेक्स स्थापित करने से 'मेक इन इंडिया' को बल मिल सकता है। साथ ही इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर को भी गति मिलना स्वाभाविक है। इसके लागू होने में डेढ़ बरस लग सकते हैं, पर यह समझौता अवसरों का द्वार है।

प्रसंगवश

38 फीसद भारतीय वयस्क आयली स्नैक्स के आदी

राष्ट्रीय पोषण संस्थान (ICMR-NIN) और WHO के अनुसार, लगभग 38% भारतीय वयस्क नियमित रूप से तले हुए स्नैक्स का सेवन करते हैं, जबकि केवल 28% लोग रोज़ाना फलों या सलाद जैसे स्वास्थ्यवर्धक आहार का सेवन करते हैं। कई अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि अत्यधिक मात्रा में जंक फूड का सेवन मोटापे को तेज़ी से बढ़ाता है। यही मोटापा आगे चलकर मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, कमजोर प्रतिरक्षा तंत्र, अवसाद और तनाव जैसी कई गंभीर बीमारियों की नींव बन जाता है। जंक फूड का अत्यधिक सेवन केवल बच्चों के लिए ही नहीं, बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए भी अप्रत्यक्ष रूप से एक गंभीर खतरा बन चुका है। इन्हीं समस्याओं में से एक प्रमुख समस्या, जो हमारे समाज में तेज़ी से फैल रही है, वह है पॉलीसिस्टिक ओवरी डिज़ीज़ (PCOD)।

डॉ. सुहैल ख़ान
चिकित्सक

महामारी विज्ञान के अध्ययनों के अनुसार, 38–88 प्रतिशत PCOD से पीड़ित महिलाएं अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त होती हैं। यह स्पष्ट करता है कि जंक फूड, मोटापा और PCOD आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। यह समस्या प्रजनन आयु (15–49 वर्ष) की महिलाओं में सबसे आम अंतःस्रावी विकारों में से एक बन चुकी है और इसे एक वैश्विक स्वास्थ्य समस्या के रूप में पहचाना जा रहा है। अध्ययनों के अनुसार, विश्व-भर में प्रजनन आयु की 6–13 प्रतिशत महिलाएं PCOD से प्रभावित हैं। भारत में स्थिति और भी चिंताजनक है, जहां लगभग 20 प्रतिशत महिलाएं PCOD से जूझ रही हैं। यानी हर पांच में से एक महिला इस समस्या से प्रभावित है।

PCOD में अंडाशय (ओवरी) में छोटी-छोटी सिस्ट बन जाती हैं और हार्मोनल संतुलन बिगड़ जाता है। इसका मुख्य कारण अस्वस्थ जीवनशैली और गलत खान-पान, विशेषकर जंक फूड का अधिक सेवन माना जाता है। जंक फूड में मौजूद अधिक शर्करा और अस्वस्थ वसा शरीर में इंसुलिन रेज़िस्टेंस पैदा करती हैं, जिससे हार्मोनल असंतुलन और पुरुष हार्मोन (एंड्रोजन) का स्तर बढ़ जाता है। इसके परिणामस्वरूप अनियमित मासिक धर्म, वजन बढ़ना, मुंहासे, बालों का झड़ना और बांझपन जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। PCOD से पीड़ित महिलाओं में टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल और हृदय रोग का खतरा भी अधिक होता है।

पीसीओएस से पीड़ित रोगियों में थायरॉइड रोगों की घटना दर बढ़ जाती है। डेनमार्क में 2019 में किए गए एक अध्ययन में सामने आया है कि पीसीओएस से पीड़ित महिलाओं में थायरॉइड रोग होने का खतरा, पीसीओएस से मुक्त महिलाओं की तुलना में लगभग 2.5 गुना अधिक होता है। PCOS से पीड़ित महिलाओं में सरल जीवनशैली में बदलाव करना, जैसे जंक फूड से बचाव, संतुलित आहार, खून में शुगर (ग्लूकोज़) का स्तर कम करना, पर्याप्त नींद लेना और तनाव कम करना, उनके स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है और PCOS से जुड़ी जटिलताओं को कम कर सकता है।

जंक फूड ऐसे खाद्य पदार्थ होते हैं, जिनमें कैलोरी की मात्रा बहुत अधिक होती है, जबकि आवश्यक पोषक तत्व जैसे प्रोटीन, विटामिन और खनिज बहुत कम पाए जाते हैं। इनमें संतृप्त वसा ट्रांस फैट, अत्यधिक नमक, कोलेस्ट्रॉल और शर्करा (ग्लूकोज़) की अधिकता होती है। इनमें परिष्कृत कार्बोहाइड्रेट, अधिक सोडियम, कृत्रिम रंग और प्रिज़रवेटिव्स भी शामिल होते हैं। पिज़्ज़ा, बर्गर, इंस्टेंट नूडल्स, बिस्कुट, कैंडी, आलू के चिप्स, फ्रेंच फ्राइज़, मीठे पेय पदार्थ (कोल्ड ड्रिंक्स), पैकेज्ड स्नैक्स, परिष्कृत अनाज और हाई-फ्रक्टोज़ कॉर्न सिरप जैसे खाद्य पदार्थ जंक फूड की श्रेणी में आते हैं।

बजट: ग्रीन एनर्जी को मिल सकती है नई उड़ान

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी
यूएई एंबेसी

भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आगामी पहली फरवरी 2026 को देश का आम बजट पेश करने वाली हैं। यह बजट भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि देश तेजी से विकास कर रहा है और पर्यावरण की रक्षा भी जरूरी है। ग्रीन एनर्जी, यानी साफ और नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सोलर, विंड और हाइड्रोजन, भारत के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2030 तक 500 गीगावॉट नॉन-फॉसिल फ्यूल क्षमता हासिल करने और 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। इस बजट से ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को कई उम्मीदें हैं, जो देश को स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में मजबूत बनाएंगी।

सबसे पहले, ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को उम्मीद है कि बजट में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। भारत में सोलर पैनल, विंड टरबाइन और बैटरी स्टोरेज जैसी चीजों का उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष योजनाएं आ सकती हैं। अभी भारत इनमें से कई सामान आयात करता है, जो महंगा पड़ता है। भारत में ग्रीन एनर्जी सेक्टर के एक्सपर्ट और येमनोको लिमिटेड के प्रमुख शैलेंद्र बेबोरठा ने बीते दिनों राजधानी में हुई इंटरनेशनल कांफ्रेंस के दौरान कहा था कि बजट में नई मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों के लिए 15 प्रतिशत की रियायती आयकर दर फिर से शुरू की जा सकती है। इससे लोकल उत्पादन बढ़ेगा और नौकरियां पैदा होंगी। साथ ही, टेक्नोलॉजी और उपकरण विकास पर फोकस होगा, ताकि भारत आत्मनिर्भर बने। उदाहरण के लिए, सोलर मॉड्यूल और सेल बनाने वाली फैक्ट्रियों को सब्सिडी या टैक्स छूट मिल सकती है। इससे ग्रीन एनर्जी सस्ती हो जाएगी और आम लोग इसे अपनाएंगे।

दूसरी बड़ी उम्मीद स्टोरेज टेक्नोलॉजी से जुड़ी है। सोलर और विंड एनर्जी दिन-रात उपलब्ध नहीं रहती, इसलिए बैटरी स्टोरेज बहुत जरूरी है। बजट में पंप्ड हाइड्रो स्टोरेज और बैटरी सिस्टम के लिए ज्यादा फंडिंग की उम्मीद है। देश के ग्रीन एनर्जी सेक्टर से जुड़े सब लोगों की चाहत है कि सरकार रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर ज्यादा खर्च करे, जैसे टेक्नोलॉजी इनक्यूबेटर्स और यूनिवर्सिटी-इंडस्ट्री सहयोग। इससे नई तकनीकें विकसित होंगी और एनर्जी स्टोरेज सस्ता होगा। साथ ही, ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने के लिए हाई-कैपेसिटी ट्रांसमिशन लाइंस और सब स्टेशनों पर निवेश बढ़ सकता है। यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि बड़ी मात्रा में रिन्यूएबल एनर्जी को ग्रिड में जोड़ना पड़ता है, वरना बिजली बर्बाद हो जाती है।

ग्रीन हाइड्रोजन भी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जहां बजट से बड़ी उम्मीदें हैं। ग्रीन हाइड्रोजन साफ पानी और रिन्यूएबल एनर्जी से बनता है और यह ट्रांसपोर्ट, इंडस्ट्री और पॉवर सेक्टर में इस्तेमाल हो सकता है। शैलेंद्र बेबोरठा मानते हैं कि भारत ग्रीन हाइड्रोजन मिशन चला रहा है, लेकिन इसे तेज करने के लिए बजट में ज्यादा आवंटन चाहिए। इंडस्ट्री चाहती है कि उत्पादन, स्टोरेज और ट्रांसपोर्टेशन के लिए सब्सिडी दी जाए। साथ ही, एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने के लिए टैक्स इंसेंटिव्स आ सकते हैं। इससे भारत दुनिया में ग्रीन हाइड्रोजन का बड़ा उत्पादक बन सकता है और विदेशी मुद्रा कमा सकता है।

रूफटॉप सोलर को बढ़ावा देना भी एक बड़ी उम्मीद है। घरों और इमारतों पर सोलर पैनल लगाने से बिजली बिल कम होता है और पर्यावरण बचता है। बजट में रूफटॉप सोलर के लिए ज्यादा सब्सिडी या आसान लोन स्कीम्स आ सकती हैं। साथ ही, छोटे और मध्यम उद्योगों को ग्रीन एनर्जी अपनाने के लिए टैक्स ब्रेक्स मिल सकते हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी सोलर एनर्जी फैलेगी और किसानों को फायदा होगा, जैसे सोलर पंप और इरिगेशन सिस्टम।

बजट से क्लीन एनर्जी इकोसिस्टम को मजबूत बनाने की उम्मीद है। इसका मतलब है कि एनर्जी सिक्योरिटी, अफोर्डेबिलिटी और सस्टेनेबिलिटी पर फोकस। सरकार पिछले सालों में रिन्यूएबल एनर्जी पर फोकस कर रही है, लेकिन अब कैपेसिटी एडिशन से आगे बढ़कर स्टेबिलिटी और परफॉर्मेंस पर ध्यान देना चाहिए। इसके लिए ग्रिड रिफॉर्म्स जरूरी हैं, जैसे स्मार्ट ग्रिड और डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम अपग्रेड। साथ ही, क्लीन एनर्जी फंड्स बढ़ाए जा सकते हैं, जो प्राइवेट इन्वेस्टमेंट को आकर्षित करेंगे।

एक और महत्वपूर्ण उम्मीद है कि बजट में ग्रीन फाइनेंसिंग को बढ़ावा दिया जाए। बैंक और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस को ग्रीन प्रोजेक्ट्स के लिए सस्ते लोन देने के लिए इंसेंटिव्स मिल सकते हैं। साथ ही, कार्बन टैक्स या ग्रीन बॉन्ड्स जैसी स्कीम्स आ सकती हैं, जो फॉसिल फ्यूल्स से दूर जाने में मदद करेंगी। इससे विदेशी निवेश भी बढ़ेगा, क्योंकि दुनिया भर में ग्रीन इन्वेस्टमेंट ट्रेंड है। ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को उम्मीद है कि बजट में लोकल मैन्युफैक्चरिंग और क्लीन फ्यूल्स पर ज्यादा जोर होगा। उदाहरण के लिए, बायोफ्यूल और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स से जुड़ी इंडस्ट्री को सपोर्ट। इससे प्रदूषण कम होगा और अर्थव्यवस्था मजबूत बनेगी। साथ ही, R&D पर ज्यादा बजट से नई इनोवेशंस आएंगी, जैसे एडवांस्ड सोलर सेल्स या विंड टरबाइन्स।

इन सब उम्मीदों से ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में तेजी आएगी, लेकिन चुनौतियां भी हैं, जैसे महंगे इक्विपमेंट और ग्रिड कनेक्टिविटी। बजट अगर इन पर फोकस करे, तो भारत रिन्यूएबल एनर्जी टारगेट को आसानी से हासिल कर सकता है। साथ ही, क्लाइमेट चेंज से लड़ने में भारत लीडर बनेगा। बजट 2026 ग्रीन एनर्जी के लिए एक टर्निंग पॉइंट हो सकता है। अगर सरकार मैन्युफैक्चरिंग, स्टोरेज, हाइड्रोजन और ग्रिड पर निवेश करे, तो देश स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। इससे नौकरियां बढ़ेंगी, अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और पर्यावरण बचेगा। सभी की नजरें अब पहलू फरवरी पर टिकी हैं।

> ग्रीन एनर्जी क्षेत्र को उम्मीद है कि बजट में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। सोलर पैनल, विंड टरबाइन और बैटरी स्टोरेज जैसी चीजों का उत्पादन बढ़ाने के लिए विशेष योजनाएं आ सकती हैं।

आमने सामने

पाकिस्तान, बांग्लादेश के समर्थन में टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से हट सकता है। हम सरकार की सलाह का इंतजार कर रहे हैं। सरकार जो कहेगी, वही किया जाएगा। सरकार वर्ल्ड कप में न जाने को कहती है, तो हम उसका पालन करेंगे।

-मोहसिन नकवी
चेयरमैन
पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड

भारतीय टीम जिस तरह की बल्लेबाजी कर रही है, उसे देखकर कई टीमें डर सकती हैं। पिछले मैच में भारत ने 15 ओवर में 209 रन बनाए, अब 10 ओवर में 150 रन। पाकिस्तान से कहना चाहता हूं, मत आओ। तुम्हारे चेयरमैन खुद यही संकेत दे रहे हैं।

-श्रीकांत
पूर्व भारतीय क्रिकेटर

प्रकृति से ज्यादा मानवीय आपदाओं से खतरा

अमित शर्मा
हल्द्वानी

पहाड़ों पर प्राकृतिक आपदाओं से ज्यादा मानवीय गतिविधियों से उपज रही आपदाओं का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। पर्यावरण के दृष्टिगत विकास के मानक तय नहीं हैं और जंगलों की अंधाधुंध कटाई, अनियंत्रित पर्यटन गतिविधियां, सड़क एवं भवन निर्माण और वाहनों के बढ़ते दबाव से पहाड़ों की सुंदर तस्वीर बिगड़ रही है, जिसका भयानक खामियाजा बादल फटने, ग्लेशियर पिघलने, बाढ़ और सूखे के रूप में भुगतना पड़ रहा है। बीते वर्षों में आ चुकी कई बड़ी आपदाओं को हम समय बीतने के बाद भूल जाते हैं, लेकिन ये आपदाएं दोबारा सिर न उठाएं, इसके लिए निजी और सामूहिक तौर पर प्रयास नहीं होते। यही वजह है कि उत्तराखंड के पहाड़ों पर प्रकृति से ज्यादा मानवीय आपदाओं से खतरा मंडराता है।

पहाड़ों की तबाही के सिलसिलों का इतिहास बहुत पुराना भी नहीं है, बल्कि तभी से शुरू हुआ, जब विकास की गति में तेजी आई। पहाड़ों को काटना प्रकृति के साथ सबसे बड़ी भूल कही जा सकती है, जो पेड़ों को काटे बिना संभव नहीं। साथ ही, यह भूस्खलन को बढ़ावा देती है और यह किसी से छिपा भी नहीं है कि भूस्खलन की त्रासदियां हर वर्ष जानलेवा साबित होती हैं। वृक्षों की कमी से कार्बन जैसी घातक गैसों में वृद्धि स्वाभाविक है, जो वायु प्रदूषण को न्यौता देना है और प्रदूषण रोकने के प्रयास अभी तक नाकाफी साबित हुए हैं।

फलस्वरूप पीएम 2.5 जैसी जहरीली गैसों में निरंतर वृद्धि हो रही है। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे विकास के चलते अंधाधुंध होटल और रिजॉर्ट की संख्या के कोई मानक नहीं हैं, जबकि इतना तो तय होना चाहिए कि किसी भी इलाके के क्षेत्रफल के हिसाब से विकास हो। साथ ही, वाहनों की आवाजाही की संख्या भी क्षेत्र की क्षमता के अनुसार निर्धारित होनी चाहिए. मगर इस दिशा में कोई ठोस कदम अभी तक नहीं उठाए गए हैं।

इस वजह से कई तरह की दुश्वारियों से दो-चार होना पड़ता है। बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं को लेकर हाइड्रो पॉवर प्रोजेक्ट्स, हाईवे और सुरंग खोदा जाना प्रकृति के साथ अन्याय ही है। बांधों का निर्माण क्षेत्रीय मौसम पर बड़ा असर डालता है, जो उस क्षेत्र के साथ नजदीकी क्षेत्रों की बारिश में अनिश्चितता पैदा करता है और कृषि, आर्थिकी और सामाजिक स्तर प्रभावित होता है। मानवीय गतिविधियों के चलते पर्वतीय क्षेत्रों में एक बड़ा दुष्प्रभाव हिमालय भुगत रहा है, हालांकि इसके पीछे प्रमुख जिम्मेदार वैश्विक ताप में वृद्धि है, लेकिन पर्वतीय क्षेत्र में मानवीय गतिविधियां भी कम जिम्मेदार नहीं हैं।

पहाड़ों में नदियों के किनारे निर्माण, अत्यधिक वाहनों की आवाजाही, प्लास्टिक कचरा और बेहिसाब माइनिंग पर्यावरण पर हमले जैसा है। हिमालय से जुड़े राज्य लेह लद्दाख, हिमाचल और उत्तराखंड में अभी तक किया गया विकास आपदाओं का जन्मदाता रहा है, लिहाजा प्रदूषण बढ़ रहा है, तो नुकसान उठाने पड़ रहे हैं। इस ओर गंभीरता से ध्यान देने की सख्त जरूरत है। समय रहते इस दिशा में सार्थक प्रयास नहीं किए गए तो भविष्य में आपदाओं से निपटने के लिए और बड़ी योजनाओं के साथ तैयार रहना होगा।

यहां यह भी गौरतलब है कि पर्यावरण विशेषज्ञों की रिपोर्ट भी मानवीय कृत्य को जिम्मेदार मानती हैं। आर्य भट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ पर्यावरण व वायुमंडलीय वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह कहते हैं कि अनियोजित मानवीय विकास को लेकर कई रिपोर्ट आ चुकी हैं, जो प्रकृति के साथ खिलवाड़ का विरोध करती हैं। विकास का आधार वैज्ञानिक होना चाहिए और पर्यावरण के अनुरूप होना चाहिए।

भारतीय मौसम विभाग, वाडिया इंस्टीट्यूट, हिमालयन जियोलॉजी और पर्यावरण मंत्रालय समेत कई अन्य रिपोर्ट आ चुकी हैं। एरीज भी हिमालय क्षेत्र की वायुमंडलीय स्थिति पर कई शोध कर चुका है, जो बताता है कि विकास पर्यावरण संरक्षण के आधार पर होना चाहिए। वहीं, ऑस्ट्रेलियाई पर्यावरण वैज्ञानिकों का शोध बताता है कि खनन से मीथेन गैस अधिक निकलती है, जो ग्लोबल वार्मिंग बढ़ाने में अधिक जिम्मेदार मानी जाती है। कार्बन डाईऑक्साइड की तुलना में मीथेन 40 प्रतिशत अधिक वैश्विक ताप बढ़ाती है। इस दिशा में भी विचार किए जाने की सख्त जरूरत है।

उल्लेखनीय है कि जब भी मौसम या ऋतुओं में खास परिवर्तन होता है, तो हिमालयी राज्यों में आपदा का खतरा बढ़ जाता है। जलवायु परिवर्तन ने मौसम के पैटर्न को बदल दिया है, जिससे कहीं सूखा तो कहीं अत्यधिक बारिश और बाढ़ की घटनाएं बढ़ रही हैं। पहाड़ों पर मिट्टी की जलधारण क्षमता कम हो रही है। हमें साल 2013 की केदारनाथ त्रासदी को याद रखना होगा, जब बाढ़ ने हजारों लोगों की जान ले ली थी और लाखों लोगों को बेघर कर दिया था। हमें साल 2023 की जोशीमठ आपदा को भी नहीं भूलना चाहिए, जब जमीन धंसने से कई घरों को नुकसान पहुंचा और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पलायन करना पड़ा।

> जंगलों की अंधाधुंध कटाई, अनियंत्रित पर्यटन गतिविधियां, सड़क एवं भवन निर्माण और वाहनों के बढ़ते दबाव से पहाड़ों की सुंदर तस्वीर बिगड़ रही है।

सोशल फोरम

एक थीं अजीजन बाई

अजीज़न बाई मूलतः पेशेवर नर्तकी थीं, जो देशभक्ति की भावना से भरपूर थीं। गुलामी की बेड़ियां तोड़ने के लिए उन्होंने घुंघरू उतार दिए थे। रसिकों की महफिलें सजाने वाली अजीज़न बाई क्रांतिकारियों के साथ बैठकें कर रणनीतियां बनाने लगीं। कानपुर में नाना साहेब के आह्वान पर अजीज़नबाई ने फिरंगियों से टक्कर लेने के लिए स्त्रियों का सशस्त्र दल गठित किया एवं उसकी कमान संभाली थी।

संजोग वाल्टर
ब्लॉगर

इतिहासकारों के मुताबिक अजीज़न बाई का जन्म 22 जनवरी 1824 को मालवा क्षेत्र के राजगढ़ में हुआ था। अजीज़न बाई बचपन से रानी लक्ष्मीबाई की तरह रहना पसंद करती थीं और पुरुषों के लिबास पहनती थीं। साथ ही अपने साथ हमेशा बंदूक रखतीं और सैनिकों के साथ घोड़े की सवारी भी करती थीं।

एक जून 1857 को क्रांतिकारियों ने कानपुर में बैठक की, इसमें नाना साहब, तात्या टोपे के साथ सूबेदार टीका सिंह, शमसुद्दीन खां और अजीमुल्ला खां के अलावा अजीज़न बाई ने भी हिस्सा लिया। यहां गंगाजल को साक्षी मानकर इन सबने अंग्रेजों की हुकूमत को जड़ से उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया।

जून 1857 में ही इन लोगों ने अंग्रेजों को जोरदार टक्कर देते हुए विजय प्राप्त की और नाना साहब को बिठूर का स्वतंत्र शासक घोषित कर दिया। परंतु यह खुशी ज्यादा दिनों तक नहीं टिक पाई। 16 अगस्त 1857 को बिठूर में अंग्रेजों के साथ पुनः भीषण युद्ध हुआ, जिसमें क्रांतिकारी परास्त हो गए। इन दोनों ही युद्धों में अजीज़न बाई की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण थी। उन्होंने युवतियों की टोली बनाई, जो कि मर्दाना वेश में रहती थीं।

युद्ध के दौरान अजीज़न बाई ने सिद्ध कर दिया कि वह वारांगना नहीं, अपितु वीरांगना है। बिठूर में हुए युद्ध में पराजित होने के बाद नाना साहब और तात्या टोपे को भागना पड़ा, लेकिन अजीज़न बाई पकड़ी गईं। इतिहासकारों के अनुसार युद्ध बंदिनी के रूप में उसे जनरल हैवलाक के सामने पेश किया गया।

उनके अप्रतिम सौंदर्य पर अंग्रेज अफसर मुग्ध हो उठे। जनरल ने उसके समक्ष प्रस्ताव रखा कि यदि वह अपनी गलतियों को स्वीकार कर अंग्रेजों से क्षमा मांग ले तो उन्हें माफ कर दिया जाएगा और वह पुनः रास-रंग की दुनिया सजा सकती हैं। अन्यथा कड़ी से कड़ी सजा भुगतने के लिए तैयार हो जाए। अजीज़न बाई ने क्षमा याचना करने से इनकार कर दिया। अंग्रेज सैनिकों ने उनके शरीर (20 सितंबर 1857) को गोलियों से छलनी कर दिया।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

इक्विटी नियमः आशंकाओं के बीच संतुलन की चुनौती

विश्वविद्यालय केवल डिग्री देने वाली संस्थाएं नहीं होते, बल्कि वे ऐसे मंच होते हैं जहां समान अवसर, विचारों की स्वतंत्रता और सामाजिक न्याय के मूल्य आकार लेते हैं। भारत जैसे विविधता से भरे देश में यह सवाल हमेशा से प्रासंगिक रहा है कि क्या हमारे शैक्षणिक परिसरों में सभी छात्रों को समान सम्मान और अवसर मिल पाते हैं। इसी पृष्ठभूमि में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किए गए नए नियम 'प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 सामने आया है। इन नियमों का उद्देश्य स्पष्ट रूप से जाति आधारित भेदभाव को रोकना और वंचित वर्गों को संरक्षण देना बताया गया है, लेकिन इन्हीं नियमों को लेकर देश के कई हिस्सों में तीखा विरोध भी देखने को मिल रहा है।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

सरकार और यूजीसी का तर्क यह है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव की घटनाएं कोई कल्पना नहीं हैं। बीते एक दशक में सामने आई कुछ दर्दनाक घटनाओं ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय बहस का विषय बना दिया है। रोहित वेमुला और पायल तडवी जैसे मामलों ने यह सवाल उठाया कि क्या विश्वविद्यालय प्रशासन समय रहते हस्तक्षेप करने में विफल रहा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद नियमों को सख्त करने की जो प्रक्रिया शुरू हुई, उसका मकसद जवाबदेही तय करना और यह सुनिश्चित करना था कि किसी भी छात्र को जाति के आधार पर अपमान, उपेक्षा या उत्पीड़न का सामना न करना पड़े। इस दृष्टि से हर कॉलेज में ईक्वल अपॉर्च्युनिटी सेंटर, इक्वलिटी कमेटी और निगरानी तंत्र बनाने का प्रस्ताव एक सकारात्मक कदम माना जा सकता है। यह व्यवस्था उन छात्रों के लिए एक औपचारिक मंच उपलब्ध कराती है, जो शिकायत दर्ज कराने से डरते रहे हैं या जिनकी आवाज दबा दी जाती थी।

सरकार का यह भी कहना है कि नियमों में सख्ती इसलिए जरूरी है, क्योंकि केवल सलाह या दिशा-निर्देश पर्याप्त साबित नहीं हुए। पहले के नियमों में दंड का अभाव था, जिसके कारण कई संस्थानों ने उन्हें गंभीरता से नहीं लिया। नए प्रावधानों में ग्रांट रोकने या मान्यता रद्द करने जैसे कठोर कदम शामिल कर यह संदेश दिया गया है कि जातीय भेदभाव को अब हल्के में नहीं लिया जाएगा। इस तर्क में एक हद तक दम है, क्योंकि किसी भी कानून या नियम की प्रभावशीलता उसके पालन से जुड़ी होती है और पालन अक्सर दंड के भय से ही सुनिश्चित होता है।

दूसरी ओर, इन नियमों को लेकर जो विरोध सामने आया है, उसे केवल पूर्वाग्रह या राजनीतिक उकसावे का परिणाम मान लेना भी उचित नहीं होगा। जनरल कैटेगरी के छात्रों और कुछ शिक्षाविदों का कहना है कि नियमों की भाषा और संरचना असंतुलित है। भेदभाव की परिभाषा में केवल कुछ वर्गों को पीड़ित के रूप में चिन्हित किया गया है, जबकि जनरल कैटेगरी को इस दायरे से बाहर रखा गया है। इससे यह संदेश जाता है कि एक वर्ग को संभावित अपराधी और दूसरे को संभावित पीड़ित के रूप में पहले ही तय कर दिया गया है। किसी भी न्यायपूर्ण व्यवस्था में यह धारणा स्वयं में समस्या पैदा कर सकती है।

सबसे अधिक चिंता झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों के संदर्भ में जताई जा रही है। प्रारंभिक ड्राफ्ट में गलत शिकायत करने पर दंड का प्रावधान था, जिसे अंतिम नियमों से हटा दिया गया। आलोचकों का तर्क है कि इससे नियमों का दुरुपयोग आसान हो जाएगा। शिक्षा संस्थान पहले ही आंतरिक राजनीति, गुटबाजी और व्यक्तिगत टकरावों से अछूते नहीं हैं। ऐसे माहौल में यदि शिकायतकर्ता पर कोई जवाबदेही न हो, तो निष्पक्ष जांच की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

अमृत विचार कैम्पस

वर्ड स्मिथ

कैसे हुई पेन शब्द की उत्पत्ति

पेन शब्द की उत्पत्ति भाषा, इतिहास और लेखन परंपरा के आपसी संबंध को समझने का एक रोचक उदाहरण है। आज जिसे हम साधारण-सा लेखन उपकरण मानते हैं, उसका नाम सदियों पुराने सांस्कृतिक और तकनीकी विकास की कहानी अपने भीतर समेटे हुए है।

'पेन' शब्द अंग्रेजी भाषा का है, जिसकी जड़ें प्राचीन लैटिन भाषा में मिलती हैं। लैटिन में Penna शब्द का अर्थ होता है-पंख। प्राचीन काल में कागज पर लिखने के लिए जिस उपकरण का उपयोग किया जाता था, वह वास्तव में पक्षियों के पंखों से बनाया जाता था। हंस, मोर या अन्य बड़े पक्षियों के पंखों की नोक को तेज कर स्याही में डुबोया जाता और फिर उससे लिखा जाता था। ऐसे लेखन उपकरण को अंग्रेजी में Quill Pen कहा जाता था।

मध्यकालीन यूरोप में विद्वान, लेखक और धार्मिक ग्रंथों के नकलनकर्ता इन्हीं पंखों से लिखते थे। उस समय लेखन एक श्रमसाध्य और कौशलपूर्ण प्रक्रिया थी। पंख से लिखने के लिए हाथ की स्थिरता और अभ्यास की आवश्यकता होती थी, क्योंकि स्याही का प्रवाह पूरी तरह लेखक के नियंत्रण पर निर्भर करता था। यही कारण है कि उस दौर में सुलेख (Calligraphy) को एक कला के रूप में देखा जाता था। समय के साथ लेखन तकनीक में परिवर्तन आया। धातु की निब का आविष्कार हुआ, फिर फाउंटेन पेन और आगे चलकर बॉल पेन अस्तित्व में आए। हालांकि लेखन उपकरण का स्वरूप पूरी तरह बदल गया, लेकिन उसका नाम नहीं बदला। 'पेन' शब्द लेखन की उस पुरानी परंपरा की स्मृति के रूप में भाषा में बना रहा। यह शब्द हमें याद दिलाता है कि भाषा अपने भीतर अतीत की छाप सहेज कर रखती है, भले ही समय कितना ही आगे क्यों न बढ़ जाए।

नोटिस बोर्ड

- महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय (एमजेपीआरयू) के बीएससी कृषि व एमएससी कृषि की परीक्षाएं दो फरवरी से शुरू होंगी। गौरतलब है कि रुहेलखंड विश्वविद्यालय के बरेली व मुरादाबाद मंडल में नौ जिलों में 22 कृषि कॉलेज हैं, जिसमें अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को जिले में ही 17 कॉलेज में ही सेंटर दिया गया है।
- बीएचयू में दूसरे सेमेस्टर की कक्षाएं फरवरी में शुरू होंगी। सत्र को समय से शुरू कर 60 दिन से ज्यादा कक्षाएं चलाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे पहले एनईपी के तहत चल रहीं सेमेस्टर और मिड टर्म परीक्षाएं समाप्त कराने का लक्ष्य रखा है, जबकि एक ही दिन 33 बहुविषयक परीक्षाएं करा ली जाएंगी।
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के तहत स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की 40 हजार से अधिक सीटों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 2 फरवरी से शुरू की जाएगी। नए शैक्षणिक सत्र में यूजी-पीजी स्तर के 25 नए प्रोग्राम भी शुरू किए जा रहे हैं। इस बार बीटेक की कुछ सीटें सीयूईटी से भी भरी जाएंगी। गौरतलब है कि अब तक जेईई स्कोर से ही दाखिले होते थे। तीन साल की एलएलबी को भी शुरू किया गया है। सभी प्रोग्राम में दाखिले के लिए विश्वविद्यालय के टेस्ट सीईटी को देना होगा। अप्रैल-मई में एंट्रेंस होगा।

महाविद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों तक के कैंपस में इस समय माहौल यूजीसी रेगुलेशन-2026 को लेकर चर्चा, बहस और पक्ष-विपक्ष के बीच बंटा हुआ नजर आ रहा है। कहा जा रहा है कि यूजीसी के नए विनियमों से उच्च शिक्षण संस्थानों में एससी, एसटी और ओबीसी बनाम जनरल कैटेगरी के बीच भेदभाव और बढ़ेगा और इन विनियम का दुरुपयोग एडमिशन, नियुक्ति, प्रमोशन हर जगह होगा। इसका दुष्परिणाम यह होगा कि छात्र-छात्रों के बीच जातीय संघर्ष बढ़ने से आपसी समरसता और खत्म हो जाएगी। इसके चलते इन विनियम की सार्थकता जितनी व्यावहारिक रूप से सहज दिख रही है, वास्तविकता से ये उतने ही दूर हैं। इसी तर्क के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके UGC विनियम, 2026 को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई है।

- मनोज त्रिपाठी, कानपुर

समानता के लिए समाधान

टकराव नहीं, संतुलन में है

याचिका में कहा गया है कि नए नियम यूजीसी के समानता नियम के सेक्शन 3(C) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता और व्यक्तिगत आजादी जैसे मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं और यूजीसी अधिनियम 1956 के भी विरुद्ध है। इससे उच्च शिक्षा में समान अवसर देने के अवसर खत्म होंगे। सोशल मीडिया पर भी इस विनियम का भारी विरोध हो रहा है। इस सबके बीच हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि शिक्षा न केवल प्रत्येक मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का हथियार भी है। यदि उच्च शिक्षण संस्थान अलगाववादी बने रहेंगे, तो वे राष्ट्र निर्माण का अपना मुख्य उद्देश्य कैसे पूरा कर पाएंगे। ऐसे में देश को 'शिक्षा के अधिकार' से 'समान शिक्षा के अधिकार' की तरफ आगे बढ़ना जरूरी है और यह तभी संभव है, जब कैंपस के भीतर भेदभावपूर्ण प्रथाओं को हतोत्साहित करने के साथ दंडित करने का प्रावधान सुनिश्चित किया जाए।

इन कारणों से अस्तित्व में आए नए नियम

यूजीसी के अनुसार नए नियमों की जरूरत उच्च शिक्षण संस्थानों में पिछड़ी और अनुसूचित जाति-जनजातियों के विरुद्ध बढ़ते भेदभाव के मामले रोकने और उन पर निगरानी रखने के लिए बनाए गए हैं। 2020 से 2025 के बीच जातिगत भेदभाव से जुड़ी शिकायतों में 100 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की गई थी। इसके अलावा इस नियम को बनाने के पीछे रोहित वेमुला और पायल ताडवी जैसे मामलों में की गई सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियां भी हैं। दरअसल जनवरी 2016 में तेलंगाना में रोहित वेमुला और मई 2019 में पायल ताडवी की आत्महत्या के मामलों के बाद पीड़ित परिजनों ने 29 अगस्त 2019 को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करके जातीय भेदभाव की शिकायतों पर कठोर नियम बनाने की मांग की थी। जस्टिस सूर्यकांत मिश्रा की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने यूजीसी को जातिगत भेदभाव की शिकायतों पर डेटा जुटाने और नए नियम बनाने का निर्देश जनवरी 2025 में दिया था। इसी के बाद फरवरी 2025 में नए नियमों से संबंधित ड्राफ्ट जारी किया गया था। यह भी कहा जा रहा है कि ये विनियम उच्च शिक्षा में जाति-आधारित भेदभाव के विरुद्ध कानूनी और संस्थागत ढांचे को सुदृढ़ करते हैं तथा वर्ष 2019 में आईआईटी दिल्ली के अध्ययन में उठाई गईं उन गंभीर चिंता को संबोधित करते हैं, जिनमें पाया गया था कि ऐतिहासिक रूप से वंचित जातियों के 75 फीसदी छात्र परिसर में भेदभाव का सामना करते हैं।

नए विनियम में यह हैं प्रावधान

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने वाले विनियम-2026 को 13 जनवरी 2026 को अधिसूचित किया है। ये विनियम साल 2012 से लागू भेदभाव-रोधी नियमों का अपडेटेड स्वरूप हैं। इनका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव का उन्मूलन करना है।

- नए विनियमों में जाति आधारित भेदभाव की व्यापक व्याख्या की गई है। जाति-आधारित भेदभाव को अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के विरुद्ध किसी भी अनुचित या पक्षपातपूर्ण व्यवहार के रूप में परिभाषित किया गया है। इसके साथ ही भेदभाव को किसी भी अनुचित, पक्षपाती या भिन्न व्यवहार के रूप में परिभाषित किया गया है, चाहे वह प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष और यह जाति, धर्म, नस्ल, लिंग, जन्मस्थान या विकलांगता जैसे आधारों पर लागू होता है। इसमें ऐसे कृत्य भी शामिल हैं, जो शिक्षा में समानता के अधिकार को बाधित करें या मानव गरिमा का उल्लंघन करें।
- प्रत्येक उच्च शिक्षा संस्थान के लिए समान अवसर केंद्र (EOC) स्थापित करना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य समता, सामाजिक समावेशन एवं समान पहुंच को बढ़ावा देना तथा परिसरों में भेदभाव से संबंधित शिकायतों का समाधान करना है।
- प्रत्येक संस्थान में समान अवसर केंद्र (EOC) स्थापित करना अनिवार्य होगा। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में समाज के सभी वर्गों के लिए समान अवसर और समावेशन सुनिश्चित करना है।
- समान अवसर केंद्र (EOC) के अंतर्गत संस्थान में एक समता कमेटी गठित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता संस्थान के प्रमुख करेंगे। इस कमेटी में ओबीसी, एससी, एसटी, दिव्यांग तथा महिलाओं का प्रतिनिधित्व अनिवार्य होगा, ताकि समावेशी निर्णय प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके। शिकायत मिलते ही समिति बैठक करेगी और रिपोर्ट संस्थान प्रमुख को देगी।
- हर संस्थान को 24 घंटे की इक्विटी हेल्पलाइन चलानी होगी। शिकायतकर्ता की पहचान मांगने पर गोपनीय रखी जाएगी।
- समान अवसर केंद्र को अर्द्धवार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी, जबकि समानता कमेटी को वर्ष में कम से कम दो बार बैठक करनी होगी। हर संस्थान को समान अवसर केंद्र की कार्यप्रणाली पर वार्षिक रिपोर्ट यूजीसी को प्रस्तुत करनी होगी।
- नए विनियमों में भेदभाव उन्मूलन और समानता संवर्द्धन की स्पष्ट जिम्मेदारी संस्थानों को निर्दिष्ट की गई है तथा संस्थान के प्रमुख को प्रभावी कार्यान्वयन और अनुपालन के लिए सीधे उत्तरदायी बनाया गया है।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) राष्ट्रीय स्तर पर एक निगरानी समिति बनाएगा, जिसमें वैधानिक पेशेवर परिषदों व आयोगों के प्रतिनिधि तथा नागरिक समाज के सदस्य शामिल होंगे। यह समिति कम से कम वर्ष में दो बार बैठक करके नियमों के क्रियान्वयन की समीक्षा करेगी, भेदभाव के मामलों की जांच करेगी और रोकथाम के उपाय सुझाएगी।
- नवीन नियमावली में संस्थानों को भेदभाव समाप्त करने, समानता को बढ़ावा देने और इसके लिए उपयुक्त उपाय करने के उत्तरदायित्व दिए गए हैं। संस्थान के प्रमुख को यह सुनिश्चित करने का पूर्ण अधिकार और जिम्मेदारी होगी कि नियमों का पालन हो।

नियमों का अनुपालन न होने पर क्या होगा

उच्च शिक्षा संस्थानों को यूजीसी की योजनाओं में भाग लेने से वंचित किया जा सकता है। उन्हें डिग्री कार्यक्रम, डिस्टेंस लर्निंग एवं ऑनलाइन कार्यक्रम संचालित करने से रोका जा सकता है। अनुदान रोका जा सकता है, नए कोर्स बंद हो सकते हैं। संस्थान को उच्च शिक्षा संस्थानों की सूची से हटाया जा सकता है। इससे ये नियम सिर्फ सलाह नहीं, बल्कि प्रवर्तनीय बन गए हैं।

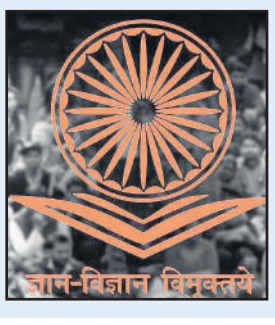

कौन से हैं वह मुख्य बिंदु, जिन पर जताई जा रही है आपत्ति

पिछले साल फरवरी माह में यूजीसी ने इन नियमों का मसौदा (ड्राफ्ट) संस्करण सार्वजनिक सुझावों के लिए जारी किया था। इसमें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को जाति-आधारित भेदभाव के दायरे से बाहर रखा गया था, लेकिन अधिसूचित नियमों में यूजीसी ने ओबीसी को जाति-आधारित भेदभाव के दायरे में शामिल कर लिया है। मसौदा नियमों में भेदभाव की परिभाषा अस्पष्ट थी, जिसे अब विस्तारित करते हुए कहा गया है कि जाति, धर्म, नस्ल, लिंग, जन्मस्थान या दिव्यांगता के आधार पर कोई अनुचित या भेदभावपूर्ण व्यवहार, जो शिक्षा में समानता को लेकर बाधा डालता है या मानव की गरिमा का उल्लंघन करता है, उसे जातिगत भेदभाव माना जाएगा। इसी तरह मसौदा नियमों में यह प्रस्ताव था कि भेदभाव की झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों को 'हतोत्साहित' किया जाएगा और इसके लिए जुर्माना या सस्पेंड करने का प्रावधान रखा गया था, लेकिन अधिसूचित नियमों में झूठी शिकायतों से संबंधित प्रावधान हटा दिया है।

कैंपस में पहला दिन

सीख और स्मृतियों की यात्रा

इंटर की परीक्षा पास करते ही जीवन ने मुझे पहली बार घर की सीमाओं से बाहर निकलने का अवसर दिया। फर्रुखाबाद की परिचित गलियों और अपनेपन भरे माहौल को पीछे छोड़कर मैं पढ़ाई के लिए कानपुर आया। यह केवल शहर बदलने की यात्रा नहीं थी, बल्कि बचपन से युवावस्था की ओर बढ़ने का पहला ठोस कदम भी था। नवाबगंज स्थित वीएसएसडी कॉलेज में बीकॉम में दाखिला लिया और उसी के साथ एक बिल्कुल नई दुनिया मेरे सामने खुलने लगी।

कानपुर का माहौल मेरे लिए आकर्षक भी था और थोड़ा डरावना भी। नए चेहरे, नई भाषा, नए तौर-तरीके, सब कुछ अनजान था। नए दोस्तों से मिलना और उनके बीच अपनी जगह बनाना आसान नहीं था। कॉलेज को लेकर पहले से कई किस्से सुन रखे थे। यह भी पता चला था कि यहां को-एजुकेशन होती है, इसलिए मन में एक मासूम-सी उत्सुकता और खुशी भी थी। यह भ्रम जल्द ही टूट गया। बीकॉम की हमारी पूरी कक्षा में एक भी छात्रा नहीं थी। को-एजुकेशन की सारी कल्पनाएं पहले ही सेमेस्टर में दम तोड़ गईं। फिर भी कॉलेज जीवन निराशाजनक नहीं था। दोस्तों के साथ हंसी-मजाक, कैंटीन की चर्चाएं और कभी-कभार इधर-उधर घूमने की योजनाएं रोजमर्रा का हिस्सा बन गईं। हालांकि पढ़ाई को लेकर माहौल काफी सख्त था। हमारे प्रोफेसर छात्रों की नीयत तुरंत भांप लेते थे। जरा-सी लापरवाही या बहानेबाजी उनके सामने नहीं चलती थी। अनुशासन यहां केवल नियम नहीं, बल्कि आदत बन चुका था। हमारे विभागाध्यक्ष स्वर्गीय डॉ. ज्ञानचंद अग्रवाल एक विलक्षण व्यक्तित्व थे। उनके व्यवहार में कठोरता नहीं, बल्कि अपनापन था। उनकी सरलता, स्नेह और अनुशासन ने हम सब पर गहरा प्रभाव डाला। वे हमें सिर्फ किताबों का ज्ञान नहीं देते थे, बल्कि जीवन जीने की समझ भी देते थे। आज पीछे मुड़कर देखता हूं, तो महसूस होता है कि कानपुर का वह कॉलेज और वहां बिताया गया समय मेरे व्यक्तित्व की नींव बन गया। जो भी आत्मविश्वास, समझ और अभिव्यक्ति मुझमें आज दिखाई देती है, उसके पीछे मेरे कॉलेज और मेरे गुरुओं का अमिट योगदान है। वे दिन स्मृतियों में आज भी जीवित हैं- एक सीख की तरह, एक संस्कार की तरह।

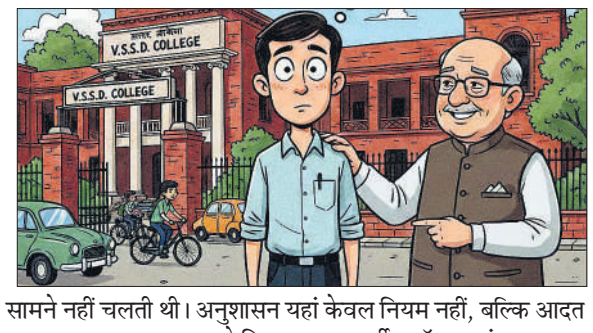

आरके सफ्फड़
उद्यमी एवं समाजसेवी

करेंट अफेयर्स

- हाल ही भारत की रक्षा आधुनिकीकरण की झलक 77 वें गणतंत्र दिवस परेड में उस समय स्पष्ट रूप से देखने को मिली, जब एक उन्नत हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणाली का पहली बार सार्वजनिक प्रदर्शन किया गया। स्वदेशी रूप से विकसित यह हथियार उच्च-गति और सटीक युद्ध क्षमताओं में भारत की बढ़ती तकनीकी क्षमता को दर्शाता है तथा बदलते रणनीतिक वातावरण में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने पर दिए जा रहे विशेष जोर को रेखांकित करता है। हाइपरसोनिक हथियार अपनी असाधारण गति, अनिश्चित उड़ान पथ और उच्च सटीकता के कारण आधुनिक युद्ध में एक क्रांतिकारी परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करते हैं। वर्तमान में केवल कुछ ही देशों के पास परिचालन स्तर की हाइपरसोनिक क्षमताएं हैं। इस क्षेत्र में भारत की प्रगति उसे उन्नत सैन्य शक्तियों के विशिष्ट समूह में स्थापित करती है और भविष्य-उन्मुख रक्षा प्रौद्योगिकियों के प्रति देश की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाती है।
- हाल ही भारत और नामीबिया ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जनवरी 2026 में आयोजित उच्च-स्तरीय राजनयिक परामर्श के दौरान दोनों देशों ने रक्षा, महत्वपूर्ण खनिज, स्वास्थ्य, कृषि और डिजिटल अवसंरचना जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। यह चर्चा संसाधन सुरक्षा, सतत विकास और उभरती वैश्विक चुनौतियों के साझा दृष्टिकोण को दर्शाती है।
- हाल ही में भारत-यूरोपीय संघ (EU) संबंधों ने 2026 में एक नया चरण शुरू किया, जब यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लेयेन ने भारत का उच्च-स्तरीय दौरा किया। इस यात्रा के दौरान व्यापार, सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और जन-जन संपर्क से जुड़े व्यापक समझौते हुए, जो तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में साझेदारी को मजबूत करने की साझा दृष्टि को दर्शाते हैं।
- हाल ही उत्तराखंड राज्य ने अपने नागरिक कानून ढांचे में एक और महत्वपूर्ण सुधार करते हुए समान नागरिक संहिता (UCC) को नए संशोधनों के माध्यम से और सुदृढ़ किया है। इस कदम का उद्देश्य कानून को अधिक व्यावहारिक, पारदर्शी और नागरिक-अनुकूल बनाना है, साथ ही राज्य में नागरिक मामलों में समानता और डिजिटल शासन को मजबूत करना है।

जॉब अलर्ट

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (CBI)

- पद का नाम- फॉरेन एक्सचेंज ऑफिसर (स्केल III) और मार्केटिंग ऑफिसर (स्केल I)
- कुल पद- 350
- नौकरी का स्थान- पूरे भारत में कहीं भी
- वेतन स्केल III: 85,920-1,05,280 और स्केल I: 48,480-85,920
- अंतिम तिथि-03 फरवरी 2026
- परीक्षा की तिथि- फरवरी/मार्च 2026 (संभावित)
- वेबसाइट-centralbankofindia.bank.in

बॉम्बे मर्केंटाइल को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड (BMC बैंक)

- पद का नाम- मैनेजिंग डायरेक्टर
- पदों की संख्या- उल्लेखित नहीं (मैनेजिंग डायरेक्टर का एक कार्यकारी पद)
- योग्यता- किसी भी विषय में ग्रेजुएट, CAIIB, CA, MBA, बैंकिंग और फाइनेंस या कानून में योग्यता या PG डिग्री वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी।
- आयु सीमा-उम्मीदवार की आयु 35 से 65 वर्ष के बीच होनी चाहिए।
- आवेदन की अंतिम तिथि-15-02-2026 (15 फरवरी 2026 से पहले)
- वेबसाइट-www.bmc.bank.in

सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी (CCRH)

- पद का नाम-विभिन्न पद (जूनियर रिसर्च फेलो, सीनियर रिसर्च फेलो, रिसर्च एसोसिएट, साइंटिस्ट C, प्रोजेक्ट एसोसिएट II, मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजिस्ट, मल्टी-टास्किंग स्टाफ, ऑफिस असिस्टेंट, फार्मासिस्ट/कंपाउंडर/डिस्पेंसर, लैब टेक्नीशियन, प्रिंसिपल प्रोजेक्ट एसोसिएट)
- पदों की संख्या-40
- वेतन-रु. 16,000 से रु. 84,337 (एकमुश्त) + HRA (पदानुसार अलग-अलग, कुछ में वार्षिक वेतन वृद्धि)
- योग्यता-पद के अनुसार अलग-अलग
- आयु सीमा-30 से 64 वर्ष (पद के अनुसार अलग-अलग, इंटरव्यू की तारीख के अनुसार)
- वेबसाइट- https://ccrhindia.ayush.gov.in/

कम्युनिकेशन स्किल: सफल करियर की कुंजी

कम्युनिकेशन स्किल आज के समय में कोई अतिरिक्त योग्यता नहीं रह गई है, बल्कि यह हर छात्र के व्यक्तित्व और सफलता की बुनियाद बन चुकी है। कई शोध यह साबित कर चुके हैं कि जिन विद्यार्थियों में प्रभावी संचार क्षमता होती है, वे पढ़ाई में ही नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में आगे रहते हैं। मजबूत कम्युनिकेशन स्किल न केवल आत्मविश्वास बढ़ाती है, बल्कि आपको अपने विचारों को सही शब्दों में ढालने और दूसरों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की ताकत भी देती है। कक्षा में सवाल पूछने से लेकर इंटरव्यू में खुद को प्रस्तुत करने तक- हर जगह संचार कौशल निर्णायक भूमिका निभाता है। कॉलेज का समय इन क्षमताओं को निखारने का सबसे सही दौर होता है।

नवनीत तिवारी
करियर काउंसर

सुनने की बनाएं आदत

अक्सर लोग संचार को केवल प्रभावशाली बोलने की कला मान लेते हैं, जबकि सच यह है कि संवाद की असली शुरुआत ध्यानपूर्वक सुनने से होती है। सुनना केवल शब्दों को ग्रहण करना नहीं, बल्कि सामने वाले की भावना, विचार और दृष्टिकोण को समझने की प्रक्रिया है। जब हम पूरी एकाग्रता से किसी की बात सुनते हैं, तो यह उसके प्रति सम्मान और रुचि को दर्शाता है। सुनने की क्षमता ही सही और संतुलित प्रतिक्रिया का आधार बनती है। इस तरह सुनने की आदत संवाद को सार्थक और भरोसेमंद बनाती है।

शब्दों का चयन सोच-समझकर करें

बोलना आसान है, लेकिन सही समय पर सही शब्द कहना एक कला है। छात्रों को यह समझना चाहिए कि शब्दों का असर गहरा होता है। कभी-कभी एक वाक्य किसी को प्रेरित कर सकता है और वही वाक्य किसी को आहत भी कर सकता है। इसलिए अपनी बात रखने से पहले थोड़ा ठहरें, सोचें और फिर बोलें। प्रत्येक छात्र को इस आदत को विकसित करना चाहिए, क्योंकि एक बार बोले गए शब्द वापस नहीं लिए जा सकते। आपके शब्द सराहना से भरे भी हो सकते हैं और आलोचनात्मक भी। उनमें सामने वाले को अच्छा या बुरा महसूस कराने की शक्ति होती है। इसलिए शब्दों के महत्व को समझें और बोलने से पहले सोचें।

वाद-विवाद से आत्मविश्वास को दें उड़ान

सार्वजनिक रूप से बोलने का डर छात्रों के आत्मविश्वास में सबसे बड़ी बाधा बनता है, जिसे दूर करने में कॉलेज की वाद-विवाद प्रतियोगिताएं अहम भूमिका निभाती हैं। डिबेट में भाग लेने से विद्यार्थी विषय को गहराई से समझना सीखते हैं और अपने विचारों को तार्किक ढंग से प्रस्तुत करने की क्षमता विकसित करते हैं। बहस के दौरान अलग-अलग दृष्टिकोण सामने आते हैं, जिससे सोच का दायरा व्यापक होता है और सहनशीलता भी बढ़ती है। जब छात्र पक्ष और विपक्ष दोनों की तैयारी करते हैं, तो वे किसी भी परिस्थिति में संतुलित और प्रभावी ढंग से अपनी बात रखने में पूर्णरूप से सक्षम होते हैं। साथ ही, प्रतिद्वंद्वी के तर्कों को समझकर उनका संयमित और तथ्यात्मक तरीक से खंडन करना भी सीखते हैं, जो प्रभावी संवाद के लिए आवश्यक कौशल है।

स्पष्ट सोच, प्रभावी अभिव्यक्ति

अगर विचार उलझे होंगे, तो शब्द भी उलझे ही निकलेंगे। इसलिए जरूरी है कि बोलते समय आप मुद्दे पर टिके रहें। लेखन इस दिशा में एक बेहतरीन अभ्यास है। जब आप लिखते हैं और फिर अपने लिखे को पढ़ते हैं, तो सोचने का दायरा विस्तृत होता है और विचारों में स्पष्टता आती है। बोलते समय अपनी बात स्पष्ट और मुद्दे पर केंद्रित रखें। जब आपके विचार स्पष्ट होते हैं, तभी आपकी अभिव्यक्ति में विशिष्टता आती है।

एक हुनर है प्रश्न पूछना भी

यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपने सामने वाले के संदेश को सही ढंग से समझा है, प्रश्न पूछना एक आवश्यक कौशल है। यह न केवल किसी विषय को गहराई से समझने में मदद करता है, बल्कि बातचीत को शुरू करने और उसे आगे बढ़ाने का भी प्रभावी तरीका है। अच्छे प्रश्न पूछने वाले लोग प्रायः अच्छे श्रोता भी माने जाते हैं, क्योंकि वे अपनी राय थोपने के बजाय दूसरों को समझने पर अधिक ध्यान देते हैं। अच्छा संवाद केवल जवाब देने से नहीं, बल्कि सही प्रश्न पूछने से भी बनता है। सवाल पूछने से यह स्पष्ट होता है कि आप बातचीत में रुचि ले रहे हैं और सामने वाले को समझना चाहते हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	82,344.68	25,342.75
बढ़त	487.20	167.35
प्रतिशत में	0.60	0.66

सोना 1,71,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 3,85,000 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, गुरुवार, 29 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

वर्ल्ड ब्रीफ

स्टार्टअप की परिभाषा के विस्तार की तैयारी

नई दिल्ली। सरकार देश में उभरते उद्यमों के लिए परिवेश को और मजबूत करने के लिए स्टार्टअप की परिभाषा का विस्तार कर सकती है। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि विस्तारित परिभाषा में ''डीप-टेक'' और सहकारी समितियां शामिल होंगी। साथ ही स्टार्टअप को डीप-टेक की ओर रुख करने की अनुमति मिलेगी। सरकार ने नवाचार को बढ़ावा देने के लिए देश में स्टार्टअप परिवेश को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए हैं।

ईरान की मुद्रा 16 लाख रियाल प्रति डॉलर

दुबई। आंतरिक अशांति से जूझ रहे ईरान की मुद्रा रियाल बुधवार को फिसलकर 16 लाख रियाल प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर आ गई। इसके एक दिन पहले ही रियाल पहली बार 15 लाख प्रति डॉलर के स्तर तक फिसला था। रियाल में तेज गिरावट ऐसे समय में हुई है, जब ईरान में आर्थिक संकट को लेकर शुरू हुए देशव्यापी प्रदर्शनों को एक महीना पूरा हो चुका है।

एसीसी सीमेंट को 404 करोड़ रुपये का मुनाफा

नई दिल्ली। अडानी समूह की कंपनी एसीसी सीमेंट को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) में 404 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है। कंपनी ने बुधवार को जारी वित्तीय परिणामों में बताया कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 637 करोड़ रुपये के सरकारी अनुदान और आयकर पर 530 करोड़ रुपये के ब्याज को छोड़ दें, तो एक साल पहले सामान्य स्थिति आने के बाद उसे 85 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

टीवीएस मोटर का शुद्ध लाभ 46.26% बढ़ा

नई दिल्ली। दोपहिया एवं तिपहिया वाहन बनाने वाली टीवीएस मोटर कंपनी लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 46.26 प्रतिशत बढ़कर 891.26 करोड़ रुपये रहा। मजबूत बिक्री के दम पर कंपनी का लाभ बढ़ा है। टीवीएस मोटर कंपनी लिमिटेड ने पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 609.35 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था।

ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने में भारत पूरी तरह सक्षम : हरदीप पुरी

भारत और कनाडा ने ऊर्जा सहयोग के संयुक्त वक्तव्य पर किए हस्ताक्षर. हाजसन ने कहा, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय बैठक ऊर्जा संवाद की नई शुरुआत

अनिल त्रिगुणायत,गोवा

अमृत विचार। ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ती वैश्विक चुनौतियों के बीच विकासशील और विकसित राष्ट्रों ने सकारात्मक कदम उठाने की कवायद शुरू कर दी है। भारत में गोवा राज्य के ओएनजीसी परिसर में आयोजित 'भारत ऊर्जा सप्ताह, सम्मेलन इसी कड़ी का हिस्सा। तरलीकृत प्राकृतिक गैस(एलएनजी),तरल पेट्रोलियम गैस(एलपीजी)कच्चे तेल तथा रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों के आपसी आयात-निर्यात को लेकर भारत-कनाडा में बुधवार को संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर किया गया।

दोनों देश हरित हाइड्रोजन व सौर की उत्पादकता और वितरण के संदर्भ में भी मिलकर कार्य करने पर सहमति जताई। विश्व का दूसरा सर्वाधिक क्षेत्रफल वाले देश कनाडा और विश्व की सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश भारत के बीच ऊर्जा क्षेत्र में हुआ पहल उत्तरी अटलांटिक तथा पैसिफिक--एशिया के देशों को भी एक नई दिशा प्रदान करेंगे। समझौते के पश्चात भारत के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में हमारा देश एक उभरती शक्ति बन चुका है।

उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियों का सामना करने में भारत सक्षम है। पुरी ने कहा कि हरित हाइड्रोजन और एलएनजी की उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ इसके विस्तार की स्रोतों पर भी मिलकर कार्य करेंगे। कनाडा और भारत ऊर्जा की विभिन्न आयामों को सही राह दिखाएंगे, भारी निवेश करते हुए उल्लेखनीय कार्य करेंगे। पुरी ने बताया कि ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार को लेकर भारत अपने सहयोगी देशों अर्थात ब्राजील,स्वीडन,पोलैंड,रूस, संयुक्त अरब अमीरात(यूएई),ओमन तथा इंडोनेशिया के साथ मिलकर कार्य कर रहा है।

कनाडा के ऊर्जा मंत्री टिओमी हाज़सन ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में भारत बड़ी शक्ति बन चुका है। कनाडा अपने समुचित संसाधनों के साथ भारत सहयोग देगा और लेगा भी। हाजसन ने यह भी कहा कि करीब 140 करोड़ भारतीयों को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का बीड़ा उठाना कोई आसान काम नहीं। तेल शोधन और रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पाद के निर्यातक देशों में भारत का स्थान विश्व में यूं ही अग्रणी नहीं हो गया है। दोनों देशों के मध्य मंत्रीस्तरीय ऊर्जा संवाद नई शुरुआत है। हम काफी कुछ बेहतर करेंगे। मंत्रियों ने दोनों देशों की सुरक्षा,बेहतरी,आर्थिक विकास हेतु ऊर्जा संसाधन और ऊर्जा आपूर्ति की विविधता को भी रेखांकित किया। भारत व कनाडा के पेट्रोलियम मंत्रालयों ने ऊर्जा क्षेत्र के पूरक प्रकृति तथा ऊर्जा मामलों पर लगातार सहयोग से मिलने वाले पारस्परिक लाभ को भी मान्यता दी। दोनों देशों ने वैल्यू चेन में 'व्यापार से व्यापार' या 'व्यापार से सरकार' सहयोग को प्रोत्साहन देने और आपस में मिलकर कार्य करने की प्रतिबद्धता जताई।

भारत ऊर्जा सप्ताह में भारत के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी तथा कनाडा के ऊर्जा मंत्री टिओमी हाजसन।

भारत-कनाडा में यह बनी सहमति

ट्रांस माउंटेन एक्सपेंशन(टीएमएक्स) पाइपलाइन के माध्यम से कनाडा भारत को कच्चा तेल देगा। भारत कनाडा से एलएनजी,एलपीजी के अलावा अन्य संदर्भित सामग्री आयात करेगा। इसके बदले भारत कनाडा को रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों को बहुतायत में निर्यात करेगा। पहली बार भारत आए कनाडा के पेट्रोलियम मंत्री टिओमी हाजसन ने बताया कि दोनों देश नवीनीकरण ऊर्जा अर्थात हाइड्रोजन,जैव तथा संपोषित विमानन ईंधन बैटरी भंडारण,महत्वपूर्ण खनिज उत्खनन,स्वच्छ प्रौद्योगिकी तथा विद्युत प्रणालियों के नवाचार को आपसी सहयोग से बढ़ावा देंगे। जान लें,भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा तेल और एलपीजी उपभोक्ता,चौथा सबसे बड़ा एलएनजी आयातक तथा चौथा सबसे बड़ा तेल शोधन क्षमता वाला देश है।

भारत-ईयू के समझौते से युवाओं को मिलेंगे रोजगार के नए अवसर : मुर्मू

राष्ट्रपति के दोनों सदनों में संयुक्त अभिभाषण से हुई बजट सत्र की शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर का स्वागत करते हुए बुधवार को कहा कि इससे विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों को गति मिलेगी और देश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। बजट सत्र के पहले दिन संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, भारत ने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने के अपने प्रदर्शन में और सुधार किया है जिसका सीधा लाभ गरीब एवं मध्यम वर्ग को मिल रहा है।

उन्होंने कहा, मेरी सरकार की नीतियों के परिणामस्वरूप, नागरिकों की आय बढ़ी है, उनकी बचत में वृद्धि हुई है और उनकी क्रय शक्ति में भी सुधार हुआ है। भारत और यूरोपीय संघ ने मंगलवार को एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर किए जिसे ''सबसे बड़ा समझौता'' कहा जा रहा है। इसका उद्देश्य दो अरब लोगों का बाजार तैयार करना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय संघ के शीर्ष नेतृत्व ने नियम-आधारित विश्व व्यवस्था की रक्षा के लिए व्यापार एवं रक्षा का बड़े पैमाने पर लाभ उठाने हेतु एक परिवर्तनकारी पांच वर्षीय एजेंडा भी पेश किया है।

खुशहाल किसान पहली प्राथमिकता

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि सरकार के लिए खुशहाल किसान विकसित भारत की पहली प्राथमिकता है और इसी को ध्यान में रखकर किसान सम्मान निधि के तहत कृषकों को चार लाख करोड़ रुपये से अधिक राशि सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की गई है। उन्होंने कहा कि इसके साथ उन फसलों का भी उत्पादन बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है जिसमें अभी तक हमारा कृषि क्षेत्र पीछे था। मुर्मू ने कहा, कृषि का महत्व समझाते हुए संत तिरुवल्लुवर ने कहा था कि समाज के लोग चाहे जिस भी काम से जुड़े हों, हर व्यक्ति का जीवन एक मेहनती किसान के परिश्रम पर निर्भर होता है। इसीलिए मेरी सरकार खुशहाल किसान को विकसित भारत की पहली प्राथमिकता के रूप में देखती है।

सुधार एक्सप्रेस, जीएसटी से एक लाख करोड़ रुपये की बचत

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि सरकार 'सुधार एक्सप्रेस' के पथ पर आगे बढ़ रही है जिससे गरीब एवं मध्यम वर्ग को लाभ हो रहा है। पिछले साल लागू किए गए ऐतिहासिक अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार ने नागरिकों के लिए एक लाख करोड़ रुपये की बचत सुनिश्चित की है। मुर्मू ने कहा कि सरकार ने आयकर कानून में संशोधन किया है और 12 लाख रुपये तक की आय को कर से छूट देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। इन सुधारों से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को अभूतपूर्व लाभ मिल रहे हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली है।

स्मार्टफोन निर्यात अप्रैल-अगस्त में एक लाख करोड़ रुपये पार

राष्ट्रपति ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और भारत स्मार्टफोन उत्पादन में विश्व में दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में एक लाख करोड़ रुपये का निर्यात हुआ। पिछले 11 वर्षों के दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में 25 लाख से अधिक नई नौकरियां पैदा हुई हैं और आईटी सेवाओं, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और वैश्विक क्षमता केंद्रों में भी एक करोड़ से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है।

खरगे ने केंद्र के विकसित भारत को बताया खोखला नारा

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हमला बोलते हुए कहा है कि राष्ट्रपति का अभिभाषण एक औपचारिक प्रक्रिया बनकर रह गया है, जिसमें पुराने दावों और वादों को दोहराया जाता है लेकिन उनके क्रियान्वयन या जवाबदेही पर कोई चर्चा नहीं होती।

कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार द्वारा दिए गए 'विकसित भारत' के नारे पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया के जरिए कहा कि यह नारा स्पष्ट लक्ष्यों, समय-सीमा और परिणामों के बिना सिर्फ राजनीतिक जुमला है। उनका आरोप है कि बिना ठोस रोडमैप के विकास की बात करना जनता को गुमराह करने के बराबर है। खरगे ने मनरेगा को लेकर भी केंद्र को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने रोजगार की गारंटी देने वाले मनरेगा को व्यवस्थित रूप से कमजोर किया है, जिससे करोड़ों गरीब और असंगठित श्रमिकों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। मनरेगा ग्रामीण गरीबों के लिए सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि सम्मान के साथ काम करने का अधिकार था।

सेंसेक्स में 487 और निफ्टी में 167 अंकों का उछाल

मुंबई, एजेंसी

- भारत-यूरोपीय संघ के एफटीए से लगातार दूसरे दिन बाजार में तेजी

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता से बढ़े उत्साह के बीच बुधवार को घरेलू शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन तेजी के साथ बंद हुए। बीएसई सेंसेक्स 487 अंक चढ़ गया जबकि एनएसई निफ्टी में 167 अंकों की तेजी रही।

बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 487.20 अंक यानी 0.60 प्रतिशत उछलकर 82,344.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 646.49 अंक की तेजी के साथ 82,503.97 अंक तक पहुंच गया था। वहीं एनएसई का मानक सूचकांक निफ्टी 167.35 अंक यानी 0.66 प्रतिशत बढ़कर 25,342.75 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर दिसंबर तिमाही के नतीजों के बाद करीब नौ प्रतिशत तक उछल गए। इटर्नल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी तेजी रही।

चांदी 3.85 लाख, सोना 1.71 लाख रुपये पर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को सोना और चांदी की कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी रहा। कमजोर अमेरिकी डॉलर और वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच दोनों नए शिखर पर पहुंच गए। चांदी में लगातार तीसरे दिन तेजी आई और यह 15,000 रुपये यानी 4.05 प्रतिशत बढ़कर सभी कर सहित 3,85,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले सत्र में यह 3,70,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर थी, जबकि शुक्रवार को यह 3,29,500 रुपये प्रति किलोग्राम थी। सर्राफा बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 5,000 रुपये यानी तीन प्रतिशत बढ़कर 1,71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। मंगलवार को यह 1,66,000 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

राष्ट्रीय

यूजीसी के नए नियमों के विरोध में खुलकर उतरे कलराज मिश्रा

कहा- ये नियम समाज को बांटने वाले, इनसे शिक्षा जगत में फैलेगा असंतोष

नोएडा/लखनऊ, एजेंसी

यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ देश भर में फैले असंतोष के बीच राजस्थान के पूर्व राज्यपाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता कलराज मिश्रा भी यूजीसी के नए नियमों के विरोध में उतर आए हैं। उन्होंने कड़ा विरोध जताते हुए स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ये नियम समाज को बांटने वाले हैं और इससे शिक्षा जगत में असंतोष फैलेगा।

नोएडा में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यूजीसी के नए नियम संविधान की मूल भावना का हनन करते हैं और यह एक जाति आधारित, एकतरफा कानून है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। कलराज मिश्रा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह नियम समाज को बांटने वाला है और इससे शिक्षा जगत में असंतोष फैलेगा। उन्होंने मांग की कि या तो इन नियमों में व्यापक बदलाव किए जाएं या फिर इन्हें तत्काल प्रभाव से पूरी तरह वापस लिया जाए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि यदि कोई व्यक्ति झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायत करता है तो उसके खिलाफ क्या कार्रवाई होगी, ये नियमों में साफ नहीं है। बिना जवाबदेही तय किए ऐसे प्रावधान करना गंभीर चिंता का विषय है।

पूर्व राज्यपाल ने कहा कि शिकायत निवारण समिति में सभी वर्गों का समान और संतुलित प्रतिनिधित्व होना बेहद जरूरी है, ताकि किसी भी तरह के पक्षपात की गुंजाइश न रहे और न्याय सुनिश्चित हो सके। कलराज मिश्रा ने जोर देते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था को राजनीतिक या सामाजिक प्रयोगशाला नहीं बनाया जाना चाहिए। नियम ऐसे हों जो सभी के लिए समान हों और संविधान के अनुरूप हों।

मायावती ने कहा- विरोध उचित नहीं

बसपा प्रमुख मायावती ने यूजीसी के नए नियमों का सामान्य वर्ग के कुछ लोगों द्वारा विरोध बिल्कुल भी उचित नहीं है। हालांकि, उन्होंने आगाह किया कि सामाजिक तनाव से बचने के लिए इन नियमों को व्यापक विचार-विमर्श के बाद लागू किया जाना चाहिए था। मायावती ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिवादी भेदभाव के निराकरण के लिए यूजीसी द्वारा सरकारी कॉलेज और निजी विश्वविद्यालयों में समता समिति बनाने के नए नियम के कुछ प्रावधानों का केवल जातिवादी मानसिकता वाले सामान्य वर्ग के लोग ही विरोध कर रहे हैं, इसे भेदभाव और षड्यंत्र मानना कतई उचित नहीं है।

नई दिल्ली

रायबरेली में वकीलों का प्रदर्शन, नहीं किया काम

रायबरेली में अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया, न्यायिक कार्य से विरत रहे और पैदल मार्च कर अपना विरोध दर्ज कराया, साथ ही जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन भी भेजा। रायबरेली कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन की ओर से प्रस्ताव पारित कर अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे।

कौशांबी में सवर्ण आर्मी का प्रदर्शन, मार्च निकाला

कौशांबी में सवर्ण आर्मी के कार्यकर्ता जिला पंचायत परिसर में इकट्ठा हो कर कलेक्ट्रेट पहुंचे और यूजीसी के नए नियम को तत्काल वापस लेने की मांग करते हुए ज्ञापन डीएम को दिया। उन्होंने नए नियमों को सवर्णों के हित के खिलाफ काला कानून बताया। कहा- ये नियम आने वाली पीढ़ियों के लिए अभिशाप साबित होंगे।

देवरिया में उमड़ा जनसैलाब, जमकर नारेबाजी

देवरिया में बुधवार को हजारों लोगों ने सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया और कचहरी के पास रोड पर धरना दिया। सुभाष चौक से निकले लोग सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और यहां भी जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की। वकीलों ने भी प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया। कुछ देर के लिए सड़क पर जाम भी लगाया गया।

केजीएमयू में डॉक्टरों ने किया जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में बुधवार को यूजीसी के नए नियम के विरोध में शिक्षकों, रेजिडेंट डॉक्टरों और कर्मचारियों ने कुलपति कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया और इसे वापस लेने की मांग की। डॉक्टरों का कहना है कि यह नीति कैंपस में समानता बढ़ाने के बजाय जाति आधारित असमानता को बढ़ावा दे सकती है। प्रदर्शन में शामिल डॉ. समीर मिश्रा ने कहा कि इस बिल से यह संदेश जाता है कि सामान्य वर्ग का व्यक्ति अत्याचार करेगा ही करेगा। इसमें सभी वर्गों के लिए समान न्याय की व्यवस्था होनी चाहिए और शिक्षण संस्थानों से जुड़े लोगों को साथ लेकर कानून बनाया जाना चाहिए। डॉ. अमिय अग्रवाल ने कहा कि यह कानून पूर्व प्रस्तावित कम्युनल वायलेंस बिल जैसा प्रतीत होता है, जिसमें सामान्य वर्ग के व्यक्ति को नैसर्गिक न्याय का अधिकार नहीं मिलता। डॉ. नवनीत चौहान ने इसे विधि और तर्क के विपरीत बताते हुए कहा कि इसमें सामान्य वर्ग को ही दोषी मान लिया गया है, इसलिए यह कानून वापस होना चाहिए।

अखिल भारतीय संत समिति ने जताया विरोध, काशी में प्रदर्शन जारी

वाराणसी। अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि यूजीसी की नियमावली पूरी तरह भेदभावपूर्ण है। यह हिंदू समाज को कई वर्गों में बांटने वाला फैसला है। अखिल भारतीय संत समिति इसे स्वीकार नहीं करती। उन्होंने कहा, जिस समानता के अधिकार की बात की जा रही है, उसे यूजीसी खुद नहीं फॉलो कर रही। छात्र जीवन में ही छात्रों के मन में जातिगत भावना इस कदर भर दी जाएगी, तो न्याय की आशा कैसे की जा सकती है, झूठी शिकायतों पर सजा का प्रावधान नहीं है। ऐसे में उच्च जाति में जन्मे छात्रों में अपराधबोध पैदा किया जा रहा है।

कहा- लोग यहां आध्यात्मिक शांति के लिए आते हैं, हम रिक्तता ले लौट रहे

आज शब्द साथ नहीं दे रहे... भारी मन से माघ मेले से विदा हुए स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

प्रयागराज/लखनऊ, एजेंसी

माघ मेले में मौनी अमावस्या पर प्रशासन की ओर से स्नान करने से रोकने के बाद शंकराचार्य शिविर के बाहर धरने पर बैठे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती बुधवार को भारी मन से मेले से विदा हुए। माघ मेले से प्रस्थान से पहले उन्होंने कहा, आज शब्द साथ नहीं दे रहे हैं और स्वर बोझिल हैं। प्रयाग की इस पवित्र धरती पर हम आध्यात्मिक शांति की कामना लेकर आते हैं, लेकिन आज यहां से एक ऐसी रिक्तता और भारी मन लेकर लौटना पड़ रहा है जिसकी कल्पना हमने कभी नहीं की थी।

शंकराचार्य ने कहा, प्रयाग में जो कुछ भी घटित हुआ, उसने न केवल हमारी आत्मा को झकझोरा है, बल्कि न्याय और मानवता के प्रति हमारे सामूहिक विश्वास पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है। संगम की इन लहरों में स्नान करना, अंतरात्मा की संतृप्ति का मार्ग है, लेकिन आज मन इतना व्यथित है कि हम बिना स्नान किए यहां से विदा ले रहे हैं। मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पालकी पर सवार होकर स्नान के लिए संगम जा रहे थे। भीड़ का हवाला देते हुए प्रशासन के अधिकारियों ने उन्हें पालकी से उतरकर जाने को कहा, जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया।

अखिलेश ने कहा- ये बेहद अनिष्टकारी घटना

सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए सत्तारूढ़ दल पर सदियों पुरानी सनातन परंपराओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने शंकराचार्य के स्नान किए बिना माघ मेले से चले जाने को अत्यंत अनिष्टकारी घटना बताया। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, भाजपा के दंभ ने अनादिकाल से चली आ रही सनातनी परंपरा को तोड़ दिया है। संपूर्ण विश्व का सनातन समाज इससे आहत ही नहीं बल्कि अनिश्चित भय से आशंकित है।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो विमान हादसे की जांच

ममता, खरगे और अखिलेश के साथ केंद्रीय मंत्री आठवले ने भी की जांच की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

- ममता ने कहा- चाचा की पार्टी में लौटने की योजना बना रहे थे पवार

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार से संबंधित विमान हादसे पर दुख जताते हुए इस मामले की जांच की मांग की। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने यह भी मांग की कि यह जांच सुप्रीम कोर्टच की निगरानी में होनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने भी विमान हादसे के मामले में जांच की मांग की है।

ममता बनर्जी ने कहा, हमें सिर्फ सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है। बाकी सभी एजेंसियां पूरी तरह भ्रष्ट हो चुकी हैं। उन्होंने घटना पर यह संकेत देते हुए भी सवाल उठाए कि अजित पवार अपने चाचा शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में लौटने की योजना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में सामने आई खबरों से ऐसे कदम के संकेत मिल रहे थे। ममता ने कहा, सुबह अजित पवार की मृत्यु की खबर सुनकर वह सचमुच स्तब्ध रह गईं। इससे पता चलता है कि इस देश में राजनीतिक दलों के नेताओं के लिए भी कोई सुरक्षा नहीं है। उन्होंने कहा, आज सत्तारूढ़ वर्ग का हिस्सा रहे लोग भी सुरक्षित नहीं दिखते।

ममता बनर्जी की इस मांग के बारे में पूछे जाने पर खरगे ने संसद परिसर में कहा, जांच तो होनी चाहिए क्योंकि ऐसा हादसा हुआ है। सभी नेता विमान से जाते हैं, कॉरपोरेट के लोग भी जाते हैं। अहमदाबाद में दुर्घटना हुई। यह छोटा विमान था, ऐसा क्यों हुआ, इसकी जांच तो होनी चाहिए। अखिलेश यादव ने कहा, अजित पवार बड़े नेता थे, कई बार उप मुख्यमंत्री रहे, महाराष्ट्र में लोकप्रिय नेता रहे। आज के समय में हम इतना जागरूक हैं, प्रौद्योगिकी समझते हैं। ममता बनर्जी ने ठीक ही मांग की है। वीआईपी के साथ ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए। पहले भी कई वीआईपी की जान इसी तरह गई है। ऐसी जांच हो जिसमें निष्पक्ष तरीके से पता चले कि यह घटना कैसे हुई।

दांव पर लगा राकांपा का भविष्य

मुंबई। अजित पवार की मौत से न सिर्फ राज्य में भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार में खालीपन पैदा हो गया है, बल्कि राकांपा के भविष्य पर भी अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे हैं। पार्टी के अस्तित्व और संस्थापक शरद पवार के साथ उसके भविष्य के समीकरणों पर सवाल उठने लगे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि पवार के निधन के बाद राकांपा में नेतृत्व का संकट गहरा सकता है, क्योंकि पार्टी में दूसरे नंबर का कोई स्पष्ट चेहरा नहीं है। राज्यसभा सदस्य के रूप में शरद पवार का कार्यकाल इसी साल अप्रैल में समाप्त हो रहा है। अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या राकांपा शरद पवार के नेतृत्व वाली राकांपा (एसपी) के साथ फिर एकजुट हो सकती है, खासकर इसलिए क्योंकि हाल के महीनों में दोनों गुटों के बीच संबंधों में नरमी देखी गई है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को यह सुनिश्चित करना होगा कि अजित पवार के साथ जुड़े 41 विधायक शरद पवार की ओर वापस न चले जाएं। अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं और राजनीतिक रूप से सक्रिय रही हैं। हालांकि, उनके पास प्रशासनिक अनुभव की कमी है। राकांपा के पास एक लोकसभा सदस्य सुनील तटकरे और दो राज्यसभा सदस्य-प्रफुल्ल पटेल तथा सुनेत्रा पवार हैं। महाराष्ट्र की राजनीति में अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा में राकांपा (एसपी) के संभावित विलय को लेकर अटकलें तेज थीं।

- महाराष्ट्र में 2024 में हुए विधानसभा चुनावों में भारी जीत दर्ज करने वाले सत्तारूढ़ गठबंधन 'महायुति' में भाजपा के पास 132, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के पास 57 और राकांपा के पास 41 विधायक हैं।
- वरिष्ठ पत्रकार प्रकाश अकोलकर ने बताया कि राकांपा के दोनों गुट पांच फरवरी को होने वाले जिला परिषद चुनाव में 'घड़ी' चिह्न पर एक साथ चुनाव लड़ रहे हैं, जो प्रभावी रूप से अनौपचारिक विलय का संकेत है।

कैम्ब्रिज विवि ने भारत में अपनी पहुंच बढ़ाते हुए शुरू किया नया शोध केंद्र

लंदन, एजेंसी

- स्नातक छात्रों को मिलेंगे विवि में प्रवेश के अतिरिक्त मौके

ब्रिटेन के प्रतिष्ठित कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने भारत में अपनी पहुंच का विस्तार करते हुए एक नए शोध केंद्र की शुरुआत और शीर्ष स्तर के स्नातक छात्रों के लिए अतिरिक्त प्रवेश मार्गों की घोषणा की है।

विश्वविद्यालय ने मंगलवार को बताया कि कैम्ब्रिज-इंडिया सेंटर फॉर एडवांस्ड स्ट्डीज (सीएएस) नवाचार, शोध और शिक्षण पर केंद्रित होगा तथा ब्रिटेन के अग्रणी विश्वविद्यालय और भारत की तेजी से बढ़ती ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करेगा। यह नया केंद्र भारत में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय की गतिविधियों के लिए एक केंद्रीय मंच के रूप में काम करेगा और बौद्धिक आदान-प्रदान, नीति निर्माण में योगदान और सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देगा। कैम्ब्रिज की कुलपति डेबोरा प्रेंटिस ने कहा कि कैम्ब्रिज-इंडिया सीएएस भारत के श्रेष्ठ शोधकर्ताओं और नवोन्मेषकों के साथ सहयोग स्थापित करने और इस तेजी से बढ़ती ज्ञान अर्थव्यवस्था के साथ संबंध मजबूत करने का एक रोमांचक अवसर है।

प्रतिभाओं को मिलेगा अवसर

विश्वविद्यालय ने कैम्ब्रिज इंडिया रिसर्च फाउंडेशन की स्थापना भी की है, जो एक कंपनी के रूप में कार्य करेगा। इसके माध्यम से आम नागरिक, कैम्ब्रिज के पूर्व छात्र और अन्य हितधारक भारत से कैम्ब्रिज में अध्ययन करने वाले छात्रों की छात्रवृत्ति, शुल्क,अन्य खर्चों के लिए धन दे सकेंगे।

प्रोफेसर प्रेंटिस ने यह भी घोषणा की कि विवि कुछ स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए अतिरिक्त आवश्यकताओं के साथ सीबीएसई की 12वीं कक्षा की योग्यता को मान्यता देगा।

सवालों के घेरे में उड़ते महल

महाराष्ट्र के बारामती में 28 जनवरी 2026 को हुए भीषण विमान हादसे ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार सहित विमान में सवार सभी पांच व्यक्तियों की मृत्यु हो गई। पुणे के बारामती हवाई अड्डे पर लैंडिंग के दौरान निजी विमान लियरजेट 45 दुर्घटनाग्रस्त होकर आग के गोले में तब्दील हो गया। विमानन क्षेत्र में तकनीक और सुरक्षा के उच्चतम मानकों के बावजूद ऐसी घटनाएं हवाई सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ी करती हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की प्राथमिक रिपोर्टों के अनुसार, खराब दृश्यता और तकनीकी खराबी हादसे के संभावित कारण हो सकते हैं। इस हादसे से विमान के रखरखाव पर भी अंगुली उठ रही है। वीआईपी उड़ानों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल की समीक्षा को भी अनिवार्य बना दिया है।

विमान दुर्घटना

हादसे में खोईं हस्तियां

- विजय रूपाणी (12 जून 2025) : अहमदाबाद में एयर इंडिया का विमान क्रैश हो गया था जिसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री की भी मृत्यु हुई थी।
- जनरल बिपिन रावत (8 दिसंबर 2021) : तमिलनाडु के कुन्नूर में वायुसेना का हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ, जिसमें सीडीएस जनरल रावत, उनकी पत्नी और 11 अन्य सैन्य अधिकारियों की मृत्यु हुई।
- दोर्जी खांडू (30 अप्रैल 2011) : अरुणाचल प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर दुर्गम पहाड़ियों में क्रैश हो गया था। • वाईएस राजशेखर रेड्डी (2 सितंबर 2009) : हेलीकॉप्टर हादसे में आंध्र के सीएम की मृत्यु हुई थी।

हादसों के प्रमुख कारण

- मानवीय भूल : लगभग 50% से अधिक हादसों का कारण पायलट की गलती होती है। इसमें गलत निर्णय लेना, थकावट या आपातकालीन स्थिति में सही प्रतिक्रिया न दे पाना शामिल है।
- तकनीकी खराबी : विमान के इंजन में खराबी, हाइड्रोलिक सिस्टम का फेल होना या लैंडिंग गियर का न खुलना गंभीर हादसों की वजह बनता है।
- खराब मौसम : घना कोहरा, तेज हवाएं या अचानक बिजली गिरना पायलट के लिए दृश्यता और नियंत्रण की चुनौती पैदा करता है।
- एयर ट्रैफिक कंट्रोल की गलती : एटीसी द्वारा गलत निर्देश देना या दो विमानों के बीच सुरक्षित दूरी न रख पाना हवाई टक्करों का कारण बन सकता है।
- रखरखाव में कमी : विमान के पुराने पुर्जों को समय पर न बदलना या सुरक्षा जांच में ढिलाई बरतना जानलेवा साबित होता है।

सुरक्षा के कड़े पहरेदार

- उड़ान समय सीमा : पायलटों की थकान कम करने के लिए काम के घंटों, आराम की अवधि का सख्त निर्धारण।
- सुरक्षा ऑडिट : सभी एयरलाइन और निजी चार्टर विमानों का समय-समय पर सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य है।
- मौसम प्रोटोकॉल : खराब दृश्यता के दौरान विमानों को टेक-ऑफ या लैंडिंग की अनुमति नहीं देना।
- विमान की स्थिति : एक निश्चित सीमा से पुराने या बार-बार तकनीकी खराबी वाले विमानों के संचालन पर प्रतिबंध।

खराब रिकॉर्ड

बारामती में हादसाग्रस्त विमान वीएसआर वेंचर्स प्रालि का था, कंपनी का सेफ्टी रिकॉर्ड काफी खराब रहा है। यह तीन साल से भी कम समय में दूसरा बड़ा विमान हादसा है। इससे पहले, 2023 में मुंबई एयरपोर्ट पर इसी कंपनी का एक और विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था।

वर्ल्ड ब्रीफ

वेनेजुएला में अमेरिकी दूतावास फिर खोलने की तैयारी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने संसद को बताया है कि वह वेनेजुएला में बंद अमेरिकी दूतावास को दोबारा खोलने की दिशा में कदम उठा रहा है। इसके तहत कर्मचारियों की एक टीम वहां भेजी जाएगी, जो सीमित राजनयिक कामकाज संभालेगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कर्मचारी एक अस्थायी परिसर में रहकर काम करेंगे। इस दौरान मार्च 2019 में बंद किए गए मौजूदा दूतावास परिसर को आवश्यक मानकों के अनुरूप तैयार किया जाएगा।

द. कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति की पत्नी को 20 महीने की सजा

सियोल। दक्षिण कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति यून सुक-योल की पत्नी किम कोन-ही को रिश्वत लेने के आरोप में 20 महीने जेल की सज़ा सुनाई गई है। सोल की केंद्रीय जिला अदालत ने बुधवार को 1.28 करोड़ वॉन (लगभग 9,010 अमेरिकी डॉलर) की ज़ब्ती के साथ जेल की सज़ा सुनाई। अदालत ने कहा कि किम ने प्रथम महिला के तौर पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल निजी फायदे के लिए किया।

नेपाल में नकली भारतीय मुद्रा के साथ दो बिहारी गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाली अधिकारियों ने हिमालयी देश के रौताहट जिले में बिहार के दो लोगों को नकली भारतीय मुद्रा नोटों के साथ गिरफ्तार किया है। सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के प्रवक्ता मनीष थापा के अनुसार, बिहार के सीतामढ़ी जिले के निवासी 30 वर्षीय बिक्रम कुमार पासवान और 42 वर्षीय राहेश कुमार साह को मंगलवार रात दक्षिणी नेपाल में 2500 रुपये मूल्य की नकली मुद्रा के साथ गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों को नियमित सुरक्षा जांच के दौरान पकड़ा गया। उनके पास 500 और 200 रुपये के नकली नोट थे।

उत्तर-पश्चिमी नेपाल के पहाड़ी इलाकों में भारी हिमपात

काठमांडू। उत्तर-पश्चिमी नेपाल के विभिन्न हिस्सों में हुए भारी हिमपात से कई इलाकों में दो-दो फुट तक बर्फ जम गई और कुछ स्थानों पर सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि मंगलवार रात हुई बर्फबारी से पहाड़ियां और पर्वत बर्फ से ढक गए, जबकि अधिकांश स्थानों पर बारिश भी हुई। भारी हिमपात के कारण कागबेनी-कोराला मार्ग बंद हो गया है।

ईयू के देशों में आयुष चिकित्सकों के लिए खुले अनंत संभावनाओं के द्वार

प्रधानमंत्री मोदी बोले-व्यापार समझौते के बाद यूरोपियन देशों में दे सकेंगे अपनी सेवाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि ऐतिहासिक भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौते के बाद, भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली से जुड़े चिकित्सक अब यूरोपियन संघ के देशों में अपनी सेवाएं दे सकेंगे। केरल में आर्य वैद्यशाला चैरिटेबल अस्पताल के शताब्दी समारोह में मोदी ने कहा कि आयुष चिकित्सक भारत में हासिल की गई व्यावसायिक योग्यता के आधार पर यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देशों में अपनी सेवाएं दे सकेंगे, जिससे आयुर्वेद और योग से जुड़े युवाओं को बहुत फायदा होगा।

प्रधानमंत्री ने एक वीडियो संदेश में कहा कि ईयू के साथ हाल में घोषित ऐतिहासिक व्यापार समझौते से भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली और उसके चिकित्सकों को काफी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता यूरोप में आयुष आरोग्य केंद्र बनाने में भी मदद करेगा और इस उपलब्धि के लिए उन्होंने आयुर्वेद तथा आयुष से जुड़े सभी आगंतुकों को बधाई दी।

समझौते से भारत को ज्यादा लाभ : अमेरिका

न्यूयॉर्क। यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते पर ट्रंप प्रशासन की पहली प्रतिक्रिया में अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि भारत आगे रहा और इस समझौते से भारत को खूब लाभ होगा। ग्रीर ने मंगलवार को कहा कि मैंने अब तक इस सौदे के कुछ विवरण देखे हैं। इसमें भारत को सबसे ज्यादा फायदा होगा। उसकी यूरोपीय बाजार में पहुंच बढ़ेगी। ऐसा लगता है कि भारत को कुछ अतिरिक्त आव्रजन अधिकार मिले हैं। मुझे पक्का तो नहीं पता, लेकिन यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला फॉन डेर लायन ने भारतीय कामगारों के यूरोप में आवागमन के बारे में बात की है। इसलिए मुझे लगता है कि भारत को इससे काफी फायदा होगा।

आयुर्वेद एक इलाके तक सीमित नहीं रहा

प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्य वैद्यशाला ने आयुर्वेद को बचाने, सुरक्षित रखने और आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने इसके संस्थापक वैद्यरत्नम पी एस वारियर के योगदान को भी याद किया। मोदी ने कहा भारत में आयुर्वेद कभी किसी एक ज़माने या इलाके तक सीमित नहीं रहा है और हर ज़माने में, इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति ने ज़िंदगी को समझने, संतुलन बनाने और प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने का रास्ता दिखाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आर्य वैद्यशाला 600 से ज़्यादा आयुर्वेदिक दवाओं का उत्पादन करती है और देश के अलग-अलग हिस्सों में इसके अस्पताल आयुर्वेदिक तरीकों से रोगियों का उपचार करते हैं।

मोदी ने कहा कि भारत सदियों से आयुर्वेद के जरिए लोगों का इलाज कर रहा है, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के अंदर और बड़े पैमाने पर विदेशों में इसकी अहमियत समझाने की कोशिशें नहीं की गईं। उन्होंने कहा कि इसका एक बड़ा कारण साक्ष्य आधारित अनुसंधान और शोधपत्रों की कमी रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब आयुर्वेदिक पद्धतियों को विज्ञान के सिद्धांतों पर परखा जाता है, तो लोगों का भरोसा और मजबूत होता है। उन्होंने खुशी जताई कि आर्य वैद्यशाला ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जैसे संस्थानों के साथ मिलकर आयुर्वेद को लगातार विज्ञान और अनुसंधान की कसौटी पर परखा है। मोदी ने कहा कि संस्थान ने दवा अनुसंधान, क्लिनिकल शोध और कैंसर देखभाल पर ध्यान केंद्रित किया है।

अमेरिका का एक और सैन्य बेड़ा अरमाडा ईरान की ओर बढ़ रहा

- ट्रंप ने सैन्य चेतावनी देने के साथ कूटनीतिक कदम भी बढ़ाया

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अपने सख्त रुख की ओर लौटते हुए कहा है कि एक और सैन्य बेड़ा अरमाडा ईरान की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने अमेरिका के आयोवा राज्य के क्लाइव में एक चुनाव-प्रचार जैसे आयोजन में कहा, वैसे इस समय एक और अरमाडा बड़ी खूबसूरती से तैरते हुए ईरान की ओर बढ़ रहा है। हम देखेंगे। उम्मीद है कि वे हमसे समझौता कर लें। उन्हें हमसे पहले ही समझौता कर लेना चाहिए था। कम से कम देश तो बचेगा।

ट्रंप के बयान से अमेरिका की सैन्य दबाव के साथ कूटनीति की संभावना वाली दोहरी रणनीति झलकी है। इसी क्रम में एक्सियोस को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि ईरान के साथ स्थिति परिवर्तनशील है और बड़े अमेरिकी सैन्य बेड़ों को क्षेत्र के और करीब तैनात किया गया है। उन्होंने दावा किया कि ईरानी अधिकारी कई बार बातचीत की इच्छा जता चुके हैं। इसके बाद एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने पुष्टि की कि यदि ईरान तय शर्तों के तहत संपर्क करता है, तो अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने शर्तें बतायीं, जिनमें यूरेनियम संवर्धन पर रोक, संवर्धित यूरेनियम हटाना, लंबी दूरी की मिसाइल कार्यक्रम पर सीमायें और क्षेत्रीय प्रॉक्सी समूहों के समर्थन का अंत शामिल है। ईरान ने इन शर्तों को सिरे से खारिज किया है, हालांकि बातचीत की इच्छा भी जतायी है। ट्रंप ने जून में किए गए अमेरिकी हमलों का भी जिक्र करते हुए दावा किया कि तीन प्रमुख ठिकानों पर वार कर ईरान की परमाणु क्षमताओं को 'नष्ट' कर दिया गया। इस बीच, अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन के नेतृत्व वाला स्ट्राइक ग्रुप हिंद महासागर में तैनात किया गया है, जिससे वह अमेरिकी केंद्रीय कमान के परिचालन क्षेत्र और ईरान के संभावित लक्ष्य क्षेत्रों के और करीब आ गया है।

नूरी बने पीएम तो इराक की मदद नहीं करेंगे

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर इराक के पूर्व प्रधानमंत्री नूरी कमाल अल-मलिकी सत्ता में वापस आते हैं, तो अमेरिका अब इराक की मदद नहीं करेगा। ट्रंप ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, मुझे पता चला है कि इराक नूरी अल-मलिकी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाने की भूल करने जा रहा है। पिछली बार मलिकी सत्ता में थे तो उनका देश गरीबी और अराजकता में डूब गया था। ऐसा दोबारा नहीं होने देना चाहिए। ट्रंप ने कहा कि अल-मलिकी की नीतियों और विचारधाराओं के कारण, अगर वह चुने जाते हैं तो अमेरिका अब इराक की मदद नहीं करेगा। हमारी मदद के बिना इराक के समृद्ध और स्वतंत्र होने की संभावनाएं शून्य हैं।

स्पेन में करीब पांच लाख अवैध प्रवासी होंगे वैध

मैड्रिड। स्पेन सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए करीब पांच लाख अवैध प्रवासियों को कानूनी दर्जा देने की योजना को मंजूरी दी है। आव्रजन मंत्री एलमा सैज़ ने कहा कि इस योजना के तहत नियमित किए जाने वाले प्रवासी देश के किसी भी हिस्से में, किसी भी क्षेत्र में काम कर सकेंगे। उन्होंने प्रवासन के सकारात्मक प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि यह नीति मानवाधिकार, एकीकरण, सामाजिक सह-अस्तित्व और आर्थिक विकास के अनुकूल है। राष्ट्रीय प्रसारक आरटीवीई से बातचीत में सैज़ ने कहा, यह केवल अनुमान हैं, लेकिन आंकड़ा लगभग पांच लाख के आसपास हो सकता है। यह योजना उनपर लागू होगी जो पांच महीनों से स्पेन में रह रहे हैं।

पाकिस्तान जासूसी मामले में सुनाई 5 साल की सजा

नई दिल्ली,एजेंसी

- एनआईए अदालत के समक्ष आरोपी ने कबूला जुर्म

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने सिम कार्ड के फर्जी इस्तेमाल और सोशल मीडिया मंच के दुरुपयोग से जुड़े पाकिस्तान जासूसी षड्यंत्र मामले में एक प्रमुख आरोपी को पांच साल से अधिक की सजा सुनाई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी अल्ताफहुसैन घनचीभाई उर्फ शकील ने मुकदमे की सुनवाई के दौरान जुर्म कबूल कर लिया था।

इस सुनवाई में अभियोजन पक्ष ने 37 गवाहों से पूछताछ की थी। आंध्र प्रदेश के विशा खापत्तनम स्थित एनआईए की विशेष अदालत ने मंगलवार को इस मामले में सजा सुनाई। अदालत ने आरोपी को सिम कार्ड, ओटीपी और सोशल मीडिया सहित विशिष्ट पहचान सुविधाओं के दुरुपयोग का दोषी ठहराया। अदालत ने दोषी पाए गए अल्ताफहुसैन को गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत पांच साल और छह महीने के साधारण कारावास और 5,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। इसके अलावा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत दो साल और छह महीने के साधारण कैद की सजा और 5 हजार का जुर्माना लगाया गया है।

रूस ने यूक्रेनी ट्रेन पर किया हमला पांच लोगों की मौत

कीव। यूक्रेन के खारकीव क्षेत्र में मंगलवार रात पैसेंजर ट्रेन पर हुए कथित रूसी ड्रोन हमले में पांच लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने एक्स पर एक वीडियो साझा कर यह जानकारी दी। ज़ेलेंस्की ने इस हमले को आतंकवाद की करतूत बताते हुए एक छोटा वीडियो पोस्ट किया, जिसमें ट्रेन के एक डिब्बे में आग लगी हुई दिखायी दे रही थी। क्षेत्रीय आपातकालीन सेवाओं ने बाद में कहा कि आग बुझा दी गयी है। ज़ेलेंस्की ने लिखा कि ट्रेन के डिब्बे में नागरिकों को मारने का कोई सैन्य औचित्य नहीं है, और न ही हो सकता है। खासकर, ट्रेन में 200 से ज़्यादा लोग थे, और 18 लोग उस डिब्बे में थे, जिस पर रूसी ड्रोन में से एक ने हमला किया था।

केरल में पीएफआई के ठिकानों पर छापेमारी

कोच्चि, एजेंसी

- राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने 20 स्थानों पर की छानबीन

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बुधवार को प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) और उससे जुड़े संगठनों के खिलाफ केरल के तीन जिलों में एक साथ व्यापक छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान कुल 20 स्थानों पर तलाशी ली गई।

सुबह तड़के शुरू हुई इस कार्रवाई में पीएफआई कार्यकर्ताओं और उसके सहयोगी संगठन सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) से जुड़े लोगों के आवासों और कार्यालयों को निशाना बनाया गया। एसडीपीआई को प्रतिबंधित पीएफआई का सहयोगी संगठन माना जाता है। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान चावक्काड में पूर्व पीएफआई जिला नेता और वर्तमान एसडीपीआई कार्यकर्ता फामिस अबूबक्कर के आवास की भी गहन तलाशी ली गई, जहां एनआईए की टीम ने दस्तावेजों और अन्य सामग्री की जांच की। यह अभियान मुख्य रूप से एर्नाकुलम, त्रिशूर और पालक्काड जिलों में केंद्रित रहा, जहां कई टीमों ने एक साथ उन ठिकानों पर तलाशी ली। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, केंद्र सरकार द्वारा संगठन को गैरकानूनी घोषित किए जाने के बावजूद उसके नेटवर्क राज्य के विभिन्न हिस्सों में सक्रिय माने जा रहे हैं।

परमाणु कार्यक्रम को मजबूत करेगा उत्तर कोरिया

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश के नए हथियार के परीक्षण का निरीक्षण करने के दौरान कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के आगामी सम्मेलन में उनकी सरकार अपने परमाणु कार्यक्रम को और मजबूत करने की योजना की घोषणा करेगी। सरकारी मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह खबर ऐसे समय में आई है, जब एक दिन पहले दक्षिण कोरिया और जापान ने कहा था कि उन्होंने उत्तर कोरिया की ओर से कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने का पता लगाया है। कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने बताया कि उत्तर कोरिया ने मंगलवार को किम जोंग उन की मौजूदगी में बड़े और उन्नत रॉकेट लॉन्चर सिस्टम का परीक्षण किया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 29 जनवरी, गुरुवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 13.55 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

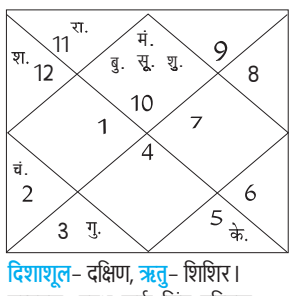

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-रोहिणी 07.31 तक तत्पश्चात मृगशिरा 30 जनवरी 05.29 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

मेष
आज किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी। नए विषयों के अध्ययन में रुचि ले सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। व्यापार से जुड़े लोगों को कठिन निर्णय लेने पड़ सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मिठास बढ़ेगी।

वृष
आज का दिन कारोबार में विस्तार करने के लिए अनुकूल है। उत्तम भोजन का आनंद लेंगे। कुछ नजदीकी लोग आपसे नाराज हो सकते हैं। मित्रों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। किसी महत्वपूर्ण कार्य को लेकर योजना पर चर्चा कर सकते हैं।

मिथुन
आज अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें। कानूनी मामलों को लेकर जल्दबाजी न करें। किसी को धन उधार न दें। पुराने मामले को लेकर परेशानी हो सकती है। विद्यार्थियों की शिक्षा में थोड़ी बाधा उत्पन्न हो सकती है।

कर्क
आज नई संपत्ति खरीद सकते हैं। व्यवसाय में अपेक्षा से अधिक लाभ हो सकता है। प्रेमीजन के साथ एकांत में समय बिताना पसंद करेंगे। अपने खानपान की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखें। बीमार लोगों को स्वास्थ्य लाभ हो सकता है।

सिंह
आज नकारात्मक विचारों से दूर रहें। प्रतियोगी परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता मिलने की संभावना बन रही है। विरोधियों पर आप भारी पड़ेंगे। किसी महत्वपूर्ण परियोजना को लेकर दुविधा की स्थिति में फंस सकते हैं।

कन्या
आज विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। नौकरी में अतिरिक्त काम करना पड़ सकता है। व्यापार को लेकर कोई बड़ा सौदा हो सकता है। कारोबारी यात्राओं के दौरान आपको थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। उच्चाधिकारियों के बीच आपकी अत्यधिक चर्चा होगी।

तुला
आज अपने काम से असंतुष्ट हो सकते हैं। अनावश्यक खर्च अचानक से बढ़ सकते हैं। इसके कारण आपके निजी जीवन में कुछ उथल-पुथल हो सकती है। व्यवसाय को लेकर कुछ अदूरदर्शी निर्णय लेने से बचें। थोड़ा सोच-विचार कर ही काम करें।

वृश्चिक
आज आपको काफी कुछ सीखने को मिलेगा। किसी पुराने निवेश से आपको बड़ा धन लाभ प्राप्त हो सकता है। आप अपने काम में सुधार लाने का प्रयास करेंगे। राजनीतिक लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है।

धनु
आज कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन काफी अच्छा रहने वाला है। आपके कष्टों का निवारण होगा। आपके ऊपर काम का दबाव अधिक रहेगा। सामाजिक जिम्मेदारी को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन कर सकते हैं।

मकर
आज व्यापार में अधिक परिवर्तन न करें। भौतिक सुख-साधनों पर आप धन खर्च कर सकते हैं। अपने प्रेमी को प्रपोज कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। बच्चों के व्यवहार से आप थोड़ा परेशान हो सकते हैं।

कुंभ
आज कुछ पारिवारिक शत्रु आपको परेशान कर सकते हैं। नए कार्यों की शुरुआत करना उचित नहीं है। परिवार के किसी सदस्य को लेकर थोड़े चिंतित रहेंगे। मौसम में बदलाव के कारण सिरदर्द हो सकता है। अपनी जीवनशैली को अनुशासित रखें।

मीन
आज अपने संपर्क क्षेत्र का व्यावसायिक उपयोग करेंगे। लोगों से आपको अत्यधिक प्रेम व सम्मान मिलेगा। नौकरी के लिए इंटरव्यू दे रहे हैं, तो आपको सफलता मिल सकती है। कड़ी मेहनत के द्वारा आपके कार्य सफल होंगे।

सुडोकू-45

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		2				8		
		1	5					7
	3			8		9		4
		5	2			7		8
	8						9	
2		9			6	1		
7		3		9			8	
					1	5		
		6				3		

सुडोकू - 44 का हल

5	8	9	1	4	3	6	2	7
4	2	1	9	7	6	3	8	5
6	3	7	2	5	8	1	9	4
8	6	2	4	3	7	9	5	1
7	9	4	5	8	1	2	6	3
3	1	5	6	9	2	4	7	8
2	4	3	7	6	5	8	1	9
1	7	8	3	2	9	5	4	6
9	5	6	8	1	4	7	3	2

जो भारतीय बल्लेबाज तीनों फॉर्मेट खेलते हैं, उन्हें अपने लाल गेंद की स्किल को निखारने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है और यही हाल के वर्षों में टेस्ट क्रिकेट में उनकी कमजोरियों की एक बड़ी वजह है।
–राहुल द्रविड़

स्टेडियम

कानपुर नगर, गुरुवार, 29 जनवरी 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

भारतीय बल्लेबाजों का स्पिन के सामने कमजोर पड़ना आश्चर्यजनक

नई दिल्ली। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने इयान स्मिथ अब भी 2024 के आखिर में भारत में न्यूजीलैंड की टेस्ट श्रृंखला में 3-0 की ऐतिहासिक जीत को लेकर हैरान हैं और उनका मानना है कि हाल के दिनों में लाल गेंद की क्रिकेट में घरेलू मैदान पर भारतीय बल्लेबाजों के संघर्ष की बड़ी वजह स्पिन के खिलाफ घटती क्षमता रही है। खब्बू स्पिनर एजाज पटेल और मिचेल सैंटनर भारत में उस यादगार टेस्ट सीरीज की जीत के मुख्य सूत्रधार थे। इससे परिणाम से मेजबान टीम का 12 वर्षों से चला आ रहा अजेय क्रम टूट गया।

फाइनल में जगह पक्की करने उतरेगा आरसीबी

वडोदरा। तालिका में शीर्ष पर काबिज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) लगातार दो मैच में हार को पीछे छोड़कर यूपी वॉरियर्स के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मैच में जीत दर्ज करके फाइनल में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश करेगा। आरसीबी (10 अंक) डब्ल्यूपीएल प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने वाली एकमात्र टीम है पर वॉरियर्स के खिलाफ जीत से उसकी फाइनल में जगह भी पक्की हो जाएगी। वहीं दूसरी तरफ प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए कड़ी चुनौती का सामना कर रही वॉरियर्स की टीम को अपनी शीर्ष स्कोरर फोबे लिचफील्ड की चोट से बड़ा झटका लगा है। लिचफील्ड टूर्नामेंट से बाहर हो गई है और एमी जोन्स को उनके स्थान पर लिया गया है। आरसीबी पहले पांच मैच जीत कर सभी टीमों से काफी आगे निकल गई थी, पर उसके बाद दो हार से झटका लगा है।

दुबे के ताबड़तोड़ अर्धशतक के बावजूद न्यूजीलैंड ने भारत को 50 रनों से हराया

चौथा टी-20 मुकाबला : कीवी टीम ने पांच मैचों की सीरीज का अंतर 3-1 किया

विशाखापत्तनम, एजेंसी

शिवम दुबे ने बेहद आक्रामक अर्धशतकीय पारी खेली, लेकिन यह न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां बुधवार को खेले गए चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच में भारत की 50 रन की हार को टालने के लिए पर्याप्त नहीं था। न्यूजीलैंड ने सात विकेट पर 215 रन बनाने के बाद भारत को 18.4 ओवर में 165 रन पर आउट कर दिया।

दुबे ने 23 गेंदों पर 65 रन (तीन चौके, सात छक्के) की विस्फोटक पारी खेली और 216 रन के कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए लगभग अकेले संघर्ष किया। इस जीत के साथ कीवी टीम ने पांच मैचों की सीरीज में अंतर को 3-1 कर दिया। इशान किशन के चोट के कारण बाहर रहने से अभिषेक शर्मा और सूर्यकुमार यादव से तेज शुरुआत की उम्मीद थी। लेकिन अभिषेक भारत की पहली ही गेंद पर आउट हो गए, जब उन्होंने मैट हेनरी की गेंद को डीप पॉइंट पर डेवोन कॉन्वे के हाथों में थमा दिया। सूर्यकुमार यादव के रक्षात्मक शॉट को जैकब डफी ने शानदार रिटर्न कैच में तब्दील किया और भारत का स्कोर नौ रन पर दो विकेट हो गया। रिंकू सिंह (39) और संजू सैमसन (24) ने पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन वे पावरप्ले में या उसके बाद रन गति नहीं बढ़ा सके। रिंकू को जैक फोक्स ने पगबाधा आउट किया, जबकि डफी की गेंद पर शानदार फ्लिक शॉट से छक्का लगाने वाले सैमसन को मिचेल सैंटनर की सीधी गेंद ने बोल्ड कर दिया। हार्दिक पांड्या भी कोई खास योगदान नहीं दे सके और 11वें ओवर में भारत का स्कोर 82 रन पर पांच विकेट हो गया। इसके बाद दुबे और हर्षित राणा (9) पर जिम्मेदारी आ गई। दुबे ने बेखौफ बल्लेबाजी की और लगातार बढ़ती रन गति के दबाव को शायद ही महसूस किया, जो ज्यादातर समय 14 के आसपास बनी रही। जब वह 46 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे तो मैदानी अंपायर ने उन्हें पगबाधा करार दिया लेकिन डीआरएस के जरिए वह आउट होने से बच गये। उन्होंने ईश सोढ़ी के तीसरे ओवर में 29 रन बटोरे, जिसमें दो चौके और तीन छक्के शामिल थे। दुबे ने डफी की गेंद पर स्क्वायर लेग के ऊपर छक्का लगाकर महज 15 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। यह भारत की ओर से इस प्रारूप में तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है। छठे विकेट के लिए दुबे और हर्षित राणा ने 63 रन जोड़े, जिसमें राणा का योगदान चार रन का रहा। लेकिन दुबे की किस्मत तब साथ छोड़ गई, जब राणा का सीधा शॉट हेनरी के हाथ से टकराकर नॉन-स्ट्राइकर एंड पर स्टंप्स से जा टकराया। इसके साथ भारत की उम्मीदें खत्म हो गई।

इससे पहले टिम सिफर्ट की तूफानी अर्धशतकीय पारी से न्यूजीलैंड ने 200 रन के पार पहुंचाया। सिफर्ट (36 गेंदों पर 62 रन, सात चौके, तीन छक्के) न्यूजीलैंड के सबसे सफल बल्लेबाज रहे, लेकिन उन्हें दूसरे छोर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिल सका। 'बिग बैश लीग' खेलकर टीम से जुड़े सिफर्ट ने शुरुआत से ही अपने इरादे साफ कर दिए और अर्शदीप सिंह के एक ओवर में लगातार तीन चौके जड़े। अगले ओवर में उन्होंने हर्षित राणा को लॉन्ग ऑन के ऊपर से छक्का जड़कर अपनी ताकत और टाइमिंग का प्रदर्शन किया। इसके बाद राणा के अगले ओवर में सिफर्ट ने लगातार गेंदों पर एक छक्का और एक चौका लगाया और फिर जसप्रीत बुमराह की गेंद को साइट-स्क्रीन के ऊपर भेजकर एक और छक्का जमाया। न्यूजीलैंड ने चौथे ओवर में 50 रन पूरे कर लिये और पावरप्ले के बाद टीम का स्कोर बिना किसी नुकसान के 71 रन था।

जीत का जश्न मनाती न्यूजीलैंड की टीम। एजेंसी

15 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर शिवम दुबे तीसरे सबसे तेज पचासा लगाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए

शिवम दुबे।

न्यूजीलैंड

215/7 (20 ओवर)

डेवोन कॉन्वे का रिंकू बो कुलदीप	44
टिम सिफर्ट का रिंकू बो अर्शदीप	62
रचिन रवींद्र का एवं बो बुमराह	02
फिलिप्स का रिंकू बो कुलदीप	24
मार्क चैपमैन का राणा बो बिश्नोई	09
डेरिल मिचेल नाबाद	39
मिचेल सैंटेनर रन आउट	11
जैक फोक्स का रिंकू बो अर्शदीप	13
मैट हेनरी नाबाद	06

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-33-2, राणा 4-0-54-0, बुमराह 4-0-38-1, बिश्नोई 4-0-49-1, कुलदीप 4-0-39-2

भारत

165/10 (18.4 ओवर)

अभिषेक शर्मा का कोन्वे बो हेनरी	00
संजू सैमसन बो सैंटेनर	24
सूर्यकुमार यादव का एवं बो डफी	08
रिंकू सिंह पगबाधा फोक्स	39
पंड्या का फोक्स बो सैंटेनर	02
शिवम दूबे रन आउट	65
हर्षित राणा का रवींद्र बो सोढ़ी	09
रवि बिश्नोई नाबाद	10
अर्शदीप का सैंटेनर बो सोढ़ी	00
बुमराह का सोढ़ी बो सैंटेनर	04
कुलदीप का सिफर्ट बो डफी	01

गेंदबाजी : हेनरी 3-0-24-1, डफी 3.4-0-33-1, फोक्स 3-0-29-1, सोढ़ी 4-0-46-2, सैंटेनर 4-0-26-3, फिलिप्स 1-0-7-0

इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ जीती सीरीज

कोलंबो। हैरी ब्रूक (नाबाद 136) और जो रूट (नाबाद 111) की आतिशी शतकीय पारियों और इसके बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे में 53 रन से जीत दर्ज की और सीरीज भी अपने नाम कर ली। यह तीन साल में पहली बार है जब इंग्लैंड ने विदेश में द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज जीती। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 357 का कुल स्कोर बनाया। जवाब में श्रीलंका 304 रनों पर आलआउट हो गई।

महिला सीनियर कबड्डी शुरू

हैदराबाद। 72वीं महिला सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप के पहले दिन हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़, कर्नाटक, राजस्थान, तमिलनाडु और छत्तीसगढ़ ने जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। बालायोगी स्टेडियम में मंगलवार को शुरू हुई चैंपियनशिप में पहले दिन कई निर्णायक नतीजे देखने को मिले। भारत के महिला कबड्डी विश्व कप जीत के तुरंत बाद हो रही इस चैंपियनशिप में विश्व चैंपियन टीम के कई सदस्य अब अपने-अपने राज्यों और संस्थागत टीमों का प्रतिनिधित्व करते हुए एक-दूसरे के खिलाफ खेल रहे हैं। यह प्रतियोगिता 30 जनवरी तक चलेगी।

अर्शदीप और हार्दिक होंगे सफलता की कुंजी : रोहित

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 विश्व कप

9 दिन शेष

टी20 विश्व कप विजेता कप्तान रोहित शर्मा का मानना है कि आगामी टूर्नामेंट में हरफनमौला हार्दिक पंड्या और बायें हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भारत की सफलता की कुंजी होंगे। गत चैम्पियन भारत प्रबल दावेदार के रूप में टूर्नामेंट में उतरेगा।

रोहित ने जियो हॉटस्टार से कहा जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह दोनों का साथ में होना हमारे लिये बहुत सकारात्मक है क्योंकि दोनों विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अर्शदीप नयी गेंद से स्विंग कराने में माहिर है और शुरूआती विकेट लेता है। वह नयी गेंद से और डैथ ओवरों में गेंदबाजी करता है। शुरुआत और अंत बहुत महत्वपूर्ण है और वह दोनों में मजबूत है।

उन्होंने कहा वह नई गेंद को स्विंग कराके बायें हाथ के बल्लेबाजों को स्लिप में कैच आउट करा सकता है और दाहिने हाथ के बल्लेबाजों के पैड को निशाना बना सकता है। नई गेंद के गेंदबाजों के लिये यह कौशल काफी अहम है। वह हमेशा विकेट लेने की कोशिश करता है और यही वजह है कि वह पहला ओवर डालता है।

रोहित ने कहा टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसने शानदार गेंदबाजी की। मुझे अभी भी याद है कि क्विंटोन डि कॉक को क्रीज पर जमने के बाद उसने आउट किया और 19वें ओवर में दो या तीन रन ही दिये जिससे दक्षिण अफ्रीका दबाव में आ गई। उन्होंने कहा वह टी20 विश्व कप 2026 में भी भारत के लिये अहम साबित होगा। भारत ने वेस्टइंडीज और अमेरिका में रोहित की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीता जिसके बाद रोहित ने इस प्रारूप से विदा ले ली।

हार्दिक की भूमिका के बारे में रोहित ने कहा हार्दिक पंड्या जब भी टीम में होता है तो उसकी भूमिका बड़ी होती है। वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी में निरंतरता से खेलता है। टीम दबाव में होती है तब उसकी बल्लेबाजी अहम होती है। अगर 15 या 16 ओवर में हमारा स्कोर 160 है और हार्दिक क्रीज पर है तो वह 210 या 220 तक ले जा सकता है। हमारे चार विकेट भी 50 रन पर गिरे हों तो वह पारी को संभाल सकता है। रोहित ने कहा कि कुलदीप यादव और वरूण चक्रवर्ती दोनों को अंतिम एकादश में रख पाना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी कि कुलदीप और वरुण दोनों को साथ में कैसे उतारें। दो तेज गेंदबाजों को ही उतारने पर यह संभव है। वैसे मैं होता तो दोनों को टीम में रखता क्योंकि दोनों विकेट लेते हैं और बल्लेबाज उन्हें भांप नहीं पाते।

टाटा स्टील शतरंज मास्टर्स

गुकेश हारे प्रज्ञानानंद की पहली जीत

विज आन ली (नीदरलैंड्स)। विश्व चैंपियन डी. गुकेश को टाटा स्टील मास्टर्स में के नौवें दौर में बुधवार को यहां जर्मनी के मैथियास ब्लूबाउम के खिलाफ पराजय झेलनी पड़ी, जबकि अर्जुन एरिगैसी को अमेरिका के हैंस मोक नीमैन के साथ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा।

डी. गुकेश।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट का टिकट पक्का करने वाले इकलौते भारतीय आर प्रज्ञानानंद ने टूर्नामेंट में पहली बार सफलता का स्वाद चखा। विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव उज्बेकिस्तान के हमवतन नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के साथ बराबरी की बाजी खेली। अब्दुसत्तोरोव छह अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं। सिंदारोव नीदरलैंड्स के जोर्डन वान फोरेस्ट और तुर्किये के यागिज कान एरदोग्मुस के साथ 5.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है।

खेल संघों को राष्ट्रीय प्रतीक और लोगो के अनाधिकृत उपयोग को बंद करने का निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

- **खेल मंत्रालय ने निर्देशों का उल्लंघन करने पर मान्यता निलंबित करने की चेतावनी दी**

खेल मंत्रालय ने बुधवार को राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) को निर्देश दिया कि वे अपनी स्टेशनरी और डिजिटल मंचों पर राष्ट्रीय प्रतीक चिन्हों तथा मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के लोगो के अनधिकृत उपयोग से परहेज करें।

मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि निर्देशों के उल्लंघन की स्थिति में मान्यता निलंबित की जा सकती है। राष्ट्रीय महासंघों की वेबसाइटों पर, खासकर होम पेज के निचले हिस्से में, संबद्धता दर्शाने के लिए साइ और मंत्रालय के लोगो दिखाई देना आम बात है। उनकी स्टेशनरी पर भी ये लोगो अंकित रहते हैं और मंत्रालय के प्रतीक में राज्य प्रतीक शामिल होता है।

मंत्रालय ने कहा यह पाया गया है कि कुछ एनएसएफ अपने लेटरहेड, वेबसाइट, विजिटिंग कार्ड और अन्य संचार सामग्रियों पर सरकारी लोगो और प्रतीकों का उपयोग कर रहे हैं, जिससे यह गलत धारणा बनती है कि वे भारत सरकार या साई का प्रत्यक्ष हिस्सा हैं।

उन्होंने कहा इस प्रकार का उपयोग अनधिकृत है और राष्ट्रीय खेल विकास संहिता, 2011 के प्रावधानों के विपरीत है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि इन निर्देशों का कोई भी उल्लंघन गंभीरता से लिया जाएगा और मौजूदा दिशानिर्देशों तथा कानूनों के तहत उचित कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने कहा इसमें मान्यता का निलंबन या वित्तीय सहायता की रोक भी शामिल है।

भारत का राज्य प्रतीक मौर्य सम्राट अशोक के सारनाथ स्थित सिंह स्तंभ से लिया गया है, जो वर्तमान में सारनाथ संग्रहालय में संरक्षित है। सिंह स्तंभ की आकृति में एक आधार पर स्थापित तीन सिंह दर्शाए गए हैं, जिनके मध्य में धर्मचक्र, दाईं ओर बैल और बाईं ओर दौड़ता हुआ घोड़ा अंकित है, जबकि दोनों छोरों पर धर्मचक्र की आकृतियां हैं।इसके उपयोग से संबंधित मौजूदा कानून के अनुसार, केवल केंद्र सरकार ही उन मामलों में इसके उपयोग की अनुमति दे सकती है, जहां आधिकारिक संबद्धता का संकेत मिलता हो। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भले ही एनएसएफ को सरकार से मान्यता प्राप्त हो और वे वित्तीय सहायता के पात्र हों, लेकिन इससे उन्हें भारत सरकार, मंत्रालय या साई के नाम, प्रतीक या लोगो के उपयोग का अधिकार नहीं मिल जाता। सरकार ने कहा, "एनएसएफ केवल मंत्रालय द्वारा दी गई मान्यता का पाठ्य रूप में उल्लेख कर सकते हैं, लेकिन किसी भी आधिकारिक लोगो या प्रतीक का उपयोग नहीं कर सकते। एनएसएफ को जारी निर्देश में कहा गया है कि सरकार और साइ के लोगो का उपयोग केवल प्रतियोगिता या आयोजन विशेष प्रचार सामग्री, जैसे बैनर, बैकड्रॉप, विज्ञापन, साइनज या स्मृति चिन्ह" तक सीमित रहेगा। यह अनुमति भी केवल उन्हीं मामलों में होगी, जहां आयोजन को वित्तीय सहायता दी गई हो या औपचारिक मान्यता प्रदान की गई हो। निर्देश दिया गया है कि वे हर जगह से अनधिकृत लोगो तत्काल हटाएं और यह सुनिश्चित करें कि भारत सरकार या साई के साथ उनकी संबद्धता किसी भी रूप में गलत तरीके से

विश्व के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर। एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई ओपन जोकोविच भाग्य के सहारे आगे बढ़े, महिला वर्ग में एलिना रिबाकिना और जेसिका पेगुला ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया

यानिक सिनर खिताबी हैट्रिक से दो जीत दूर

मेलबर्न, एजेंसी

विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी और पिछले दो बार के चैंपियन यानिक सिनर ने बुधवार को यहां सीधे सेटों में जीत दर्ज करके ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं रिकॉर्ड 10 बार के विजेता नोवाक जोकोविच भाग्य के सहारे अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे। जोकोविच पहले दो सेट हार गए थे और वह घर वापस लौट के बारे में सोचने लग गए थे, लेकिन तभी भाग्य ने पलटी खाई क्योंकि पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गए।

सिनर ने एक अन्य मैच में अमेरिका के आठवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को दो घंटे 23 मिनट तक चले मैच में 6-3, 6-4, 6-4 से पराजित किया। वह लगातार तीसरी बार खिताब जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने से केवल दो जीत दूर हैं। जोकोविच दो बार यह कारनामा कर चुके हैं। सिनर को सेमीफाइनल में अधिक तरोताजा जोकोविच का सामना करना है जिन्हें चौथे दौर में वाकओवर मिला था। पुरुष वर्ग का अन्य सेमीफाइनल विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और तीसरे वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच खेला जाएगा।

एलिना रिबाकिना।

जेसिका पेगुला।

महिला वर्ग में पांचवीं वरीयता प्राप्त एलिना रिबाकिना और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया जहां उनका आमना सामना होगा। रिबाकिना ने विश्व में दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से जबकि छठी वरीय पेगुला ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी और यहां चौथी वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा को 6-1, 7-6 (6-1) से हराया। मुसेटी ने जोकोविच के खिलाफ पहले दो सेट 6-4, 6-3 से जीते। उन्होंने तीसरे सेट के तीसरे गेम में अपने दाहिने पांव के ऊपरी हिस्से में चोट लगने के कारण मेडिकल टाइमआउट लिया। इसके बाद उन्होंने एक और गेम खेला, पर फिर आगे नहीं खेल सके। जब मुसेटी ने मैच से हटने का फैसला किया तब जोकोविच तीसरे सेट में 3-1 से आगे चल रहे। इस तरह से जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में 11वां खिताब और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद जारी रखी। उनका कहना है इस बार वे भाग्यशाली रहे।

अत्यधिक कैमरों पर स्वियातेक भी झल्लाईं

मेलबर्न। इगा स्वियातेक ने बुधवार को यहां उसी विषय को आगे बढ़ाया जिसे कोको गॉफ ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट में मंगलवार को उठाया था। गॉफ का क्वार्टर फाइनल में हारने के बाद कोर्ट के बाहर निराशा में रैकेट तोड़ने का वीडियो वायरल हो गया था जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई थी। गॉफ ने कहा था कि उन असीमित पहुंच वाले कैमरों के बारे में विचार करने की जरूरत है जो खिलाड़ियों को लॉकर रूम से लेकर कोर्ट तक और बीच में लगभग हर जगह ट्रैक करते हैं। स्वियातेक से बुधवार को पांचवीं वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से क्वार्टरफाइनल में 7-5, 6-1 से हारने के बाद पूछा गया कि खिलाड़ियों के लिए ऐसे क्षेत्रों की कमी के बारे में वह कैसा महसूस करती हैं जहां कैमरों की नजर ना हो। स्वियातेक ने कहा सवाल यह है कि हम टेनिस खिलाड़ी हैं या हम चिड़ियाघर के जानवरों की तरह हैं, जहां उनकी शौच करते समय भी निगरानी की जाती है।